शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगले मुख्यमंत्री के बारे में चर्चा की जरूरत नहीं : परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-252

कोलकाता डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले में आंदोलनकारी डॉक्टरों को सुप्रीम चेतावनी

आज शाम पांच बजे तक काम पर नहीं लौटे तो होगी कार्रवाई

सीआईएसएफ जवानों को आवास सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराए राज्य सरकार

एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई, कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब, मामला गड़बड़ लगता है

शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को गायब डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का दिया आदेश

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से कोलकता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ ही आंदोलनकारी डॉक्टरों से मंगलवार शाम पांच बजे तक अपने-अपने काम पर लौटने का सोमवार को निर्देश दिया। वहीं शीर्ष कोर्ट ने सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर कोर्ट ने राज्य के गृह सचिव को आदेश दिया कि सभी जवानों को रहने के लिए घर मुहैया कराया जाए। ये जवान अस्पताल की सुरक्षा के लिए आए हैं। उनको अतिरिक्त सुरक्षा उपकरण भी दिए जाएं। इस दौरान केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले की जांच को लेकर स्टेटस रिपोर्ट पेश की। बंगाल सरकार ने भी कोर्ट को स्थिति रिपोर्ट सौंपी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है। इसमें बताया गया है कि जब डॉक्टर काम नहीं कर रहे थे, तब 23 लोगों की मौत हो गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सीबीआई से नई स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने जांच एजेंसी को एक हफ्ते का समय दिया है। इसके बाद कोर्ट ने मामले पर सुनवाई 17 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने नौ अगस्त को उस कॉलेज की 31 वर्षीया एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में जांच प्रगति विवरण और अन्य पहलुओं पर विचार करने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने कथित दुष्कर्म और हत्या के खिलाफ एक माह से लगातार हड़ताल, धरना, प्रदर्शन कर रहे पश्चिम बंगाल के डॉक्टरों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कल शाम 5 बजे तक अपनी-अपनी ड्यूटी पर लौट आएं, नहीं तो राज्य सरकार उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि डॉक्टरों का विरोध उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमने दो दिन का समय दिया है। युवा डॉक्टरों को अब अपने काम पर वापस लौटना चाहिए। हम जानते हैं कि जमीनी स्तर पर क्या हो रहा है। पहले काम पर लौटें। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। आपको अब काम पर लौटना होगा। यदि आप काम पर नहीं आते हैं, तो आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराएं। पीठ ने इस चेतावनी के साथ ही हड़ताली डॉक्टरों को यह भी आश्वासन दिया ▶10 पर

मुश्किलों में फंसीं मुख्यमंत्री ममता का बेहूदा बयान

दुर्गा पूजा समीप इसलिए पुलिस कमिश्नर को मैंने इस्तीफा देने से रोका

कोलकाता, 09 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को सोमवार को पूरा एक महीना बीत गया है। पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। आरजी कर अस्पताल में हुई दरिंदगी के बाद से लगातार पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग उठ रही है। अब इस मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि पिछले हफ्ते कोलकाता पुलिस कमिश्नर खुद उनके पास इस्तीफा देने आए थे। मगर दुर्गा पूजा का समय पास में है। ऐसे में किसी को कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में पता होना चाहिए। इसलिए उन्हें इस्तीफा देने से रोक दिया।

ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य सचिवालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान हम सभी को सतर्क रहना होगा। धर्म व्यक्तिगत है लेकिन त्यौहार सभी का है। दुर्गा पूजा हमारा सबसे बड़ा त्यौहार है और बंगाल को बदनाम करने की कोई साजिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ टीवी चैनल सिर्फ टीआरपी के लिए लोगों को भड़का रहे हैं। कुछ लोग बंगाल में आग लगाना चाहते हैं।सीएम ने कहा कि कुछ चैनल लगातार बंगाल को बदनाम करने के लिए उकसा रहे हैं। वे बंगाल के लोगों का अपमान करने की कोशिश कर रहे हैं। वे भूल गए हैं कि बंगाल के लोग साल भर इस सबसे बड़े त्यौहार का इंतजार करते हैं। यह बड़े व्यवसाय का समय है।

लेकिन कुछ लोग आर्थिक विनाश चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते कोलकाता पुलिस कमिश्नर खुद मेरे पास आकर इस्तीफा देने की इच्छा जता रहे थे। लेकिन हमारे पास दुर्गा पूजा नजदीक है लेकिन किसी को कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के बारे में पता होना चाहिए। इसलिए हमने उन्हें रोक दिया।

धर्म व्यक्तिगत है लेकिन त्यौहार सभी का है, यह बड़े व्यवसाय का समय है

कुछ लोग बंगाल को आग में झोंकना और उसका आर्थिक विनाश चाहते हैं

वे बंगाल के लोगों का अपमान करने की कोशिश कर रहे

सेना और वायु सेना ने जीएसवी के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

प्रभावी लॉजिस्टिक प्रणाली तैयार करने में मदद मिलेगी : राजनाथ

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। सेना और वायु सेना के कर्मियों के कौशल और क्षमता को बढ़ाने के लिए सोमवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी), वडोदरा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये।

समझौता ज्ञापन दोनों सेनाओं को लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में उच्च विशेषज्ञता हासिल करने में सक्षम बनाएगा। यह लॉजिस्टिक्स संचालन के विभिन्न पहलुओं पर आन्तरिक विशेषज्ञता का विकास सुनिश्चित करेगा और राष्ट्रीय विकास योजनाओं पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान 2021 तथा राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति 2022 में प्रभावी ढंग से योगदान देगा। रक्षा मंत्री ने इस सहयोग को सशस्त्र बलों की लॉजिस्टिक्स प्रणाली को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साझेदारी के रूप में वर्णित किया और साथ ही इसे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स अब केवल सशस्त्र बलों का सहायक कार्य नहीं है बल्कि सैन्य अभियानों और राष्ट्रीय सुरक्षा में ▶10 पर

रक्षा मंत्रालय ने सुखोई के इंजन के लिए एचएएल के साथ 26 हजार करोड़ का अनुबंध किया

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से सुखोई -30 विमानों के लिए 26,000 करोड़ रुपए की लागत से 240 ए एल -31 एफ पी एयरो इंजन की खरीद के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी की मौजूदगी में रक्षा मंत्रालय और एच ए एल के वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

इन एयरो इंजन का निर्माण एचएएल के कोरापुट डिवीजन में किया जाएगा ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट से अभिषेक और रुजिरा बनर्जी को झटका

ईडी के समन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में कथित स्कूल नौकरी घोटाले को लेकर नई दिल्ली में पूछताछ के लिए भेजे गए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजिरा की याचिका सोमवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिकाकर्ता बनर्जी दंपत्ति की अपील खारिज करते हुए उन्हें आवश्यकता अनुसार ईडी के समक्ष पेश होने को कहा। ईडी ने याचिकाकर्ताओं को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपने समक्ष पेश होने के लिए कहा था, जिसे चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था उनका मूल निवास स्थान कोलकाता है। इसी आधार पर उन्होंने ईडी के समन को चुनौती दी थी। ▶10 पर

भारत और यूएई के बीच पांच बड़े समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान दो दिवसीय भारत दौरे पर

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन जायद अल नाहयान दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं। क्राउन प्रिंस के दौरे के बीच भारत और अबू धाबी के बीच पांच समझौते हुए हैं। इनमें अधिकांश समझौते परमाणु ऊर्जा और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को लेकर हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन समझौतों से भारत-यूएई के संबंध मजबूत होंगे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक एमिरेट्स न्यूक्लियर एनर्जी कंपनी (ईएनईसी) और न्यूक्लियर पावर कोऑपरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के बीच बराख परमाणु ऊर्जा संयंत्र के संचालन और रखरखाव को लेकर समझौता हुआ है। इसके अलावा अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बीच लंबे समय तक एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति के लिए समझौता हुआ। साथ ही एडीएनओसी और इंडिया स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड के बीच एमओयू साइन किया गया। इसके अलावा ऊर्जा भारत और एडीएनओसी के बीच अबू धाबी ओमशोर ब्लॉक एक के लिए उत्पादन रियायत समझौता हुआ है। वहीं भारत में फूड पार्क के लिए विकास पर गुजरात सरकार और अबू धाबी विकास होल्डिंग कंपनी पीजेएससी के बीच

समझौता हुआ।

क्राउन प्रिंस के रूप में अल नाहयान का यह पहला आधिकारिक भारत दौरा है। 10 सितंबर को अल नाहयान मुंबई के लिए रवाना होंगे। मुंबई में वह एक बिजनेस फोरम में हिस्सा लेंगे। इस कार्यक्रम में दोनों देशों के कई बिजनेस लीडर भी शामिल होंगे। मंत्रालय ने बताया कि भारत और अबू धाबी के बीच ऐतिहासिक रूप से करीब और मित्रवत संबंध रहे हैं। हाल के वर्षों में कई क्षेत्रों में भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी गहरी हुई है। जिनमें व्यापार, निवेश, राजनीतिक, संपर्क, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा और संस्कृति शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में अबू धाबी का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने अबू धाबी के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की थी।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षाबलों ने मारे 2 आतंकी

राजौरी, 09 सितंबर (ब्यूरो)। सेना ने सोमवार को राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में घुसपैठ रोधी अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर लिखा कि, संभावित घुसपैठ के बारे में खुफिया एजेंसियों और जम्मू कश्मीर पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना ने 08-09 सितंबर 24 की रात को नौशेरा के लाम क्षेत्र में घुसपैठ विरोधी अभियान शुरू किया। सेना ने कहा कि दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है और दो एके-47 और एक पिस्तौल सहित बड़ी मात्रा में युद्ध सामग्री बरामद की गई है। तलाशी अभियान जारी है। सेना ने दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान मारे गए दो आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में ▶10 पर

भारी तादाद में हथियार बरामद

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,570/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 84,055/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 21^0

अमेरिका में राहुल ने देश के प्रति फिर उगला जहर, कहा-

सब कुछ मेड इन चाइना है इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत

टेक्सास, 09 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी विपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार विदेश दौरे पर हैं। वे रविवार को अमेरिका के टेक्सास राज्य पहुंचे। यहां उन्होंने 2 कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने डलास में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने सोमवार को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के छात्रों से भारतीय राजनीति, इकोनॉमी और भारत जोड़ो यात्रा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। राहुल ने कहा, भारत में सब मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं। कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा विपक्ष के नेता के तौर पर मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है। ▶10 पर

पित्रोदा बोले- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं

मोहब्बत की दुकान से थोक में बांटी जा रही नफरत

अमेरिका में राहुल के बयान पर भड़की भाजपा

चीन के पैसों पर पल रहे कांग्रेसी नेता :गिरिराज

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने डलास के टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों से बातचीत की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत में रोजगार की समस्या है। वहीं राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा नेताओं की तरफ से जमकर निशाना साधा गया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे भारत की तारीफ करने की बजाय वो विदेश जाकर भारत को गाली दे रहे हैं और चीन की तारीफ कर रहे हैं, दुश्मन देश की तारीफ कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि वो चीन के पैसों पर पल रहे हैं और विदेश जाकर चीन की ब्रांडिंग कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए जो भारत से बाहर जाकर भारत की आलोचना करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरएसएस पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर कहा, कि अगर उनकी दादी के पास जाकर ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

पर्युषण पर्व का समापन

अहंकार के विसर्जन का पर्व हैं मैत्री पर्वः साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में भगवती पर्युषण पर्व का समापन मैत्री दिवस के रूप में साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी प्रमुखा श्री विश्रुत विभाजी, मुख्य मुनि महावीर कुमार जी, साध्वीवर्या जी एवं समस्त चारित्र आत्माओं को भाव वंदना के साथ किया गया।

सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने साध्वी वृंद एवं उपस्थित श्रावक समाज से खमत खामणा करते हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि अहंकार के विसर्जन का पर्व हैं मैत्री पर्व। यह विनय सीखाता है। भूल और गलतियां होना स्वाभाविक है, किंतु कभी-कभी उसका कांटा हमारे भीतर रह जाता है। यह पर्व उस कांटे को बाहर निकालने का है।

कटुता का शस्त्र जब तक बाहर नहीं निकलता है तब तक दुश्मनी का घाव कचोटता रहता है। आज का यह दिवस वैर - विरोध के इन धावों को निकाल कर बाहर करने का है।

क्षमा याचना सिर्फ परंपरा निभाने के लिए नहीं, अंतरात्मा से करें तभी इस पर्व की सार्थकता होगी। साध्वी श्री मलययशा जी ने क्षमा याचना दिवस पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि यह आत्म जागरण का पर्व है।

मैत्री और रिश्तों को साधने का उत्सव है क्षमा याचना दिवस। साध्वी दीक्षाप्रभा जी ने कहा कि क्षमा याचना पर्व मैत्री का पर्व है। आज के दिन हम अपने बुरे अनुभवों को याद करते हुए सच्चे दिल से क्षमा याचना कर अंतर मन की गांठों को खोलने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में विमल कटारिया, तेयुप राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विजय नगर तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया, आरआर नगर अध्यक्ष राकेश छाजेड़, अर्हम मित्र मंडल मंत्री विनोद पारख, टीपीएफ उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, आरआर नगर महिला मंडल अध्यक्ष सुमन पटवारी, ज्ञानशाला संयोजिका ममता मांडोत, तेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोकरणा, महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने क्षमा याचना दिवस पर अपने-अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का कुशल संचालन राकेश दूधोडिया ने किया।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स की वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की अपनी वार्षिक साधारण सभा शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका की अध्यक्षता में जयनगर स्थित एक होटल में आयोजित की। मंच का संचालन दीपक बंसल ने किया। अपने स्वागत उद्बोधन में शाखा अध्यक्ष ने सदस्यों से आगे आकर अधिक से अधिक कार्यक्रमों में भाग लेने और समाज की बेहतरी में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने अभी तक किए गए कार्यों के सफलतापूर्वक संपादन के लिए कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों की सराहना की। अगले चरण में सत्र 2023-24 के सह कोषाध्यक्ष अर्चित बजाज ने वित्तीय विवरण पेश किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ। शाखा कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल एवं सह कोषाध्यक्ष विजय दुदानी ने वर्तमान वित्तीय वर्ष का ब्यौरा उपस्थित सभी सदस्यों के सामने रखा। शाखा उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने आगामी अक्टूबर से दिसम्बर के बीच निर्धारित विभिन्न राष्ट्रीय और शाखा परियोजनाओं और दिसम्बर माह में गांधीधाम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की विस्तृत जानकारी दी। तत्पश्चात अध्यक्ष ने आगामी कार्यक्रम डांडिया नवरास, दिवाली से पहले दिवाली- आनंद सबके लिए, दिवाली मिलन, कन्नड क्लास 2.0, खेल उत्सव जैसे शाखा स्तरीय कार्यक्रमों की तारीखों की घोषणा की। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि सिंघानिया ने ऐसे सामाजिक संगठन का हिस्सा बनने के लाभों के महत्व पर जोर दिया और बताया कि यह कैसे अगली पीढ़ी को मारवाड़ी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखता है। इस मौके पर निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष एवं शाखा के पूर्व अध्यक्ष सुशील बंसल, प्रांतीय जन संपर्क अधिकारी एवं पूर्व अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, ऋषभ सर्राफ, निवर्तमान अध्यक्ष संदीप चनानी ने सभी सदस्यों के बीच बहुमूल्य जानकारी एवं अनुभव साझा किया।

शब्द की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित

विविधता में एकता की झलक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्य-संस्था शब्द की मासिक काव्य गोष्ठी रविवार को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुई। इसमें शब्द के सदस्यों के अलावा गाजियाबाद से युवा कवयित्री शैलजा सिंह, अल्मोड़ा से कवयित्री शशि जोशी, मुजफ्फरपुर से गजलगो सौरभ पांडेय और खांडवा से गीतकार श्याम तिवारी तथा वाराणसी से शुभा श्रीवास्तव की भागीदारी उल्लेखनीय रही। शिक्षक प्रो शिवनंदन सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी का युवा गीतकार लोकेश मिश्र ने प्रशंसनीय संचालन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ कश्मीर से विस्थापित युवा कवि दीपक सोपोरी के स्वरचित वंदना से हुआ। उन्होंने अपनी बारी में कतिपय कविताओं का सस्वर पाठ भी किया। शैलजा सिंह ने बंगाल महिला डॉक्टर कांड की पृष्ठ भूमि में अरे लड़कियो सुनो जरा, बात मेरी तुम गुनो जरा' बोल वाले फड़कते गीत सुनाकर श्रोताओं को खासा संवेदित किया। माहौल को परवान चढ़ाने में शशि जोशी के गीत हर तरफ नफरतें हसरतें तल्खियां, खोयी जाने कहां प्यार की तितलियां का योगदान सराहनीय रहा। आभासी रचना गोष्ठी में स्वर्ण ज्योति, उषारानी राव, श्रीकांत शर्मा, राजेन्द्र गुलेच्छा, सौरभ पांडेय, अचला प्रवीन, लोकेश मिश्र, मैथिली पी राव, श्याम तिवारी, शुभा श्रीवास्तव और श्रीनारायण समीर ने भी विभिन्न भावों में रची-पगी एक-से-एक अच्छी रचनाएँ सुनायीं। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो शिवनंदन सिन्हा ने आयोजन की गुणवत्ता की प्रशंसा करते हुए राष्ट्र की पहचान के लिए राष्ट्र भाषा के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य के अंत में एक कविता भी सुनायी। शब्द की सचिव डॉ उषारानी राव के धन्यवाद ज्ञापन से रचनागोष्ठी संपन्न हुई।

क्षमा ज्ञान का आभूषण हैः डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने क्षमापना पर्व पर कहा कि क्षमा वीर लोगों का आभूषण है। किसी को क्षमा कर देना विशालता है, तो अपनी भूल व गलतियों के लिए क्षमा मांग लेना भी महानता है। उन्होंने कहा कि गुणों का आभूषण ज्ञान है और ज्ञान का आभूषण क्षमा है। क्षमापना पर्व जैन धर्म की सुंदर परंपरा है। क्षमा के चार प्रमुख लाभ में पहला लाभ है क्षमा से व्यक्ति प्रसन्नचित हो जाता है। दूसरा मैत्री भाव उत्पन्न हो जाता है, तीसरा भाव शुद्धि हो जाती है और चौथा लाभ है। क्षमा से व्यक्ति निर्भय हो जाता है। क्षमा करके सभी के साथ प्रेम भाव रखें। जिसने समभाव रखना सीख लिया वह हर परिस्थिति से पार पा लेता है। आज का दिन ही क्षमा मांगने का है। वर्ष भर में अपनी जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए सम्पूर्ण जगत के जीवों से क्षमा मांगनी चाहिए। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। अखंड नवकार महामंत्र जाप संपन्न हुआ। अनेक तपस्वियों ने संवत्सरी पर्व पर तपस्या के प्रत्याख्यान लिए। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, महिला मंत्री रेखा पोखरना, प्यारेलाल टपरावत, ज्ञानचंद लोढ़ा, चेतन रेदासनी, किशोर दलाल, जंबू दूगड, गौतम मेहता, विनय बंब व अन्य ने अपने विचार रखे। आगामी 22 सितंबर को बेंगलूरु में विराजित अनेक चारित्र आत्माओं के सानिध्य में आयोजित गुरु अमर संयम अमृत समारोह के उपलक्ष्य में कोरमंगला स्थित गौशाला में श्री संघ के तत्वावधान में युवाओं द्वारा जीवदया का आयोजन किया गया। कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरटी नगर स्थित बिहार भवन में श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के नवयुवक मंच द्वारा रविवार को गणेश जन्म उत्सव मनाया गया। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने विधि विधान से पूजा कराया, जिसमें राहुल शर्मा यजमान थे। सचिन सांवरिया द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। भजन के बाद भगवान गणेश की आरती हुई। उसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नवयुवक मंच अध्यक्ष मनोहर साह, उपाध्यक्ष प्रवीण उपाध्याय, रवि रंजन, अजीत पोद्दार, हरीश चंद्र झा, राजेश्वर सिंह, राम लखन सिंह, मिंटू दुबे, दीपेश कुमार, रामकिंकर सिंह, यशवंत सिंह, हीरा झा, डेजी शर्मा, निधि श्रीवास्तव, उदय कुमार, विनय कुमार, अमित झा आदि लोग उपस्थित थे।

पर्युषण महापर्व में मानव सेवा, जीवदया एवं साधर्मिक भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मातृछाया जैन महिला संगठन ने पर्युषण महापर्व में उल्लेखनीय मानव सेवा, जीवदया एवं साधर्मिक भक्ति के कार्य किए। सज्जनराव सर्कल के समीप संगठन द्वारा 200 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। समाज के जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री एवं आर्थिक सहयोग प्रदान कर साधर्मिक भक्ति की गई।

किदवई हॉस्पिटल में 400 जरूरतमंद मरीजों को फल, ड्राई फ्रूट्स एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। संगठन के सदस्याओं ने नेल्लूर गौशाला में जाकर गायों को चारा खिलाया एवं गौशाला को विशाल धन राशि का भी सहयोग किया।

सदस्याओं ने वृद्धाश्रम में जाकर बेसहारा बुजुर्गों के साथ समय बिताया एवं वृद्धाश्रम में फल, ड्राई फ्रूट्स, दवाईयां एवं राशन सामग्री का सहयोग किया। ऋषभ कामधेनु गौशाला में जाकर गायों को चारा खिलाया एवं गौशाला को विशाल धन राशि का भी सहयोग किया। कर्नाटका वेलफेयर एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड में करीब 50 बच्चों के लिए राशन सामग्री एवं उनके संस्था को धन राशि का भी सहयोग किया।

मनोविकास सेवा केंद्र में 25 लीटर दूध के साथ राशन सामग्री, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट्स एवं डायपर्स प्रदान किये। आहोर राजस्थान के जागृति जन सेवा संस्थान मंदबुद्धि आश्रम में बच्चों को तीनों समय भोजन कराया। आहोर के पहाड़ों पर अनेक पशुओं को फल खिलाकर जीवदया भक्ति की। सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर के समीप 300 जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बडोला, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, लीला भंसाली, मीना सोलंकी, पुष्पा नागोरी, त्रिशला दांतेवाड़िया, मंगला खांटेड, पवन राठौड़, बबिता श्रीश्रीमाल, गीता संचेती, मीना सोनिगरा, वीणा जैन, मनीषा सालेचा, सारिका लुंकड, मोनिका पालरेचा, हेमा बंदामुथा, जीना मेहता, ईशा वोरा, उषा जैन आदि उपस्थित थी।

प्रज्वल रेवन्ना ने कोर्ट में नई जमानत याचिका दायर की

मामले की सुनवाई 12 सितंबर को होगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बलात्कार के आरोपी पूर्व जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में नई जमानत याचिका दायर की है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई 12 सितंबर के लिए स्थगित कर दी है। उच्च न्यायालय उसी दिन उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर भी विचार कर सकता है। कर्नाटक पुलिस ने हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर 47 वर्षीय पूर्व घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार करने और उसकी विवाहित बेटी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। उन पर इस कृत्य का वीडियो बनाने और अपने मोबाइल फोन से सबूत नष्ट करने का भी आरोप है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित पंकजमुनि की सदप्रेरणा से गुरु अमर संयम अमृत वर्ष के शुभारंभ पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में राजाजीनगर युवा सदस्यों द्वारा सोमवार को गौशाला में गौमाता की सेवा में चारा, गुड एवं गौशाला सहयोग हेतु राशि प्रदान की गई। संघ के महामंत्री नेमीचंद दलाल ने बताया कि गुरु अमर संयम अमृत महोत्सव आगामी 22 सितंबर को अल्लमप्रभु कल्याण मंटप विजयनगर में विराजित समस्त चारित्र आत्माओं की पावन निश्रा में तप त्याग एवं गुरु गुणगान द्वारा मनाया जाएगा। इस अवसर पर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर एवं अन्य युवा सदस्य उपस्थित रहे।*

क्षमा जैसे दो अक्षरों में अनंत शक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन की निश्रा में आयोजित सामूहिक क्षमा याचना के कार्यक्रम में शिवाजी नगर और बेंगलूरु के अनेक उपनगरों के लोगों ने आपस में क्षमा याचना की। मुनि श्री ने सभी को क्षमा धर्म का पालन करने का विशेष संबोधन दिया।

संघ की तरफ से संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने समस्त संघ से क्षमा मांगी और दी। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने बेंगलूरु समाज से क्षमा याचना की। प्रवचन और धर्म कथा में मुनि ने कहा कि क्षमायाचना के दिन षष्ठमी भाद्रपद शुक्ल को श्वेताम्बर जैन समाज परस्पर करते हैं।

आत्मिक आनंद तभी आ सकेगा, जब जीवन से द्वेष - इर्ष्या-पर निंदा कम हो। क्षमा जैसे दो अक्षरों में अनंत शक्ति छिपी है, क्षमा यानि समता, धीरज - शांति के भाव। मन के तनाव क्षमा से टूटते है। क्षमा मुक्ति का दरवाजा खोलता है। इस मौके पर सुजीत कुमार सिसोदिया, प्रवीण कुमार भंडारी, राजेश मुथा, प्रकाश चंद बैताला, अनिल कुमार मेहता, हसमुख मारू, मित्र मंडल हलसूर से अशोक चंद चौरड़िया ने एक सामूहिक संगान किया।

क्षमापना उत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में संघ का सामूहिक क्षमापना उत्सव मनाया गया। संघ अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया की अध्यक्षता में आयोजित विशेष समारोह में संघ ने वरिष्ठ श्रावक श्राविकाओं का साफा, शॉल एवं रजत पदक से बहुमान किया।

इस अवसर पर वर्षीतप, शत्रुंजय, उपधान, सिद्धि तप के तपस्वियों का भी सम्मान किया गया। श्रीपाल बांठिया के मंगलाचरण से प्रारंभ समारोह को महिला मंडल की अध्यक्षा आशा बोहरा एवं युवक संघ के मंत्री गौतम बांठिया ने संबोधित किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि संघ ने पिछली बार 150 गौशालाओं को अनुदान भेजा और घोषणा की कि अलसूर में कार्यरत डायलिसिस सेवा को भी सहयोग दिया जाएगा। संघ ने सभी सदस्यों के साथ आपस में क्षमा याचना करते हुए इस वर्ष 90 प्रतिशत से ज्यादा नंबर लाए विद्यार्थियों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट, इंजीनियर बने युवाओं और खेल में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जिन बच्चों ने प्रतिक्रमण कंठस्थ किया उनका भी संघ ने रजत पदक से सम्मान किया। संवत्सरी प्रतिक्रमण कराने के लाभार्थी मूलचंद खारीवाल एवं लोगस्स के लाभार्थी धर्मीचंद बोहरा एवं आठों दिन प्रतिक्रमण करने वाले बच्चों को भी रजत पदक से सम्मानित किया गया।

पर्युषण में अट्ठाई तप करने वाले तपस्वियों का भी उत्साह बढ़ाया गया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। युवक संघ, महिला मंडल और बहु मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

अभी सीएम का पद खाली नहीं

अगले मुख्यमंत्री के बारे में चर्चा की जरूरत नहीं : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद के लिए कोई जगह नहीं है। इसलिए अगले मुख्यमंत्री के बारे में चर्चा करने की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह सच है कि मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वहां क्या होता है। लेकिन सबसे पहले, मुझे फिलहाल अगले मुख्यमंत्री पर चर्चा की जरूरत नहीं लगती। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के खिलाफ निषेधाज्ञा की मांग करते हुए अदालत में एक रिट याचिका दायर की है। इसकी बहस जारी रहेगी।

महाधिवक्ता और अन्य वकील अपनी दलीलें जारी रखेंगे। हालिया सुनवाई में जज ने कहा था कि वह 12 तारीख तक मामले का निपटारा कर देंगे। नेता प्रतिपक्ष आर.अशोक के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्हें पहले अपनी पार्टी के मतभेदों का ध्यान रखना चाहिए, उन्हें हमारी पार्टी की चिंता क्यों है। हाल ही में, मंत्री एमबी पाटिल और मुझे एत्तिनाहोल परियोजना के उद्घाटन के दिन हासन का दौरा करना था। हम दोनों ने साथ में रहने की बात की। एमबी पाटिल ने हमें नाश्ते के लिए अपने घर आने का निमंत्रण दिया था। इसलिए मैंने, उन्होंने नाश्ता किया और घर से निकलते ही हम साथ चले गए। इसमें

कोई राजनीतिक विचार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बेवजह इतनी बड़ी बात करने की जरूरत नहीं है। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार अपने परिवार के साथ निजी यात्रा पर अमेरिका गए हैं। यह सरकार प्रायोजित दौरा नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में कांग्रेस की बैठक में भी जानकारी दी थी। मुडा मामले का राज्य सरकार के प्रशासन पर कोई असर नहीं पड़ा है। सभी मंत्री अपने-अपने विभाग की गतिविधियों का प्रबंधन कर रहे हैं। मुख्य सचिव अपने हिस्से की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मामला हाईकोर्ट में लंबित होने के कारण मुख्यमंत्री ने शायद अपनी कार्यवाही रोक दी है। उन्होंने कहा कि बाकी प्रशासनिक व्यवस्था जारी है। कलबुर्गी में कृषि विभाग के एक अधिकारी के आत्महत्या के प्रयास से पहले लिखे गए पत्रों की जांच की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच होगी कि ट्रांसफर के लिए कौन पैसे मांग रहा है। एत्तिनाहोल प्रोजेक्ट का काम शुरू हो चुका है। जब पर्यावरण की बात आती है तो इसका ध्यान रखा जाता है। राज्य सरकार के अधिकारी उचित जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अब तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना ही काम हुआ है। चित्रदुर्गा रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन और उनके साथी कैदियों ने जमानत के लिए आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि वह कोर्ट के फैसले का इंतजार करेंगे। यूथ कांग्रेस का चुनाव लड़ने का हर किसी को स्वतंत्र अवसर है। मंत्रियों और विधायकों के बच्चे योग्य होने पर ही चुने जाते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदकों का चयन इसलिए नहीं किया जाएगा क्योंकि वे मंत्रियों के बच्चे हैं।

मैं भी सीएम बनना चाहता हूं

इससे पहले यह स्पष्ट करते हुए कि शिवानंद पाटिल को कांग्रेस में लाने वाला मैं नहीं था, मंत्री एमबी पाटिल ने शिवानंद पाटिल को सलाह दी है कि पार्टी में अनावश्यक विवाद पैदा किए बिना साथ रहना बेहतर है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैं मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं। राज्य के लिए अच्छा काम करने और जनता की सेवा करने की इच्छा है। लेकिन कोई लालच नहीं है। मैं कांग्रेस में सतीश जारकीहोली से वरिष्ठ हूं। उस समय डी.के.शिवकुमार, डॉ.जी.परमेश्वर नोवेल्ला समकालीन थे। आरवी देशपांडे और सिद्धरामैया हमसे उम्र में बड़े हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे हम सभी में सबसे बुजुर्ग हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं मुख्यमंत्री बनूंगा तो अच्छा काम करूंगा और विजयपुर जिले और राज्य की जनता खुश होगी। लेकिन मुख्यमंत्री बनना स्वघोषित नहीं है। पार्टी विधायकों और पार्टी आलाकमान को निर्णय लेना चाहिए। फिलहाल सिद्धरामैया मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उनके खिलाफ मामला अदालत में चलेगा। मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि एक दिन मैं मुख्यमंत्री बनूंगा। जब शिवानंद पाटिल ने एक विवादास्पद बयान दिया तो मैंने प्रतिक्रिया व्यक्त की। कोई असहमति नहीं है। हम सब एक साथ हैं।

बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना 2026 के अंत तक पूरी हो जाएगी: वी. सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना का काम दिसंबर 2026 के अंत तक पूरा किया जाना है। विधान सौधा में बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल के साथ बैठक के बाद उन्होंने यह बात कही। उपनगरीय रेलवे परियोजना और राज्य की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों ने उपनगरीय रेल परियोजनाओं के लिए धन आवंटित किया है और धन का केंद्रीय हिस्सा जारी करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 148 किलोमीटर लंबी उपनगरीय रेल परियोजना की आधारशिला रखी थी। अब हम 70 किलोमीटर उपनगरीय रेलवे परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। बैयप्पनहल्ली-चिक्काबनवारा तक 26 किमी और इलारी-राजानुकुंटे के बीच 48 किमी की उपनगरीय रेलवे लाइन बनाने का प्रस्ताव है। मंत्री ने कहा कि उपनगरीय रेलवे लाइन का निर्माण रेलवे, मेट्रो, बीडीए, राजस्व और बीबीएमपी के समन्वय से किया जाएगा। हमने अगले दो वर्षों में रेलवे लाइनों के ओवरब्रिज और अंडरब्रिज को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि तुमकुरु-चित्रदुर्ग रेलवे लाइन जल्द ही पूरी हो जाएगी। चित्रदुर्ग-कोप्पल अलमट्टी मार्ग पर भी विचार किया जा रहा है। हम चामराजनगर में भी एक नया प्रोजेक्ट ला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम विजयपुर और मेंगलूरु बंदरगाहों की दो-हरीकरण लाइन को एक चरण में ला रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी उपलब्धि हासिल की है जो 50 साल में हासिल नहीं हुई। धारवाड़-चित्तूर रेलवे लाइन की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में एक समस्या है। कोच खरीदने के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि अब से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा की जायेगी। तुमकुरु-रायदुर्गा के बीच 90 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। उन्होंने कहा कि हमारे समय में शुरू हुआ काम हमारे समय में पूरा होगा। बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि सोमन्ना ने उपनगरीय रेल परियोजना सहित रेलवे परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने पर ध्यान दिया है और चर्चा की है। मेट्रो और उपनगरीय रेल को एक दूसरे का पूरक होना चाहिए। बेंगलूरु और तुमकुरु के बीच एक चौगुना है। उन्होंने चित्रदुर्ग-होस-पेटे अलमट्टी मार्ग के बारे में जानकारी दी और प्रतिक्रिया भी दी। हमने विजयपुर-बेंगलूरु यात्रा का समय कम करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने वंदे भारत से तुमकुरु-रायदुर्गा मार्ग की गति बढ़ाने के लिए कहा है। हुब्बल्ली-अंकोला मार्ग को मेंगलूरु-कारवार मार्ग से जोड़ा जाना है। उन्होंने कहा कि मंत्री ने इन सभी मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

मणिपाल में सीएम का पुतला जलाने की कोशिश करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मणिपाल पुलिस ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का पुतला जलाने की कथित कोशिश करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एफआईआर के अनुसार, कुछ भाजपा कार्यकर्ता 6 सितंबर को यहां सिंडिकेट सर्किल पर एकत्र हुए और कुंदापुर में एक शिक्षक से राज्य पुरस्कार वापस लेने के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए उपायुक्त कार्यालय तक जुलूस निकालना चाहते थे। बाद में, कार्यकर्ता एक पुतला और एक चित्र लेकर आए और मुख्यमंत्री के चित्र को जूतों से पीटना और पुतला जलाना चाहते थे। इस बिंदु पर, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कार्यकर्ताओं को अपना विरोध प्रदर्शन करने से रोक दिया। हालांकि, कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम जारी रखा, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं के पास कस्बे में बड़ी सभा आयोजित करने या जुलूस निकालने की पुलिस से अनुमति नहीं थी। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता गिरीश अंचन और पृथ्वीराज शेट्टी बिल्लादी को सार्वजनिक रूप से इस कृत्य को अंजाम देने के लिए प्राथमिकी में नामजद किया गया है।

चन्नपट्टना उपचुनाव को लेकर भाजपा-जेडीएस के बीच सियासी गणित तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दो ताकतवर नेताओं के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बन रहे रामानगर जिले के चन्नपट्टना उपचुनाव के टिकट को लेकर एनडीए के सहयोगी दलों भाजपा और जेडीएस में राजनीतिक गणित चल रहा है। चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव को लेकर लड़ाई दिन-ब-दिन और दिलचस्प होती जा रही है। उपचुनाव की लड़ाई पूर्व मंत्री सीपी योगेश्वर के फैसले पर भी टिकी है। सीपी योगेश्वर, जो भाजपा विधान परिषद के सदस्य भी हैं, ने कहा कि वह एनडीए उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे, और चेतावनी दी कि अगर वह पार्टी का टिकट खो देते हैं तो वह गैर-पार्टी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। बाद में उन्होंने यह कहकर चौंका दिया कि वह पार्टी के फैसले से बंधे हैं। इससे स्वाभाविक रूप से एनडीए गठबंधन असमंजस में पड़ गया है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जेडीएस उम्मीदवार एचडी कुमारस्वामी ने चन्नपट्टना में 96,592 वोट हासिल कर जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार सीपी योगेश्वर को 80,677 वोट मिले और हार गए। कांग्रेस प्रत्याशी गंगाधर एस को सिर्फ 15,374 वोट मिले। चन्नपट्टना उपचुनाव को लेकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि इस उपचुनाव में चन्नपट्टना को जीतना है। शिवकुमार रणनीति भी बना रहे हैं। वह लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि डीके सुरेश चन्नपट्टना से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। क्या चन्नपट्टना उपचुनाव में भाजपा-जेडीएस गठबंधन जारी रहेगा? तो कौन है गठबंधन का उम्मीदवार?, कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी नहीं लड़ेंगे चुनाव? बहुत सारे सवाल हैं। इसी बीच सीपी योगेश्वर के कांग्रेस में शामिल होने की खबर भी फैलने लगी। चन्नपट्टना में भाजपा की ओर से मैदान में उतरने की कोशिश कर रहे योगेश्वर के सामने कुमारस्वामी ने अड़ंगा डाल दिया है। इसलिए उन्होंने कहा कि अगर उन्हें टिकट

नहीं मिला तो वे निर्दल चुनाव लड़ेंगे। इन सभी घटनाक्रमों के बीच, डीसीएम शिवकुमार ने घो-षणा की है कि वह चन्नपट्टना में उपचुनाव लड़ेंगे। लेकिन यह कथन वास्तविकता में कितना संभव होगा यह जिज्ञासा का विषय है। पहले से ही कनकपुर विधायक, यदि वह चन्नपट्टना में चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं, तो उन्हें दो निर्वाचन क्षेत्रों में से एक को चुनना होगा। ऐसे में उन्हें अपने ही क्षेत्र से इस्तीफा देना होगा। फिर वहां एक और उप-चुनाव होगा। ऐसे में यह गलत संदेशों को जन्म देता है। राज्य में लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने गठबंधन को समर्थन दिया था। नतीजों से भाजपा आलाकमान को खुश करने वाले एचडी कुमारस्वामी की अब दिल्ली के नेताओं के बीच अच्छी हैसियत है। एचडी कुमारस्वामी के लिए उस निर्वाचन क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार को जीत दिलाना प्रतिष्ठा की बात है, जहां से उन्होंने इस्तीफा दिया था। हालांकि कुछ जेडीएस कार्यकर्ता अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी योगेश्वर को पार्टी के चुनाव चिन्ह के तहत चुनाव लड़ने के लिए सहमत कर रहे हैं, लेकिन कुछ नेता जो योगेश्वर के खिलाफ राजनीति कर रहे हैं और जो उनके साथ राजनीति में शामिल रहे हैं, वे योगेश्वर को टिकट देने के इच्छुक नहीं हैं। इसलिए वे कुमारस्वामी पर दबाव बना रहे हैं। राज्य और केंद्र के भाजपा नेताओं का कोई विरोध नहीं है। हालांकि, मौका चूकने पर योगेश्वर क्या कदम उठा सकते हैं, इसका अंदाजा लगाने वाले कुमारस्वामी ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपकर एक स्मार्ट कदम उठाया है। लोकसभा चुनाव में जेडीएस और भाजपा के गठबंधन के चलते एनडीए उम्मीदवार को 50 हजार से ज्यादा की बढ़त मिलनी चाहिए थी, लेकिन उन्हें सिर्फ 23 हजार वोटों की बढ़त मिली, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 85 हजार वोट मिले। पिछले 20 साल से जेडीएस के खिलाफ राजनीति कर रहे योगेश्वर ने पहली बार जेडीएस से हाथ मिलाया है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि सैन्य गठबंधन की प्रक्रिया शुरू होते ही जेडीएस की कट्टर विरोधी पार्टी के उत्साह के पीछे चन्नपट्टना को सुरक्षित करने की रणनीति है।

विरोधियों को गुमराह करने की कोशिश

क्या डीके शिवकुमार बार-बार अलग-अलग बयान देकर अपने विरोधियों को गुमराह कर रहे हैं? सवाल ये भी उठता है। लेकिन शिवकुमार के करीबियों से ऐसी अफवाहें सुनने को मिल रही हैं कि असली रणनीति कुछ और है। कुल मिलाकर डीके का यह कदम कौतुहल का कारण बना हुआ है। निर्वाचन क्षेत्र में इस तरह के विवादों को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है। इस बीच, चन्नपट्टना के लोगों को समझाने के लिए, डीसीएम डीके शिवकुमार ने निर्वाचन क्षेत्र में घूमकर मतदाताओं से बात करने का एक चरण पूरा कर लिया है। प्रत्येक जिला पंचायत में जनस्पंदन कार्यक्रम आयोजित कर जनमत संग्रह पर बहुत जोर दिया गया है। इस बीच कांग्रेस की ओर से एक अप्रत्याशित उम्मीदवार की चर्चा ने क्षेत्र में खींचतान बढ़ा दी है।

तुलु लिपि को यूनिकोड में जोड़ा गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तुलु भाषा को कर्नाटक की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता नहीं मिलने और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल न किए जाने के बावजूद, तुलु लिपि ने यूनिकोड में शामिल होकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। गूगल ट्रांसलेट में तुलु भाषा को शामिल किए जाने और तुलु विकिपीडिया के लॉन्च होने के बाद, यह तुलुवासियों के लिए गर्व का क्षण है। तुलु अब यूनिकोड के 16वें संस्करण का हिस्सा है, जिसमें 80 अक्षर शामिल हैं। यूनिकोड पर उपलब्ध तुलु लिपि के साथ, अब प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी विभिन्न तकनीकों को लागू किया जा सकता है। चूंकि गूगल पहले से ही अंग्रेजी से तुलु अनुवाद प्रदान करता है, इसलिए आने वाले दिनों में यूनिकोड के माध्यम से और अधिक संभावनाएं

पैदा होने की उम्मीद है। तुलु विकिपीडिया 6 अगस्त, 2016 को शुरू हुआ और 2017 में, तुलु साहित्य अकादमी ने तुलु वर्णमाला को अंतिम रूप देने के लिए एक समिति बनाई, जिसमें आईटी विशेषज्ञ यू बी पवनजा ने तकनीकी सलाह दी। तिगालारी लिपि के लिए एक अलग प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया और विचार-विमर्श के बाद तुलु-तिगालारी लिपि को यूनिकोड में जोड़ दिया गया। आईटी विशेषज्ञ यू बी पवनजा ने बताया 2001 में, यूनिकोड कंसोर्टियम में अपनी उपस्थिति के दौरान, मैंने यूनिकोड पर कन्नड़ भाषा को सही करने में मदद की और तुलु को शामिल करने की अपील की। उन्होंने तुलु के लिए जगह आरक्षित की और यूनिकोड तुलु लिपि कैसी दिखनी चाहिए, इस पर एक प्रस्तुतिकरण मांगा। उन्होंने आगे बताया कि तुलु-तिगालारी लिपि के यूनिकोड संस्करण में तुलु साहित्य अकादमी के प्रस्ताव से मामूली अंतर है, लेकिन अधिकांश अक्षर इसमें शामिल हैं। हालांकि, एक महत्वपूर्ण स्वर और तुलु अंक गायब हैं। तुलु में संस्कृत लिखने के लिए आवश्यक कुछ अतिरिक्त प्रतीकों को भी शामिल किया गया है, हालांकि वे तुलु भाषा के लिए आवश्यक नहीं हैं। पवनजा ने कहा एक कीबोर्ड सॉफ्टवेयर, तुलु के लिए यूनिकोड प्रतीकों वाला एक ओपन-टाइप फॉन्ट और मौजूदा कन्नड़ डेटा को तुलु यूनिकोड में बदलने के लिए एक उपकरण की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने तुलु साहित्य अकादमी या मेंगलूरु विश्वविद्यालय में तुलु अध्ययन विभाग से इन विकासों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

मंत्री वी. सोमन्ना ने रेल व्हील फैक्ट्री का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने सोमवार को रेल व्हील फैक्ट्री, येलहंका का निरीक्षण किया तथा प्लांट के कामकाज और इसकी आगामी परियोजनाओं की समीक्षा की। रेल व्हील फैक्ट्री, येलहंका, भारतीय रेलवे का एक अनूठा एकीकृत प्लांट है, जो एक ही छत के नीचे कास्ट व्हील, फोर्ज्ड एक्सल और व्हीलसेट का निर्माण करता है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में प्लांट ने 1,96,265 व्हील्स, 83,054 एक्सल्स और 94,275 व्हील-सेट्स का रिकॉर्ड उच्चतम उत्पादन हासिल किया। प्लांट में 1800 से भी कम कर्मचारी हैं और इसके निरंतर प्रदर्शन को उच्चतम स्तर पर मान्यता मिली जब इसे वित्त वर्ष 2022-23 के लिए रेल मंत्री द्वारा संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ उत्प-ादन इकाई शील्ड से सम्मानित किया गया। आरडब्ल्यूएफ एक

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार संयंत्र है, जिसके पास कई महत्वपूर्ण पहल हैं जैसे कि माध्यमिक धुंआ निष्कर्षण प्रणाली और उच्च वायु गुणवत्ता सूचकांक सुनिश्चित करने के लिए वनरोपण, प्रयुक्त रेत को पुनः प्राप्त करने के लिए थर्मल रेत पुनर्ग्रहण संयंत्र का उपयोग, जिससे रेत खनन की आवश्यकता कम हो जाती है। जल के स्व-उत्पादन के लिए कुओं का पुनरुद्धार, जिससे प्रतिदिन लगभग 1.92 लाख लीटर जल प्राप्त होता है, जिससे बी.डब्ल्यू.एस.एस.बी. पर निर्भरता न्यूनतम हो गई है। इन प्रयासों के लिए आरडब्ल्यूएफ को 2021 में पर्यावरण संरक्षण के लिए गोल्डन पीकॉक अवार्ड और 2020 में बीडब्ल्यूएसएसबी द्वारा जलारुषि पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

आरडब्ल्यूएफ को आईआरआईएस- इंटरनेशनल रेलवे इंडस्ट्रीज स्टैंडर्ड के लिए प्रमाणित किया गया है, जो उच्च आंतरिक गुणवत्ता मानकों का प्रमाण है और आरडब्ल्यूएफ को विदेशी बाजारों का पता लगाने में सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त, वंदे मेट्रो के लिए 30 प्रोटोटाइप एक्सल भी विकसित किए गए हैं, जिन्हें आरडब्ल्यूएफ द्वारा आईसीएफ, चेन्नई को आपूर्ति किया गया है। इन-हाउस डिजाइन किए गए स्क्रैप व्हील कटिंग मशीनें इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस में डालने के लिए स्वचालित स्क्रैप कटिंग को सक्षम बनाती हैं। रेल व्हील फैक्ट्री एक अग्रणी प्लांट है जो आत्मनिर्भरता में अग्रणी बना हुआ है और आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

सिद्धरामैया मुडा मामले में दबाव में

कांग्रेस नेताओं द्वारा सीएम पद के लिए पैरवी तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दबाव में हैं क्योंकि राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा मुडा मामले में अभियोजन को मंजूरी देने के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी रिट याचिका के संबंध में अदालती कार्यवाही जल्द ही समाप्त होने वाली है।

सूत्रों ने कहा कि सीएम सिद्धरामैया चिंतित हैं क्योंकि मीडिया के सामने उनके समर्थन में बयान जारी करने वाले वरिष्ठ नेता भी शीर्ष पद के लिए जोरदार पैरवी में लगे हुए हैं और वह इस खेल से वाकिफ हैं। सीएम ने सोमवार को पूरे दिन के अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए और अदालती कार्यवाही पर बारीकी से नजर रखा। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अमेरिका की निजी यात्रा का समय भी मौजूदा परिस्थितियों में चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस सूत्रों ने कहा है कि अगर फैसला सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ जाता है, तो भाजपा उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कर्नाटक में अपना आंदोलन तेज कर सकती है। हालांकि पार्टी ने घोषणा की है कि वह परिणाम चाहे जो भी हो, सीएम सिद्धरामैया का समर्थन करेगी, लेकिन हाईकमान ने राज्य में शीर्ष पद के लिए संभावित उम्मीदवारों पर विचार करना शुरू कर दिया है।

सूत्रों ने बताया कि इन घटनाक्रमों को भांपते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नई दिल्ली में पद के लिए जोरदार पैरवी शुरू कर दी है। पूर्व भाजपा सांसद एस मुनीसामी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि सीएम सिद्धरामैया मुडा मामले में कानूनी लड़ाई में फंसें और मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद करें। पूर्व भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा ने विजयपुरा में आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर सीएम पद के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने भी दावा किया कि अगले सीएम बनने की दौड़ में कई नेता शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, करीब 12 वरिष्ठ कांग्रेस नेता इस पद के लिए पैरवी कर रहे हैं और अपनी वरिष्ठता पर जोर देकर हाईकमान से संपर्क कर रहे हैं। गृह मंत्री जी परमेश्वर, जो कि एक प्रमुख दलित नेता हैं और जिनका काफी प्रभाव है, पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ उनकी हाल ही में हुई आमने-सामने की बैठक ने राज्य में बहस छेड़ दी है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली, जो कि शोषित वर्ग के एक बड़े नेता हैं और सीएम सिद्धरामैया के करीबी हैं, भी इस दौड़ में शामिल माने जा रहे हैं। उनके समर्थकों ने सतीश जारकीहोली को अपना अगला नेता घोषित करते हुए पहले ही प्रचार शुरू कर दिया है। हालांकि, परमेश्वर और जारकीहोली दोनों ने स्पष्ट किया है कि उनकी नजर सीएम पद पर नहीं है और वे सिद्धरामैया का पूरा समर्थन करते हैं। इस बीच, सीएम सिद्धरामैया के एक और करीबी विश्वासपात्र, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल वरिष्ठ नेताओं से मिलने के लिए नई दिल्ली की यात्रा की योजना बना रहे हैं।

ओबामा और कमला हैरिस से मिलने जाने की खबर गलत: शिवकुमार

अमेरिका की यात्रा है निजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अमेरिका की यात्रा पर हैं। तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत राहुल टेक्सास के डलास पहुंच चुके हैं।

राहुल के पीछे-पीछे कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अमेरिका पहुंचे हैं। उनकी इस यात्रा पर सियासत भी शुरू हो गई है। आरोप लग रहे हैं कि डीके शिवकुमार अमेरिका में कुछ शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने के लिए वहां गए हैं। हालांकि डीके शिवकुमार ने इन खबरों को खारिज किया है। शिवकुमार ने साफ किया है कि वे परिवार के साथ निजी यात्रा पर अमेरिका गए हैं। शिवकुमार ने अपनी यात्रा को लेकर एक पत्र भी जारी किया है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अमेरिका की अपनी यात्रा के संबंध में बताया है। उन्होंने अपने पत्र में बताया मैं अपने परिवार के साथ सोमवार से 15 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर जा रहा हूं। मीडिया की खबरें गलत हैं कि मैं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मिलने जा रहा हूं। यह एक निजी यात्रा है। इससे पहले, शिवकुमार ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह निजी यात्रा पर एक सप्ताह के लिए विदेश में रहेंगे। जब उनसे अमेरिका की यात्रा के एजेंडे और क्या वह वहां किसी बड़ी हस्ती से मिलेंगे, इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह एक निजी पारिवारिक यात्रा है। मैं निजी तौर पर जा रहा हूं। गौरतलब है कि अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इन चुनावों में कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैं। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी से डोनाल्ड ट्रंप चुनावी मैदान में हैं।

अभिनेता दर्शन को दिए गए विशेष आतिथ्य मामले में कैदी से पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अभिनेता दर्शन और उनके साथियों को दिए गए विशेष आतिथ्य की जांच करने वाली दक्षिण पूर्व डिवीजन पुलिस ने कुछ कैदियों और विचाराधीन कैदियों से पूछताछ की है। जेल में शाही आतिथ्य की तस्वीरें वायरल होने पर परप्पाना के अग्रहारा पुलिस स्टेशन में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस पृष्ठभूमि में यह पता चला है कि जांचकर्ताओं ने सोमवार को जेल का दौरा किया और उनसे बयान प्राप्त किए। अग्रहारा में दर्शन से कौन और कब मुलाकात होगी? उसके लिए क्या लाया गया? जेल परिसर में टेबल और कुर्सियों की व्यवस्था किसने की? वे जांच के दायरे में आने वाले कैदी से यह भी जानकारी ले रहे हैं कि सत्कार कितने दिनों से चला या केवल उसी दिन दिया गया। यह स्पष्ट रूप से ज्ञात है कि आतिथ्य कर्मचारियों द्वारा दिया गया था, और क्या यह जेल अधिकारियों के निर्देश पर दिया गया था या क्या यह स्वयं कर्मचारियों द्वारा दिया गया था, जांचकर्ता कई आयामों में जानकारी एकत्र कर रहे हैं। जेल बैरक के सामने दर्शन और उसके साथियों की बातचीत की फोटो सामने आते ही जेल के 9 अधिकारियों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया था और बताया जा रहा है कि उनसे अलग से पूछताछ भी की जाएगी।

सिद्धरामैया की सरकार को अस्थिर नहीं किया जा सकता: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लघु सिंचाई मंत्री एन.एस.बोसराजु ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त है और सरकार को अस्थिर करने की भाजपा की कोशिश काम नहीं करेगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया की कुर्सी हिलाने के लिए भाजपा-जेडीएस के नेता तरह-तरह की कवायद कर रहे हैं। इनमें से कोई भी सफल नहीं होगा। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि वे अस्तित्वहीन मुद्दों को सामने रखकर आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर मंत्री कई तरह के बयान दे रहे हैं, इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि किसी ने भी खुले तौर पर नहीं कहा है कि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, न ही उन्होंने कोई आकांक्षा बताई है। सभी मंत्री एक-दूसरे के संपर्क में हैं, सभी की राय एक जैसी है। सिद्धरामैया के नेतृत्व में एक अच्छी सरकार चल रही है। सभी उनके पीछे थे। मीडिया के सवाल पर हर कोई अलग-अलग बयान दे रहा है। लेकिन फिलहाल मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही नहीं उठता। ये सब भाजपा रच रही है।

प्रह्लाद जोशी और जगदीश शेट्टर आए दिन बयान देकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। कुल मिलाकर 135 विधायक हैं। उन्होंने कहा कि हाईकमान ने भी मुख्यमंत्री को समर्थन दिया है। मंत्री के दिल्ली दौरे को लेकर गलतफहमी है। सतीश जारकीहोली ने दिल्ली जाकर केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी से मुलाकात की है। एमबी पाटिल अगले दौरे पर दिल्ली जायेंगे। अगले सप्ताह मैं दिल्ली जाऊंगा और जलविद्युत मंत्रालय के संबंध में मंत्री सोमन्ना से मुलाकात करूंगा।

जब कोई मंत्री दिल्ली जाता है तो पार्टी दफ्तर जाना और आलाकमान नेताओं से मिलना आम बात है। उन्होंने कहा कि किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि कांग्रेस में भ्रम की स्थिति है। सिद्धरामैया के मामले में हाई कोर्ट का फैसला जो भी हो, न्यायपालिका में काफी गुंजाइश है। उन्होंने कहा इस तरह सिद्धरामैया की कुर्सी नहीं हिल सकती, इससे पहले भाजपा सरकार के दौरान मंत्रियों के बीच कई मतभेद थे।

वरिष्ठ कैबिनेट सिद्धरामैया के पीछे है। मेरे सहित कांग्रेस में कोई भी मुख्यमंत्री पद का आकांक्षी नहीं है। क्योंकि कुर्सी खाली नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शैंक की स्थापना का कार्य पूरा कर एत्तिनाहोल परियोजना का उद्घाटन किया। इस परियोजना से 75 लाख लोगों को पानी मिलेगा। 15 टीएमसी का उपयोग पीने के पानी के लिए किया जाता है, 9 टीएमसी का उपयोग झीलों को भरने के लिए किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा में हर कोई विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के संगठन को लेकर चिंतित है। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि इसके लिए सीबीआई और ईडी समेत तमाम संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है।

राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की गारंटी : आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने विस्फोटक बयान देते हुए कहा कि यह 100 फीसदी तय है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद में बदलाव होगा। इसीलिए कई मंत्रियों ने अंदर कुर्सियों पर तौलिया रख लिया है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम यह नहीं कह रहे हैं कि राज्य में मुख्यमंत्री बदला जाएगा।

कांग्रेस पार्टी खुद कहती है। इसलिए राज्य में मुख्यमंत्री का बदलाव तय है। हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तौलिये डालते नेताओं की कतार देख रहे हैं। एमबी पाटिल, जारकीहोली, मल्लिकार्जुन खड़गे, डीके शिवकुमार कतार में हैं। एमबी पाटिल का कहना है कि मैं वरिष्ठ हूं। इसके अलावा लिंगायत एक प्रभावशाली नेता होने का दावा करते हैं। आरवी देशपांडे ने जारकीहोली की तरह सीधे तौर पर अभियान शुरू कर दिया है। कितने विधायक मेरे साथ हैं? उस पर अमल कर रहे हैं। दिल्ली स्तर पर भी प्रयास जारी हैं। डॉ. जी परमेश्वर भी हाईकमान नेता के उम्मीदवार हैं। शिवकुमार भी वो सभी उपाय कर रहे हैं जो उपलब्ध हैं। इस संबंध में राज्य में बदलाव संभव है। प्रदेश में मुख्यमंत्री कब बदलेंगे? रिपोर्टर के सवाल का जवाब देते हुए अशोक ने कहा हम कोई तारीख तय नहीं करते। कांग्रेस में ही मुख्यमंत्री बदलने की तारीख तय हो चुकी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उनकी पार्टी में इस बात की खूब चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री कौन और कब होना चाहिए? इसकी व्यापक चर्चा हो रही है। अगर हम तारीख बताएंगे तो वे इस पर सवाल उठाएंगे। इसलिए हम तारीख नहीं बताएंगे। अशोक ने चुटकी लेते हुए कहा कि उनके पास अभी एक तारीख है।

डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री से मुलाकात करना किसी के लिए भी आसान नहीं है। डीके शिवकुमार ऐसी स्थिति में कैसे पहुंचे? उन्होंने कहा सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है।

सड़क हादसे में महिला घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रामनगर के किन्निगोली में सड़क पार करते समय तेज गति से आ रहे ऑटो-रिक्शा की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

राजरत्नपुरा निवासी घायल महिला चेतना (35) दुर्घटना के समय पिग्मी डिपॉजिट जमा कर रही थी। वह अपनी बेटी वैभवी, जो सातवीं कक्षा की छात्रा है, को ट्यूशन सेंटर से लेने जा रही थी। चेतना के सड़क पार करते ही, कटील से किन्निगोली की ओर तेज गति से जा रहे एक ऑटो-रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी और पलट गया।

दुर्घटना वैभवी के सामने हुई। चेतना ऑटो-रिक्शा के नीचे फंस गई, लेकिन वैभवी और स्थानीय युवकों ने तुरंत वाहन को उठाया, उसे बचाया और सूरतकल के एक निजी अस्पताल में ले गए। चेतना को गंभीर चोटें आईं, जबकि ऑटो-रिक्शा चालक, यात्री और अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। घटना पास के सीसीटीवी में कैद हो गई।

ऑटो कंपोनेंट सेक्टर में आत्मनिर्भरता की वृद्धि सराहनीय: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी.कुमारस्वामी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से ऑटो कंपोनेंट क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना सराहनीय है।

विकासशील भारत गतिशीलता क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाले 64वें वार्षिक सत्र में बोलते हुए, जो अब भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 2.7 प्रतिशत है और 5 मिलियन नौकरियां प्रदान करता है, उन्होंने इस बात की सराहना की कि इस क्षेत्र ने इस वर्ष 300 मिलियन डॉलर का व्यावसायिक लाभ हासिल किया है। ऑटो सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना की सफलता पर 74,850 करोड़ का निवेश आकर्षित कर 30,000 से ज्यादा नौकरियां पैदा की गई हैं। उन्होंने उन्नत बैटरी कोशिकाओं के लिए एक प्रौद्योगिकी पदानुक्रम मॉडल के रूप में बीएलआई परियोजना को विस्तार से बताया, और सराहना की कि फेम-2 परियोजना और हाल ही में लॉन्च की गई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईओ) इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने को बढ़ावा देते हुए भारत के आत्मनिर्भरता को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। फेम-3 योजना की रूपरेखा पर चर्चा चल रही है जिसे जल्द ही पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फेम-2 में पहचाने गए किसी भी मुद्दे के समाधान के लिए इएमपीएस परियोजना को दो महीने तक बढ़ाया जाएगा।

भाजपा ने विद्रोह दबाने के लिए रुष्ट नेताओं को दी नई जिम्मेदारियां

जम्मू, 09 सितंबर (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर में अपने नेताओं को शांत करने के लिए, भाजपा ने सोमवार को टिकट से वंचित नेताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी हैं। भाजपा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व मंत्री सत शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह को अभियान प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पार्टी के अनुसार, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा-पीडीपी सरकार में मंत्री सत शर्मा को फिर से जम्मू कश्मीर भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने पिछली विधानसभा में जम्मू

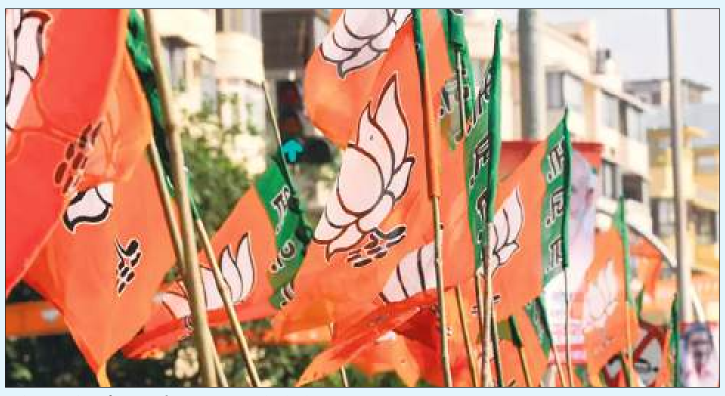

पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन अब उनकी जगह अरविंद गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया था।

पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह को पार्टी की प्रचार समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह कठुआ जिले के बिलावर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक थे, लेकिन पार्टी ने इस क्षेत्र से सतीश शर्मा को मैदान में उतारा। इसके अलावा, पार्टी ने पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी को अभियान का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। एक अन्य पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को चुनाव प्रबंधन समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह बाहू निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी टिकट के आकांक्षी थे, जहां से पार्टी ने विक्रम रंधावा को मैदान में उतारा। गुप्ता पूर्ववर्ती गांधी नगर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, जिसे अब बाहू और जम्मू दक्षिण में विभाजित कर दिया गया है।

पहले चरण में 36 दागी नेता मैदान में

जम्मू, 09 सितंबर (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनावों में पहले चरण में 36 दागी नेता भी मैदान में हैं। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि जम्मू कश्मीर में पहले चरण के चुनाव के लिए मैदान में उतरे 36 उम्मीदवारों ने उनके खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

अपनी रिपोर्ट में, एडीआर ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में पहले चरण के चुनाव के लिए मैदान में उतरे 219 उम्मीदवारों में से 36 (16 परसेंट) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसने कहा कि 25 (11 परसेंट) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक आरोप घोषित किए हैं। उनमें से, चार उम्मीदवारों ने घोषित किया है कि उनके खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में उम्मीदवारों के चयन में राजनीतिक दलों पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि उन्होंने फिर से आपराधिक मामलों वाले लगभग 16 प्रतिशत उम्मीदवारों को टिकट देने की अपनी पुरानी प्रथा का पालन किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले सभी प्रमुख दलों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित करने वाले 6 प्रतिशत से 43 प्रतिशत उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, दो उम्मीदवारों ने घोषित किया है कि उनके खिलाफ महिलाओं से संबंधित मामले दर्ज हैं। उनमें से एक ने घोषित किया है कि उसके खिलाफ बलात्कार से संबंधित मामला दर्ज है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, कोकरनाग सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे अनवर जान के खिलाफ 23 मामले दर्ज हैं। अनवर एर रशीद के नेतृत्व वाली अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के उम्मीदवार हैं, लेकिन पार्टी के अन्य उम्मीदवारों की तरह, वह स्वतंत्र रूप से लड़ रहे हैं क्योंकि पार्टी को अभी भी भारत के चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत होना बाकी है। दिलचस्प बात यह है कि कोकरनाग में प्रमुख राजनीतिक दलों के सभी उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। नेशनल कांफ्रेंस के महबूब इकबाल, जो डोडा जिले की भद्रवाह सीट से लड़ रहे हैं, ने घोषणा की है कि उनके खिलाफ छह मामले दर्ज हैं, यह रिपोर्ट से पता चलता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डोडा सीट से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप के मेहराज मलिक के खिलाफ छह मामले दर्ज हैं। हारून रशीद खटाना (पीडीपी- कोकरनाग सीट), मुहम्मद वकार (अपनी पार्टी- कोकरनाग), शफकत मीर (आम आदमी पार्टी- डोरी) और अब्दुल मजीद खान (भीम सेना- शांगस अनंतनाग पूर्व) के खिलाफ तीन-तीन मामले दर्ज हैं।

सेना और नौसेना के साझा अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने समुद्र और जमीन पर सेना और नौसेना के संयुक्त अभियानों के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इसके लिए संयुक्त सिद्धांत यानी एम्फीबियस डोक्टराइन जारी कर दिया।

जनरल चौहान ने सोमवार को यहां चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीओएससी) की बैठक के दौरान इस तरह के अभियानों के संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी किया। यह एक प्रमुख प्रकाशन है जो मौजूदा जटिल सैन्य माहौल में संचालन के लिए कमांडरों को मार्गदर्शन प्रदान

करेगा। यह क्षमता सशस्त्र बलों को युद्ध और शांतिकाल दोनों में हिंद महासागर क्षेत्र में विभिन्न अभियान चलाने का अधिकार देती है। ये अभियान मल्टी-डोमेन ऑपरेशन का एक महत्वपूर्ण घटक हैं और सशस्त्र बलों के बीच सामंजस्य तथा एकीकरण का सबसे अच्छा उदाहरण हैं। साइबरस्पेस संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांत के बाद जमीन और समुद्र दोनों में कार्रवाई के लिए जारी किया जाने वाला यह दूसरा संयुक्त सिद्धांत है।

भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास-2024 का 20वां संस्करण सोमवार को राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह सैन्य अभ्यास 9 से 22 सितंबर तक होगा। यह युद्ध अभ्यास 2004 से हर वर्ष भारत और अमेरिका में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। अभ्यास में 600 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य हथियारों और सर्विस के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। अमेरिकी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिकी सेना की अलास्का स्थित 11 वीं एयरबोर्न डिवीजन की 1-24 बटालियन के सैनिक कर रहे हैं। संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है। यह अभ्यास अर्ध-रेगिस्तानी क्षेत्र में संचालन पर केंद्रित होगा।

इस दौरान किये जाने वाले सामरिक अभ्यासों में आतंकवादी कार्रवाई के लिए संयुक्त जवाबी हमला, संयुक्त योजना और संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास शामिल हैं। युद्ध अभ्यास दोनों पक्षों को संयुक्त अभियान चलाने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता और सौहार्द्र विकसित करने में मदद मिलेगी। संयुक्त अभ्यास से रक्षा सहयोग भी बढ़ेगा तथा दोनों मित्र राष्ट्रों के बीच द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

मोदी ने देशवासियों से पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन करने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर है और प्रधानमंत्री ने उससे पहले लोगों से यह आग्रह किया है।

श्री मोदी ने समाज में महत्व-पूर्ण योगदान देने वाले जमीनी स्तर के नायकों को पहचानने के महत्व पर जोर दिया। नामांकन प्रक्रिया के पारदर्शी और भागीदारीपूर्ण दृष्टिकोण पर जोर देते हुए उन्होंने पहले ही प्राप्त नामांकन की संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की है और अधिक लोगों से आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों के लिए योग्य उम्मीदव-ारों को नामांकित करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, पिछले दशक में, हमने अनगिनत जमीनी स्तर के नायकों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा ने अनगिनत लोगों को प्रेरित किया है। उनके समृद्ध कार्य में उनका धैर्य और दृढ़ता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। प्रणाली को अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाने की भावना से, हमारी सरकार लोगों को विभिन्न पद्म पुरस्कारों के लिए दूसरों को नामांकित करने के लिए आमंत्रित करती रही है। मुझे खुशी है कि कई नामांकन आए हैं। नामांकन की आखिरी तारीख इस महीने की 15 तारीख है। मैं अधिक से अधिक लोगों से प्रेरक व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकित करने का आग्रह करता हूं।

देश में मंकीपॉक्स के दो रोगी

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
देश में बहुचर्चित मंकीपॉक्स से पीड़ित दो रोगियों की पुष्टि हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां देश में मंकीपॉक्स के दो रोगियों की पुष्टि करते हुए बताया कि दो अलग-अलग व्यक्तियों में पश्चिम अफ्रीकी क्लेड 2 के विषाणु की मौजूदगी की पुष्टि है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों रोगियों की हालत स्थिर है और तत्काल कोई संकट नहीं है।

मंकीपॉक्स के पहले संदिग्ध मामले की पुष्टि यात्रा के दौरान संबंधित संक्रमण के रूप में की गई है। प्रयोगशाला परीक्षण में रोगी में पश्चिम अफ्रीकी क्लेड 2 के मंकीपॉक्स विषाणु की मौजूदगी की पुष्टि की गयी है। मंत्रालय ने कहा है कि सामने आए मामले जुलाई 2022 से भारत में रिपोर्ट किए गए पहले के 30 मामलों के समान है, और वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल का हिस्सा नहीं है जो मंकीपॉक्स के क्लेड 1 से संबंधित है।

बस्तर संभाग में इस वर्ष 153 से अधिक नक्सली ढेर

रायपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर माओवादी आतंक को समाप्त करने के लिए वर्ष 2024 में अब तक बस्तर संभाग में माओवादियों के विरूद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप 153 से अधिक माओवादियों के शव विभिन्न मुठभेड़ों के पश्चात सुरक्षा बलों ने बरामद किए हैं।

उल्लेखनीय है कि विगत आठ महीनों में बस्तर संभाग के अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा तेलंगाना राज्य के निवासी माओवादी कैडर डीकेएसजेडसी सदस्य जोगन्ना, डीकेएसजेडसी सदस्य रंधीर,टीएससी सदस्य, सीआरसी कमाण्डर सागर,डीवीसीएम विनय उर्फ रवि जैसे शीर्ष माओवादी कैडर्स के शव विभिन्न मुठभेड़ के पश्चात बरामद की गई एवं इस अवधि में महाराष्ट्र राज्य निवासी माओवादी कैडर एसीएम संगीता उर्फ सन्नी तथा ओडिशा निवासी पीपीसीएम लक्ष्मी का भी शव मुठभेड़ के पश्चात बरामद किया गया। इस प्रकार बड़ी संख्या में अन्य प्रांत के रहने वाले शीर्ष माओवादी कैडर्स का नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारा जाना छत्तीसगढ़ में पहली बार हुआ है।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. ने बताया कि प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई माओवादी संगठन द्वारा एक रणनीति के तहत सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के दौरान स्थानीय नक्सली कैडर्स को एक मानव सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करते हुये बाहरी राज्य के शीर्ष माओवादी कैडर्स द्वारा मौके का फायदा उठाकर अपनी जान बचाकर भाग जाते हैं। लेकिन हाल-फिलहाल में हुये मुठभेड़ों के दौरान बाहर राज्य के शीर्ष माओवादी कैडर्स की यह रणनीति विफल होते हुये नजर आ रही है। पुलिस को विश्वनीय सूत्रों से मिल रही सूचना से यह बात सामने आ रही है कि वर्ष 2024 में तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र एवं अन्य प्रांत के सीनियर कैडर्स की हो रही दुर्गति को देखते हुये माओवादी संगठन के शीर्ष नेतृत्व में खलबली मच गई है, जिससे बाहर के माओवादी कैडर्स द्वारा स्थानीय माओवादी कैडर्स के ऊपर संदेह एवं शक करते हुये, उन्हें कई प्रकार से प्रताड़ित किया जा रहा है, जिससे माओवादी संगठन में विश्वासघात व विद्रोह की स्थिति निर्मित हो रही है। उपरोक्त परिस्थिति में छह सितंबर, 2024 को जिला कांकेर के थाना परतापुर क्षेत्र अंतर्गत मलमपेंटा जंगल में राजनांदगांव-कांकेर डिवीजन के एसीएम विज्जा मड़काम को उन्हीं के खुद के माओवादी संगठन के नेतेलगू कैडर नेता विजय रेड्डी के ईशारे पर माओवादियों ने संगठन के साथ गद्दारी करने का आरोप लगाकर हत्या कर दी।

माओवादी शीर्ष नेतृत्व द्वारा माओवादी संगठन के इन सभी अंदरूनी कलह से खुद के माओवादी कैडर तथा जनता का ध्यान भटकाने के लिये ख़ुद के द्वारा मारे नक्सलियों को पुलिस मुखबिर/क्रान्तिकारी विरोधी/संगठन की गद्दारी करने जैसे मनगढ़ंत कहानी बताते हुये झूठे एवं तथ्यविहीन प्रेस विज्ञप्ति जारी की जा रही है। श्री सुन्दरराज ने बताया कि विगत दिनों माओवादी संगठन को बस्तर संभाग अंतर्गत दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी ईलाका में भारी क्षति उठाना पड़ा है, जिसके कारण प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी संगठन अभी दिशा-विहीन एवं नेतृत्व विहीन हो चुका है। बाहरी प्रांत के शीर्ष माओवादी नेतृत्व विगत 30-40 वर्षा से स्थानीय माओवादी कैडर्स को सिर्फ एक मानव सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करते हुये करोड़ों-अरबो रुपयों की लूट-खसोट की गई है। अब स्थानीय माओवादी कैडर्स के सामने बाहरी नक्सल कैडर्स बेनकाब होते जा रहे हैं, जिसके कारण से माओवादियों में आपस में विश्वासघात एवं विद्रोह की स्थिति बढ़ते जा रहा है।

पुलिस महानिरीक्षक ने यह भी बताया कि अब स्थानीय माओवादियों कैडर्स के पास हिंसा छोड़कर शासन के समक्ष आत्मसमर्पण करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा है। बस्तर क्षेत्र के शांति, सुरक्षा एवं विकास के लिये यह उचित होगा की प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई माओवादी संगठन कुछ शीर्ष कैडर तथा उनके गिने-चुने समर्थकों की साजिश, चंगुल से बाहर आकर माओवादी कैडर्स समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर सुरक्षित एवं विकसित बस्तर की भागीदारी बने।

शिमला में उपजा मस्जिद विवाद पूरे क्षेत्र में फैला

शिमला, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
हिमाचल की राजधानी शिमला के संजौली में उपजा मस्जिद विवाद अब पूरे शहर व आसपास के क्षेत्रों में फैल गया है।

शिमला में बाहर से आने वाले समुदाय विशेष के लोगों के खिलाफ लोगों का आक्रोश बढ़ गया है।

लोगों ने बाहरी राज्य से आए लोगों के सर्टिफिकेट चेक करना शुरु कर दिए हैं। इसी कड़ी में शिमला के घणाहट्टी का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें बात कर रहे लोगों के अनुसार तीन बाहरी लोगों की जन्मतिथि एक जैसी होने पर बवाल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो शिमला के घणाहट्टी का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में लोग साफ बात करते हुए दिखाए दे रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि तुम्हारी सबकी जन्मतिथि एक जैसी कैसे है। स्थानीय लोग युवक से कह रहे है कि आपके पास कोई भी डॉक्यूमेंट सही नहीं है। जिसके बाद बवाल बढ़ गया और मकान मालिक को फ़ोन करने की बात हो रही है। हालांकि वीडियो पुराना बताया जा रहा है। पर संजौली में उपजे मस्जिद विवाद के बाद तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो गया है।

विदिशा में नदी में बहे पांच लोगों के शव रेस्क्यू कर निकाले गए

विदिशा, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में नदी में बह गये पांच लोगों के शव को रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिये गये है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विदिशा जिले के तीन स्थानों पर कल नदी में पांच लोग बह गये थे। सभी के शव को आज सुबह रेस्क्यू कर निकाल लिये गये हैं। बांग्ला घाट पर एक किशोर और एक युवक पानी में बह गये थे, रंगई के बंदा पर दो व्यक्ति डूब गये थे तथा गंजबासौदा के बर्री घाट पर भी एक युवक के डूबने की खबर थी।

होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट मयंक जैन ने बताया कि होमगार्ड और एसडीआरएफ की मदद से तीनों स्थानों पर सर्चिंग अभियान चलाया सभी स्थानों से शवों को रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया।

उन्होंने बताया कि बांग्ला घाट पर अंकित अहिरवार और कृष्णा अहिरवार नहाने के दौरान गहरे पानी में चले गए थे। रंगई स्थित बंदा पर एसएएफ और बीएसएफ के जवान पानी में डूब गए थे। वही गंजबासौदा के बर्री घाट पर एक युवक डूब गया था। रेस्क्यू कर सभी पांचों शव को बरामद कर लिया गया है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। साथ ही भगवान महाकाल से दिवंगतों की पुण्यात्माओं को शांति देने और परिजन को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उन्होंने विदिशा जिला प्रशासन को पीड़ित परिवार को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि एवं एसएएफ जवान के परिजन को शासकीय नियमानुसार सहायता राशि प्रदान करने के लिए निर्देशित किया है। डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अतिवृष्टि के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ने की स्थिति में सावधानी बरतने एवं सुरक्षित रहने की अपील की है।

श्रीनगर में आग लगने से तीन मकान क्षतिग्रस्त

श्रीनगर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सोमवार को आग लगने से तीन मकान क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे संपत्ति को भारी नुकसान हुआ।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अग्निशमन एवं आपातकाल सेवा के अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह सात बजे गट्ट कॉलोनी नूरबाग में एक मकान में आग लग गई, जिसने पास के दो अन्य घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग से एक घर की पहली और दूसरी मंजिल और दो घरों के एक हिस्से को भारी नुकसान हुआ। आग की बढ़ती लपटों को बुझाने के लिए शहर के अग्निशमन केंद्रों से कई दमकल गाड़ियों को भेजा गया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

यूपी में एक और ट्रेन उड़ाने की साजिश नाकाम

ट्रैक पर गैस सिलिंडर और झोले में बारूद!

ड्राइवर की समझदारी से हादसा टला

कानपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अनवरगंज-कासगंज रूट पर कानपुर से भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस (14117) रविवार रात पलटने से बच गई। ट्रैक पर भरा सिलिंडर रख कर ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश रची गई थी। बर्राजपुर और बिल्हौर के बीच 100 किमी की रफ्तार से दौड़ रही ट्रेन जब सिलिंडर से टकराई तो तेज आवाज हुई। इसके बाद लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। रेलवे और आरपीएफ अधिकारियों को घटनास्थल से सिलिंडर के अलावा कांच की बत्ती लगी बोतल, माचिस और एक संदिग्ध झोला मिला है।

झोले में बारूद भरा था और बोतल में संदिग्ध तरल पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि तरल पदार्थ भी तरल विस्फोटक हो सकता है।

देर रात मौके पर एटीएस और एसटीएफ पहुंच गई और घटना की जांच शुरू कर दी। अनवरगंज, रावतपुर स्टेशन से होकर गुजरी कालिंदी एक्सप्रेस ने रविवार रात 8:25 बजे बर्राजपुर स्टेशन के आगे जैसे ही मुंढेरी क्रॉसिंग को पार किया तो लोको पायलट को इंजन से किसी चीज के टकराने की तेज आवाज सुनाई दी। उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर गार्ड राजीव कुमार को सूचना दी। गार्ड ने रेलवे को मेमो भेजकर घटना की जानकारी दी। अनवरगंज रेलवे स्टेशन के अधीक्षक, आरपीएफ और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की। हादसा बर्राजपुर से करीब ढाई किलोमीटर आगे और बिल्हौर स्टेशन से पांच किमी पहले हुआ।

जांच के दौरान ट्रैक पर लोहे जैसी वस्तु के रगड़ने के निशान मिले। कन्नौज के आरपीएफ इंस्पेक्टर ओपी मीणा ने ड्रैगन और सर्च लाइट की मदद से रेलवे ट्रैक और आसपास झाड़ियों की जांच की। आरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट एमएस खान ने बताया कि मौके से भरा हुआ एलपीजी सिलिंडर, माचिस, बोतल और अन्य संवेदनशील वस्तुएं बरामद हुई हैं। देर रात मौके पर पहुंचे एडिशन सीपी हरीश चंदर ने बताया कि रात साढ़े आठ बजे घटना की जानकारी रेलवे की तरफ से मिली थी। ट्रैक पर भरा सिलिंडर रख ट्रेन पटरी से उतारने की साजिश रची गई थी। रेलवे, आरपीएफ और पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल से सिलिंडर के अलावा कांच की बोतल, माचिस और झोला मिला। झोले में बारूद जैसी कोई सामग्री थी, वहीं बोतल में ज्व-लनशील पदार्थ तरल पदार्थ था, जिसकी जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि 17 अगस्त को कानपुर के पनकी में वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस बोल्डर से टकरा गई थी, जिससे ट्रेन के सभी डिब्बे पटरी से उतर गए थे। ट्रैक के पास से लोहे का एंगल मिला था। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। इस मामले की जांच अभी चल रही है।

मामले की जांच में तेजी के साथ ही पुलिस की कई टीमों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। बारूद जैसे दिखने वाले पदार्थ के पैकेट जिस मिठाई की दुकान के कैरी बैग में मिले हैं उस दुकान पर एक टीम भेजा गया है। कैरी बैग में छिबरामऊ की एक मिठाई की दुकान का नाम व पता लिखा हुआ है। पुलिस वहां के सीसीटीवी कैमरे चेक कर संदिग्धों को चिह्नित करेगी। चूंकि मौके पर बाती लगी एक बोतल मिली है जिसमें ज्वलनशील पदार्थ मौजूद है, इसलिए पुलिस एक दूसरी टीम को घटनास्थल के आसपास के कई किलोमीटर के दायरे में मौजूद पेट्रोल पंपों के सीसीटीवी फुटेज चेक करने के लिए भी लगाया गया है ताकि बोतल में पेट्रोल लेने वाले शख्स का पता लगाया जा सके।

साजिशकर्ताओं ने इंडेन के जिस सिलिंडर को पटरी के बीच में हल्का गड्ढा कर रखा था, वह अगर फट जाता तो डिरेल होने के साथ ही ट्रेन के इंजन में आग भी लग सकती थी। हालांकि सिलिंडर की मजबूती ने साजिशकर्ताओं के इरादों को नाकाम कर दिया। फॉरेंसिक टीम का कहना है कि सिलिंडर का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि कहीं से भी गैस रिसाव की बात सामने नहीं आई है। कानपुर के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने कहा, आरपीएफ कन्नौज मामले की जांच कर रही है। साथ ही पुलिस की जांच के लिए एडिशनल सीपी विपिन मिश्रा, डीसीपी पश्चिम राजेश सिंह व अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। शिवराजपुर, चौबेपुर, बिल्हौर समेत कई थानों की फोर्स को भी जांच करने वाली टीम की मदद के लिए निर्देश दिए गए हैं।

कैलेसिया सभा के नाम पर हिंदुओं को जुटाता था

...और लालच दे कर बनाता था ईसाई

सीतापुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

सीतापुर जिले से ईसाई धर्मांतरण का मामला सामने आया है। यहां संजीव कुमार नाम के व्यक्ति को पादरी बताते हुए हिंदू संगठनों ने उस पर हिंदुओं के धर्म परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाया है। धर्मान्तरण के लिए संजीव लोगों को कैलेसिया नामक सभा के बहाने एकजुट करता था। हिंदू संगठनों ने इस सभा में पहुंच कर हंगामा किया। पुलिस ने संजीव को हिरासत में ले कर पूछताछ शुरू कर दी है।

मामला सीतापुर जिले के थानाक्षेत्र सदरपुर का है। यहां राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष राहुल गुप्ता ने पुलिस में तहरीर दी है। तहरीर में राहुल ने बताया कि उनको गांव देवरिया खुर्द में संजीव कुमार नाम के एक धर्मांतरित ईसाई द्वारा हिंदुओं के धर्म परिवर्तन की सूचना मिली थी। संजीव सीतापुर के मानपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। आरोप है कि खुद धर्म परिवर्तन के बाद वह अन्य हिंदुओं को भी ईसाई बनाने के काम पर लगा हुआ है। इसी सूचना पर राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता गांव देवरिया खुर्द पहुंच गए। सूचना सही पाई गई और गांव में संजीव हिंदुओं के धर्मांतरण में व्यस्त मिला। वह एक घर में सभा जुटा कर लोगों को बहला-फुसला रहा था। सभा स्थल पर शिकायतकर्ता राहुल गुप्ता और उनके सहयोगियों ने हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मुख्य आरोपी संजीव को हिरासत में ले लिया गया है जिस से पूछताछ की जा रही है। आरोपी पर उत्तर प्रदेश धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की गई है।

जिस घर में धर्मांतरण कराया जा रहा था, वहां की दीवारों पर ईसा मसीह के चित्र लगे हुए पाए गए। चित्रों के साथ दीवारों पर ईसाई साहित्य से जुड़ी कई अन्य बातें भी कागजों पर लिखी मिली। इस दौरान हिंदू संगठन के सदस्यों और संजीव के समर्थकों में नोकझोंक भी हुई। राष्ट्रीय बजरंग दल के सीतापुर पदाधिकारी आशुतोष ने वीडियो जारी कर के बताया कि लोगों को ईसाई मत में लाने के लिए संजीव कैलेसिया नाम की सभा जुटाता था। आशुतोष का दावा है कि कथित प्रार्थना स्थल पर बाइबिल, अन्य ईसाई सहित और एक तरल पदार्थ भी मिला है।

मिशन रोजगार

647 युवाओं को वन विभाग से जोड़ेगी योगी सरकार

लखनऊ, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने मिशन रोजगार के तहत साढ़े सात वर्ष में निष्प-क्षता व पारदर्शिता के आधार पर साढ़े छह लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। हर विभाग में युवाओं को निरंतर सरकारी नौकरी दी जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले दो वर्ष में उत्तर प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी से जोड़ने का ऐलान किया है। इसके लिए तैयारियां भी चल रही हैं। इसी क्रम में सीएम योगी के हाथों से लोकभवन में मंगलवार को 647 युवाओं को वन रक्षक व वन्य जीव रक्षक पद पर नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में भी 41 अवर अभियंताओं की तैनाती की गई है।

योगी सरकार ने अन्य विभागों की तरह ही वन व वन्य जीव विभाग में भी पारदर्शी प्रक्रिया के अनुरूप युवाओं को नौकरी दी है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से निकली भर्ती में सहायक वन संरक्षक पद पर 94, क्षेत्रीय वन अधिकारी पद पर 217, सहायक सांख्यिकी अधिकारी के पद पर 15 युवाओं को नियुक्ति दी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निकाली गई भर्ती में मानचित्रकार पद पर 37 और वन रक्षक/वन्य जीव रक्षक पद पर 534 युवाओं की नियुक्ति की गई है। इसी पद पर 10 सितंबर को 647 अन्य युवाओं को भी नियुक्ति पत्र दिया जाएगा यानी वन रक्षक और वन्य जीव रक्षक के पद पर कुल 1181 युवाओं की भर्ती हो जाएगी। यह रक्षक वन्यजीव व मानव संघर्ष को रोकने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इसी तरह क्षेत्रीय वन अधिकारी के पद पर 217 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली।

वन विभाग के अतिरिक्त यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में भी युवाओं की जेई पद पर भर्ती की गई। इसमें 41 अवर अभियंताओं की तैनाती की गई है। निष्पक्षता के आधार पर मिली नौकरी के उपरांत युवा काफी पारदर्शिता से अपने कार्यों का संचालन कर रहे हैं।

स्वस्थ शरीर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है: योगी

73वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग कलस्टर का शुभारंभ

लखनऊ, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

प्राचीन काल से ही भारत की परंपरा में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को महत्व दिया गया है। भारतीय ऋषि इस बात का उद्घोष करता है कि 'शरीरमाद्यम् खलु धर्म साधनम्' यानी धर्म के जितने भी साधन हैं, वह स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं। स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद, योगासन, प्राणायाम आदि क्रियाएं अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वस्थ शरीर ही समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को भी साकार कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 73 वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीएम योगी ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों का अभिनंदन किया।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की संकल्पना के लिए जो कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे, उनमें खेल और खेलकूद की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण हैं।

खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, गांव-राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। हर तबके का व्यक्ति इन आयोजनों के साथ जुड़ रहा है। पेरिस में पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के जज्बे को पूरा देश और दुनिया देख रही है कि कैसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और तेज का लोहा मनवाने का भी काम किया है। यह दृश्य हमारे लिए इसलिए भी प्रसन्नता का है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री की एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को भी साकार कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि खेल अपने कार्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ तो जोड़ता ही है, साथ ही साथ जीवन में उतार-चढ़ाव के हर एक मोड़ पर जीतने की भी प्रेरणा देता है। अति प्रफुल्लित होकर अन्य के जीवन में बाधा पैदा करने की जो कुत्सित चेष्टाएं होती है, उसे रोकने का सामर्थ्य भी देता है। अगर किसी कारणों से सफलता नहीं प्राप्त हुई तो हर खिलाड़ी के अंदर शालीनता से उसे स्वीकार करने का भी सामर्थ्य भी पैदा करता है और जीवन इसी से चलता है।बहुत बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता है।

सीएम ने पुलिस बल के उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा रहा हो या विभिन्न प्रदेशों में कानून व्यवस्था, सुरक्षा का बेहतरीन माहौल बनाने का मुद्दा। पुलिस अपने इन उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ करने का प्रयास करती है, लेकिन इन सभी के बावजूद अन्य ऐसी गतिविधियां जो समाज को जोड़ती हो, एक दूसरे के मन में विश्वास पैदा करती हो, उन आयोजनों के साथ जुड़ना उतना ही रचनात्मक है और इसीलिए केवल पुलिसिंग ही नहीं, बल्कि हमें अन्य रचनात्मक कार्यों के साथ भी जुड़ना होगा। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों के लिए व्यापक कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। हम लोगों ने खेल नीति भी बनाई। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड व विश्व चैंपियनशिप में जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करते हैं, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम में उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाने की कार्रवाई हो रही है। अब तक ऐसे 500 से अधिक खिलाड़ियों को हम लोगों ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सीधी भर्ती करने की कार्रवाई के साथ जोड़ा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन आज उत्तर प्रदेश पुलिस बल को नई गति देने में योगदान दे रहे हैं। खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए 57000 ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, 825 विकास खंडों में मिनी स्टेडियम और 75 जनपदों में स्टेडियम निर्माण के कार्यक्रम को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।

सीएम योगी ने कहा कि नाम भले ही अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन सबका कार्य व मिशन एक ही है और वह है भारत की सुरक्षा। यह हम सभी के लिए सर्वोच्च मायने रखती है। भारत नेपाल सीमा हो या भारत भूटान सीमा, वहां पर इन देशों के साथ भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों पर कोई आंच आए बगैर एसएसबी इन सीमाओं की सुरक्षा के लिए बेहतरीन प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच सौ किमी की सीमा नेपाल से जुड़ी हुई है।

उत्तर प्रदेश पुलिस एसएसबी के साथ ज्वाइंट पेट्रोलिंग में भाग लेती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उत्तरदायित्व मिलकर हम एक साथ निभाएंगे तो सीमाओं के क्षेत्र में आमजन का विश्वास भी अर्जित करेंगे। सुरक्षा के साथ कहीं पर कोई खरोच भी नहीं आने देंगे, इस विश्वास के साथ बेहतरीन तालमेल के माध्यम से यह कार्यक्रम आगे बढ़ते हैं तो अनेक रचनात्मक गतिविधियों को भी वहां पर उस क्षेत्रवासियों के लिए एसएसबी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, सशस्त्र सीमा बल के डीजी दलजीत सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

जिस मौलाना की समर्थक है भीम आर्मी

उसी मौलाना ने जाटव महिला से किया रेप

पीलीभीत, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में मुस्लिम समुदाय के 2 युवकों पर एक दलित वर्ग की शादीशुदा महिला से रेप का आरोप लगा है। आरोपितों में एक मौलाना भी शामिल है जिसका नाम नूर अहमद अज़हरी है। दूसरे आरोपित का नाम फिरदौस है। आरोपितों ने पीड़िता का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल किया और जान से मार डालने की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर के आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मौलाना नूर अहमद अज़हरी मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का पदाधिकारी है।

यह मामला पीलीभीत जिले के थाना क्षेत्र पूरनपुर का है। यहां जाटव समुदाय की एक हिंदू महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है।

शिकायत में पीड़िता ने बताया कि वह बेहद गरीब परिवार से है। उनका पति दिल्ली में रह कर मजदूरी कर के परिवार पालता है। 8 महीने पहले महिला के जेठ के साथ एक युवक उनके घर आया था।

वह युवक असल में फिरदौस था लेकिन उसने अपना परिचय हृदेश के तौर पर दिया था। हृदेश बना फिरदौस पीड़िता से फोन पर बातें करने लगा। कुछ दिनों की बातचीत में हृदेश ने पीड़िता को अपने जाल में फंसा लिया। इसी के साथ उसने विश्वास में ले कर पीड़िता से कई बार रेप किया। कई बार बलात्कार की वजह से लगभग 4 महीने पहले पीड़िता की तबियत खराब हो गई। तब हृदेश (फिरदौस) ने पीड़िता की बीमारी ठीक करवाने के बहाने उसे झाड़-फूंक करने वाले एक मौलाना से मिलवाया। यह मौलाना नूर अहमद अहजहरी था जो मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का उत्तर प्रदेश में पदाधिकारी है।

फिरदौस पीड़िता को अपने साथ पूरनपुर इलाके के खानका लाया।

यहां मौलाना नूर अहमद अज़-हरी ने पीड़िता पर भूत-प्रेत का साया बताते हुए पूरी रात बलात्कार किया। मौलाना द्वारा रेप के दौरान फिरदौस ने साजिशन पीड़िता की अश्लील वीडियो बना ली। इसी वीडियो को वायरल करने का डर दिखाते हुए फिरदौस ने पीड़िता से कई बार बलात्कार किया। फिरदौस पीड़िता को फिर से पूरनपुर लाया। वह पीड़िता पर होटल में चलने का दबाव बनाने लगा।

जब पीड़िता ने इन्कार कर दिया तो फिरदौस ने उसे जान से मार डालने की धमकी देते हुए पीटा। इसी दौरान उसने खुद को हृदेश नहीं बल्कि खुद को मुस्लिम बताया।

पीड़िता जैसे-तैसे हृदेश के चंगुल से निकल कर पुलिस स्टेशन पहुंची। वहां उसने शिकायत दर्ज करवाते हुए नूर मोहम्मद अज़हरी और फिरदौस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मौलाना पर कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय बजरंग दल ने रविवार को प्रदर्शन भी किया।

मौलाना ने की हिंदू महिला से रेप की कोशिश

बीमार बच्चे के लिए ताबीज बनवाने मदरसा गई थी

अमरोहा, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

अमरोहा जिले के एक मदरसे में एक हिंदू महिला से रेप की कोशिश किए जाने का मामला सामने आया है। इस करतूत का आरोप मदरसे के मौलाना पर लगा है जिसका नाम मंसूर है। मौलाना ने झाड़फूंक से इलाज के नाम पर अन्धविश्वास फैला रखा था। पीड़िता अपने बीमार बच्चे की ताबीज बनवाने के लिए मदरसे में गई थी। पुलिस ने मौलाना मंसूर को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना अमरोहा जिले के थानाक्षेत्र गजरौला की है। यहां जलालनगर इलाके में एक मदरसा है जिसमें मौलाना मंसूर छात्रों को पढ़ाता है। वह झाडफूंक के नाम पर लोगों में अंधविश्वास भी फैला रहा था। इन्हीं बातों में एक हिंदू महिला भी आ गई। उसका बेटा बीमार था जिसके झाड़-फूंक से इलाज के लिए पीड़िता मदरसे में चली गई। यहां मौलाना ने पीड़िता को बताया कि उसके बेटे पर जिन्न का साया है।

महिला ने इलाज पूछा तो मौलाना ने उसे 7 तरह की मिठाइयां लाने के लिए कहा। इसी के साथ मंसूर ने एक जोड़ी लौंग और जायफल भी मंगवाया। जब पीड़िता ये सब सामान ले आई तो मौलाना ने उसे कपड़े उतार कर नंगे ही चारपाई पर लेटने का फरमान सुनाया। मौलाना की इस बात पर पीड़िता को शक हुआ। उसने कपड़े उतारने से मना कर दिया तो मौलाना भड़क गया। आरोप है कि मंसूर ने पीड़िता को गंदी-गंदी गालियां देते हुए जान से मार डालने की धमकी भी दी। खुद को फंसता देख कर महिला ने 112 नंबर डायल कर के पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने मौलाना को हिरासत में ले लिया। मंसूर के खिलाफ महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर मौलाना को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

संपादकीय

पहलवानों का राजनीतिक कदम

देश के प्रख्यात, चैम्पियन पहलवानों-बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट-ने अचानक ही कांग्रेस का 'हाथ' नहीं थामा है। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बेशक, उन्हें 'खलनायक' करार दें अथवा युवा-नाबालिग पहलवान बेटियों के यौन उत्पीडऩ के खिलाफ उनके आंदोलन को 'कांग्रेसी साजिश' कहें, लेकिन दोनों ही पहलवान, अपने-अपने वर्गों में, अद्वितीय रहे और उन्हें भारत की आन-बान-शान माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी स्तर पर उनसे मुलाकातें कीं और सहयोग का हर हाथ बढ़ाया। बेशक कांग्रेस के साथ जुडऩा और कांग्रेस की ही राजनीति करना विनेश और बजरंग का संवैधानिक अधिकार है। वे विधायक बनें, मंत्री बनें या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएं, लेकिन भारतीय कुश्ती को अभी उनकी जरूरत थी। उनमें 'पहलवानी' शेष थी। कुश्ती के प्रति ही जुड़ाव रहना चाहिए था। विनेश ने कहा भी था कि वह 32-33 साल की उम्र तक कुश्ती लडऩा चाहती हैं। अर्थात चार साल बाद का ओलंपिक उनके मानस में था। लिहाजा पाला बदल कर राजनीति में उतरना एक 'नैतिक विकृति' है। असंख्य चैम्पियन खिलाड़ी राजनीतिज्ञ बने हैं, लेकिन आज वे सिर्फ नेता हैं। उनका खिलाड़ी का चेहरा गायब हो चुका है। अतीत के इतिहास को कौन खंगालता है? बहरहाल जंतर-मंतर पर हमने चैम्पियन पहलवानों के आंदोलन को करीब से देखा है। बेशक उसे 'खिलाडियों का आंदोलन' घोषित किया जाता रहा और वामपंथी नेता वृंदा करात को मंच से उतरने को बाध्य किया गया, लेकिन कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के साथ विनेश, साक्षी मलिक, बजरंग आदि इस तरह बतियाते नजर आए मानो सहेलियां गप्पें मार रही हों! आंदोलन के मंच तक राहुल गांधी और दीपेंद्र हुड्डा सरीखे कांग्रेसी सांसदों को प्रवेश क्यों दिया गया? क्या वे राजनेता नहीं थे। यकीनन कुछ 'खिचड़ी' तो पक रही थी! यदि सोच और विचारधारा के स्तर पर दोनों पहलवान 'कांग्रेसी' रहे हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह भी उनका मौलिक अधिकार है। देश में बीते 10 सालों से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार सक्रिय है, लिहाजा दोनों पहलवानों को वल्र्ड चैम्पियनशिप, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शिरकत करने की अनुमति और आर्थिक मदद किसने दी थी? विनेश के लिए हंगरी के विश्व विख्यात कोच के साथ अनुबंध किसने किया था और करोड़ों की फीस अदा की गई? हम मानते हैं कि यह सरकार का दायित्व था, लेकिन यह दायित्व तो देश के 145 करोड़ भारतीयों और प्रत्येक खिलाड़ी के प्रति भी था। कितनों को इतनी प्राथमिकताएं दी गईं या मिल पाती हैं? बहरहाल कुश्ती को यहीं छोड़ते हैं, लेकिन आंदोलन तो अधर में लटक जाएगा। जिस आंदोलन की खातिर विनेश ने सडक़ पर, पुलिसियों द्वारा घसीटा जाना झेल लिया, सरकार के कथित अन्याय को बर्दाश्त किया, क्योंकि सरकार अपने सांसद को बचाती रही, हमें लगता है कि विनेश भी उस आंदोलन को कभी भूल नहीं पाएंगी। अभी तो बजरंग और विनेश नए-नए नेता बने हैं, लिहाजा लच्छेदार भाषा बोल रहे हैं कि वे हर पीड़ित, शोषित खिलाड़ी बेटी के संग खड़े रहेंगे। उनकी मदद करेंगे, लेकिन यह हकीकत नहीं होगी और कुछ ही महीनों में यथार्थ सामने होगा! अब अकेली साक्षी मलिक ने आंदोलन को जारी रखने का आश्वासन देश को दिया है। देखते हैं, वह कहां तक चल पाती हैं। राजनीति में आने का ऑफर तो उन्हें भी मिला था। उन्होंने स्वीकार नहीं किया और वह आंदोलन के संकल्प पर अडिग रहीं। साक्षी भी ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान रही हैं। विनेश को तो अभी यह जीत हासिल करनी है। उनके साथ जो भी हुआ, वह किसी और की गलती नहीं थी। ऐसी खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी को अपना वजन तय सीमा से कम ही रखना होता है। बहरहाल जो भी हुआ, वह भारत के लिए दुस्वप्न जैसा था। बहरहाल 'पहलवान से कांग्रेसी नेता' बने विनेश-बजरंग के खिलाफ भाजपा समेत कुछ दलों ने ओछी फिकरेबाजी शुरू भी कर दी है। यही हमारी राजनीति के भद्दे संस्कार हैं।

कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बेशक, उन्हें 'खलनायक' करार दें अथवा युवा-नाबालिग पहलवान बेटियों के यौन उत्पीडऩ के खिलाफ उनके आंदोलन को 'कांग्रेसी साजिश' कहें, लेकिन दोनों ही पहलवान, अपने-अपने वर्गों में, अद्वितीय रहे और उन्हें भारत की आन-बान-शान माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी स्तर पर उनसे मुलाकातें कीं और सहयोग का हर हाथ बढ़ाया। बेशक कांग्रेस के साथ जुडऩा और कांग्रेस की ही राजनीति करना विनेश और बजरंग का संवैधानिक अधिकार है। वे विधायक बनें, मंत्री बनें या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएं, लेकिन भारतीय कुश्ती को अभी उनकी जरूरत थी। उनमें 'पहलवानी' शेष थी। कुश्ती के प्रति ही जुड़ाव रहना चाहिए था। विनेश ने कहा भी था कि वह 32-33 साल की उम्र तक कुश्ती लडऩा चाहती हैं। अर्थात चार साल बाद का ओलंपिक उनके मानस में था।

घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है

घरेलू बचत घटने की चिंताएं

डा. जयंती लाल भंडारी

घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों के द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। गौरतलब है कि घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है।

यकीनन इस समय देश में आम आदमी का पहला आर्थिक और वित्तीय सहारा कही जाने वाली घरेलू बचत में लगातार कमी आने का चिंताजनक रुझान दिखाई दे रहा है। घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों के द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। गौरतलब है कि घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है। घरेलू बचत को बैंक और गैर बैंक जमा, जीवन बीमा निधि, भविष्यनिधि और पेंशननिधि, पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाओं तथा अन्य वित्तीय उपकरणों में निवेश किया जाता है। यदि हम घरेलू बचत संबंधी आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जो घरेलू बचत वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 18 फीसदी के स्तर पर थी, वह वर्ष प्रतिवर्ष घटते हुए वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 5.2 फीसदी स्तर पर आ गई और अब यह पिछले पांच दशकों में सबसे कम स्तर पर है। स्थिति यह है कि घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है। राष्ट्रीय लघु बचत प्राप्तियों के लिए इस वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 14.77 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। लेकिन 23 जुलाई को पेश किए गए वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट में लघु बचतों से प्राप्ति के अनुमान को घटाकर 14.20 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। चूंकि सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह राशि का भी उपयोग करती है।

निःसंदेह शताब्दियों से भारत एक ऐसा देश रहा है जहां लोग कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए घरेलू बचत के रूप में बचाकर रखते रहे हैं। लेकिन अब इस बचत की प्रवृत्ति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। लोगों के द्वारा आवास, वाहन, शिक्षा तथा अच्छे आरामदायक जीवन के लिए विभिन्न प्रकार के कर्ज लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जहां परिवारों की वित्तीय देनदारियां बढने से घरेलू बचत सीधे तौर पर कम हुई है, वहीं आय के एक हिस्से का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के ऋणों के ब्याज के भुगतान के लिए भी किए जाने से घरेलू बचत कम हुई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में लघु बचत योजनाओं के तहत जो 40 करोड़ से अधिक बचतकर्ता हैं, उनके द्वारा भी विभिन्न लघु बचत

योजनाओं में तुलनात्मक रूप से कम ब्याज मिलने के कारण निवेश में कमी आई है। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), किसान विकास पत्र (केवीपी) और सुकन्या समृद्धि खाता जैसी अन्य योजनाओं के तहत कम निवेश प्राप्त हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में बदली हुई आयकर व्यवस्था के कारण भी आयकरदाताओं के द्वारा की जाने वाली घरेलू बचत में कमी आ रही है। इस समय देश में आयकर भुगतान की पुरानी और नई दो कर रिजीम हैं। जहां पुरानी कर रिजीम में बचत और निवेश के लिए प्रोत्साहन हैं, वहीं नई कर रिजीम में बचत के वैसे प्रोत्साहन नहीं हैं। इस समय ज्यादातर आयकरदाता नई कर रिजीम अपना रहे हैं। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष 31 जुलाई तक आयकर आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर रिजीम के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर रिजीम में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है। इस प्रकार लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है। स्पष्ट है कि नई कर व्यवस्था से बचत व निवेश की जगह उपभोग खर्च बढ़ाने की प्रवृत्ति को अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है।

घरेलू बचत में कमी का एक कारण देश में महिलाओं के द्वारा उनके पास आने वाले धन का उपयुक्त निवेश नहीं किया जाना भी है राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2023 तक देश के बैंकों में कुल 252 करोड़ व्यक्तिगत खातों में से हर तीसरा खाता महिला के नाम पर है, लेकिन बैंकों में जमा कुल 187 लाख करोड़ रुपए में से सिर्फ 20 फीसदी ही महिला खातों में जमा हैं। ऐसा नहीं है कि घरेलू बचत में कमी का कारण देश में लोगों की आय में कमी आना है। वस्तुतः भारत में प्रतिव्यक्ति आय तेजी से बढ़ रही है। 10 वर्ष पहले वर्ष 2014-15 में जो प्रति व्यक्ति आय 86647 रुपए थी, वह 2023-24 में करीब 2.28 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। इस तरह तेजी से बढ़ी आय के साथ अब बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत का ऐसी जगह पर निवेश कर रहे हैं, जहां उनको ज्यादा ब्याज और ज्यादा रिटर्न मिल रहा है। लोगों की बचत का तेज प्रवाह शेयर बाजार म्युचुअल फंड, रियल एस्टेट, महंगे वाहनों, सोने एवं बहुमूल्य धातुओं की खरीदी और आरामदायक व विलासिता के सामानों की ओर बढ़ रहा है। देश के छलांगे लगाकर बढ़ते हुए शेयर बाजार में भी तेज रिटर्न मिल रहा है। 10 वर्ष पहले जो सेंसेक्स 25 हजार के स्तर पर था, आज वह 80 हजार के ऊपर है। जुलाई 2024 में भारतीय शेयर बाजार का आकार 5.5 ट्रिलियन डॉलर हो गया है और भारत का शेयर बाजार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है। बड़ी संख्या में लोगों के कदम म्युच्यल फंड की ओर बढ़े हैं। जून 2024 तक म्युच्यल फंड के लिए डीमैट खातों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढक़र 16.2 करोड़ हो गई है।

विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में भी इस बात का विश्लेषण किया जा रहा है कि लोगों को घरेलू बचत की योजनाओं तथा बैंकों में बचत की धनराशि जमा करने से मिलने वाले रिटर्न की तुलना में शेयर बाजार, म्यूच्युल फंड और अन्य भौतिक सम्पत्तियों में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल रहा है। अतएव घरेलू बचत में कमी आ रही है। यद्यपि घरेलू बचत के घटने की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन घरेलू बचत का घटना किसी पारिवारिक या सामाजिक वित्तीय संकट की आहट नहीं है। रिजर्व बैंक के मुताबिक देश में परिवारों की वित्तीय देनदारियों में वृद्धि के बावजूद, परिवारों की बैलेंस शीट बेहतर बनी हुई है। मार्च 2023 के अंत में परिवारों की वित्तीय संपत्तियां उनकी देनदारियों की तुलना में 2.7 गुना थीं। भारतीय परिवारों का ऋण सेवा बोझ, यानी आय के प्रतिशत के रूप में ब्याज का भुगतान मार्च 2021 में 6.9 प्रतिशत से घटकर मार्च 2023 में 6.7 प्रतिशत रह गया, जो वैश्विक स्तर पर भी सराहनीय है। हम उम्मीद करें कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक के द्वारा बैंकों को तत्परतापूर्वक घरेलू बचतों के निवेश को आकर्षक और जोखिम रहित बनाने के लिए जो दिशा निर्देश दिए गए हैं, उनके मद्देनजर सभी बैंक अपनी बचत योजनाओं को आकर्षक बनाएंगे। बैंकों के द्वारा कुछ इनोवेटिव और आकर्षक पोर्टफोलियो लाए जाएंगे और जमा प्राप्त करने के नए बाजार तलाशे जाएंगे।

दृष्टि कोण

हरित ऊर्जा से पर्यावरण संरक्षण एवं विकास

ऊर्जा और जीवन एक-दूसरे के पर्याय हैं। बिना ऊर्जा के विकास गतिविधियां संभव नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन की वजह से पर्यावरण प्रदूषण व जलवायु संकट का सामना करना पड़ रहा है। जीवाश्म ईंधन जलाने से वातावरण में ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं जो ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती हैं। पर्यावरण चुनौतियों से निपटने का एक ही विकल्प है हरित ऊर्जा। हरित ऊर्जा प्राकृतिक स्रोतों से मिलने वाली ऊर्जा है। पर्यावरण संरक्षण, अच्छी प्राणवायु व स्वास्थ्यवर्धक वातावरण के लिए हमें आज हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा। हरित प्रौद्योगिकियां ऐसे उत्पाद और सुविधाएं बनाती हैं जो पर्यावरण मैत्री है तथा प्रकृति, पर्यावरण, वातावरण एवं समाज पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती। हरित प्रौद्योगिकियां नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर पृथ्वी को बचाने का काम करती हैं। हरित ऊर्जा हमें सूर्य-प्रकाश, पवन, वर्षा, ज्वार, पौधों एवं भूतापीय गर्मी से प्राप्त होती है। पर्यावरण सुरक्षा एवं प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता को बिना क्षति पहुंचाए राजस्व लाभ, रोजगार प्राप्त करने हेतु प्रदेश सरकार ने क्रांतिकारी एवं साहसिक कदम उठाते हुए 31 मार्च 2026 तक हिमाचल को देश का प्रथम हरित ऊर्जा राज्य (ग्रीन एनर्जी स्टेट) विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस सकारात्मक सोच से जहां प्रदेश वासियों को स्वच्छ वायु, स्वास्थवर्धक वातावरण, रोजगार मिलेगा, वहीं प्रदेश को राजस्व लाभ एवं ऊर्जा संकट से निदान मिलेगा। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा, जल विद्युत और हाइड्रोजन का दोहन कर प्रदेश को सशक्त हरित ऊर्जा राज्य बनाने हेतु वचनबद्ध है। सौर ऊर्जा भारी मात्रा में उपलब्ध नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत है। एक घंटे की सूर्य रोशनी में दुनिया के लिए एक वर्ष की ऊर्जा समाहित है। सूर्य प्रकाश को फोटोवोल्टिक सेल से सीधे विद्युत में परिवर्तित किया जा सकता है। भारत में मार्च 2024 तक 81.81 गीगावॉट सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता प्राप्त की है। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हिमाचल की भागीदारी बढ़ाकर 12 प्रतिशत तक पहुंचाना चाहती है। प्रदेश भर में 500 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। ऊना जिले के पेखूबेला में 32 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना तैयार की गई है तथा अघलौर में 10 मेगावाट और भंजाल में 5 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। हिमाचल प्रदेश गांव में बसता है तथा गांवों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए सौर ऊर्जा बेहतरीन विकल्प है। सौर लालटेन, सौर स्ट्रीट लाईट, ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए माइक्रो-मिनी ग्रिड ने गांवों में नए उजाले की शुरुआत की है। अभी हाल ही में कुल्लू के मलाणा में बादल फटने से ऐसी आपदा बरसी कि पावर प्रोजैक्ट की डैम साइट बर्बाद हो गई। मलाणा के लोग अंधेरे में बस रहे हैं। ऐसे में मेक माई ट्रिप फाउंडेशन ने मलाणा को प्रकाशमय करने के लिए 500 सोलर लाइट्स प्रदान की हैं। प्रशासन द्वारा प्रति घर एक-एक सोलर लाइट दी जा रही है। सोलर लाइट सिस्टम से तीन बल्ब जलेंगे तथा फोन चार्ज करने की भी सुविधा है। राज्य की कुल चिन्हित जल विद्युत क्षमता लगभग 27 हजार 436 मेगावाट है। दोहन योग्य विद्युत क्षमता 23 हजार 750 मेगावाट है। वर्तमान में 10 हजार 781.88 मेगावाट का दोहन किया जा चुका है। हरित ऊर्जा के दोहन में ग्रीन हाइड्रोजन विशेष है। पानी का इलेक्ट्रोलिसिस कर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पृथक कर ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से जो बिजली प्राप्त होती है, उससे इलेक्ट्रोलिसिस किया जाता है। हरित हाइड्रोजन एक स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन है। हाइड्रोजन का हरित रूप पर्यावरण हितैषी है, क्योंकि कार्बन उत्सर्जन शून्य है। औद्योगिक क्षेत्र नालागढ़ में आंचल इंडिया कंपनी के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन गैस के उत्पादन के लिए एक मेगावाट का संयंत्र उद्योग लगाया गया है, जो कि प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट है। प्रदेश में ग्रीन इलेक्ट्रिल व्हीकल पॉलिसी लागू की गई है। परिवहन विभाग में इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है। बायो एनर्जी की क्षमता का दोहन करने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने में इलेक्ट्रिक वाहन की अहम भूमिका है। पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 10000 से अधिक पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जा चुके हैं। प्रदेश सरकार प्रदेश में प्रस्तावित चार्जिंग स्टेशनों के लिए मुफ्त जमीन व बिजली उपलब्ध करवा रही है।

कुछ अलग

कारगिल पर स्वीकारोक्ति

जिस सच को भारत बार-बार दोहराता रहा है कि कारगिल युद्ध में पाक के सैनिकों की पूरी भूमिका रही है, उस सच को पाक सेना प्रमुख ने पच्चीस साल बाद स्वीकारा है। पाक की यह सफाई ऐसे वक्त में आई है जब भारत ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ कुछ समय पहले ही मनायी है। बीते शुक्रवार को पाक के रक्षा और शहीद दिवस के मौके पर सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। हालांकि, मुनीर ने गोलमोल तरीके से भारत व पाक के बीच हुए युद्धों समेत कारगिल में हजारों सैनिकों के मारे जाने की बाद कही। दरअसल, वर्ष 1999 के कारगिल संघर्ष को लेकर पाक के किसी शीर्ष सैन्य अधिकारी की पहली सार्वजनिक स्वीकारोक्ति है कि इस युद्ध में पाक सेना शामिल थी। अब तक पाक दलील देता रहा है कि कारगिल में कश्मीर के लिये लड़ने वाले लोग शामिल थे। हालांकि, इस साल की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कारगिल का नाम लिये बिना यह स्वीकारा था कि इस्लामाबाद ने 1999 में हुए उस समझौते का उल्लंघन किया था, जिस पर उनके व तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के हस्ताक्षर थे। यह स्वीकार्य तथ्य है कि कारगिल हमले का दुस्साहस जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा रची साजिश के तहत ही हुआ है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश युद्ध में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने का असफल प्रयास ही किया था। बहरहाल, पाक सेना प्रमुख की कारगिल युद्ध में सेना के शामिल होने की स्वीकारोक्ति के छिपे निहितार्थ भी हो सकते हैं। मगर प्रश्न टाइमिंग को लेकर है कि आखिर क्या वजह थी जो पाक ने यह तब स्वीकारा जब भारत कारगिल विजय के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर जश्न मना चुका है। लेकिन स्पष्ट है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र सेना के शिकंजे में पूरी तरह जकड़ा हुआ है। सत्ता पर काबिज शरीफ बंधुओं पर सेना का पूरा दबदबा है। वहीं मुखर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल की सलाखों के पीछे हैं। दरअसल, पाक दुनिया को यह दिखाने का प्रयास कर सकता है कि वह अपनी अतीत की भूलों को स्वीकार रहा है और अपनी ऐतिहासिक भूलों से सबक सीखने को उत्सुक है। तभी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसी कार्यक्रम में कहा था कि पाक अपने सभी पड़ोसियों से बेहतर संबंध बनाना चाहता है। संभव है कि पाक अगले महीने इस्लामाबाद में होने वाली एससीओ बैठक के लिये माहौल बनाने का प्रयास कर रहा हो। जिसमें वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की उम्मीद जता रहा है। लेकिन भारत पाक की बातों पर सहज विश्वास कर ले, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई बीतों दिनों में लगातार चौड़ी होती रही है। खासकर पिछले दिनों जम्मू क्षेत्र में पाक प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों पर लगातार किए गए हमलों में उसकी भूमिका को लेकर। निश्चित रूप से जनरल मुनीर से एलओसी के पार आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना की भूमिका को स्पष्ट करने के लिये कहा जाना चाहिए।

देश दुनिया से

कंधार अपहरण के असहज सत्य और सबक

नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है – जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था –इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मज़बूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है।

वास्तविक जीवन जैसी दिखने वाली वेब सीरीज के साथ समस्या यह है कि वह अपने साथ बहुत सी पुरानी यादें लेकर आती है। 'आईसी 814 : कंधार हाईजैक' नामक इस सीरीज के साथ मुश्किल यह हो रही है कि यह भारत को कमज़ोर दिखाती है : निशक्त, पस्त-अक्षम। नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है – जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था –इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मज़बूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है। उस वक्त की कुछ झलकियां पेश हैं : अपहृत विमान में फंसे यात्रियों के परिवारों की मुश्किलें वाजपेयी सरकार की कमजोरी बन गई, जिनके सिर पर सरकार और अपहर्ताओं के बीच सौदा सिरे न चढ़ने पर हर किस्म के नुकसान का खतरा था। ब्रिटेन में पढ़ा और वहां के लहज़े में अंग्रेजी बोलने वाला उमर शेख – जो कि भारत सरकार द्वारा रिहा किए गए तीन आतंकवादियों में से एक था–उससे जब कंधार में भारतीय खुफिया अधिकारी आनंद अर्नी ने पूछा कि आज़ाद होने का क्या अर्थ है, तो उसने जवाब में ढेरों अपशब्द बके। पाकिस्तान की आईएसआई, जिसका पूरी तरह नियंत्रण था, उसने समझौता वार्ता के दौरान भी बुनियादी शर्तों को बदलवाया – 29 दिसंबर की शाम तक, सहमति केवल एक मसूद अज़हर को रिहा करने तक सीमित थी, लेकिन 30 दिसंबर की सुबह होते-होते अपहर्ता तीन आतंकवादियों को रिहा करने की मांग पर अड़ गए। यह वही था, जो होकर रहा। कभी-कभी समस्या यह होती है कि लोग अतीत को वर्तमान के संदर्भ में देखने लगते हैं। उन्हें इस तथ्य से शर्मिंदगी महसूस होती है कि तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह भी उसी विमान से कंधार गए थे, जिसमें कुछ पीछे की सीटों पर रिहा किए जाने वाले तीनों आतंकवादी सवार थे, जो उन्हें सुनाने को जोर-जोर से अपशब्द बकते रहे। बहुत से लोगों का कहना है कि मंत्री को नहीं जाना चाहिए था, कई ने सवाल किया कि उन्होंने अपने पद की गरिमा क्यों गिराई? लेकिन 'द ट्रिब्यून' के अभिलेखागार में, उस वक्त में झांकने पर पता चलता है कि 1999 में भारत की स्थिति क्या थी। परमाणु परीक्षण हुए कोई एक साल गुजरा था और भारत अभी भी अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अभिशप्त-सा था और आगामी गर्मी में अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन का दौरा होना तय था। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध खत्म हुए बमुश्किल चंद महीने बीते थे। उस सप्ताह, जब अपहृत हुए विमान ने काठमांडू से अमृतसर होते हुए कंधार के लिए उड़ान भरी, जसवंत सिंह ने मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य जगहों पर अपने कई समकक्षों को संपर्क करने की कोशिश की- लेकिन किसी ने उनका फोन नहीं उठाया। यह सप्ताह नए साल की खुशियां मनाने का था। आप जब जश्न मनाने में व्यस्त हों, ऐसे में तीसरी दुनिया के देश का कोई परेशान आदमी आपको उस समय फोन करे, तो आप केवल यही सोच सकते हैं कि अपनी समस्याओं से वह खुद क्यों नहीं निबट लेता? यही चीज़ है जिससे असली कमजोरी झलकती है। भले ही आप मदद पाने के लिए कितने भी अधीर हों, लेकिन कोई आपका फोन नहीं उठाना चाहता। 'रॉ' के तत्कालीन प्रमुख एएस दुलत के अनुसार, जसवंत सिंह उस सप्ताह दिल्ली में 'अकेले पड़े एक आदमी' थे। उनको लगा कि यदि कोई वरिष्ठ व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से लेन-देन प्रक्रिया की देखरेख करने साथ नहीं गया, तो कहीं अंतिम समय में ऐसा कुछ न हो जिससे यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाए। सच तो यह है कि भारतीय वार्ताकार कंधार में कमजोर पड़े प्रतीत हुए क्योंकि उनके पास अपनी बात मनवाने की गुंजाइश बहुत कम या न के बराबर थी। विमान दुश्मन के इलाके में था। कठपुतलियों की डोर आईएसआई के हाथ में थी और सभी पत्ते भी उसके हाथ में थे। नेटफ्लिक्स सीरीज़ उन सभी भारतीय दर्शकों को यह असहज सच्चाई स्वीकारने को मजबूर करती है कि हकीकत में हम वह राज्य नहीं हैं जोकि हम मानते रहे कि हम हैं। हम कमजोर थे, और शायद, अब भी हैं। वेब सीरीज़ ने हम सभी की इस रग को छूआ है कि जब रोशनी बुझ जाती है और हमारे समक्ष केवल हम ही होते हैं, तो क्या सच है और क्या नहीं, यह हमें पता होता है। हम जानते हैं कि हम उतने तगड़े नहीं हैं जितना खुद को मानते हैं। कुछ लोग कह सकते हैं कि 25 साल का समय बहुत लंबा होता है और भारत काफी आगे निकल चुका है- वे पाकिस्तान के साथ वार्ता के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाए गए सख्त रुख को गिनाते हैं। कुछ अन्य लोगों का इशारा 2016 में अभूतपूर्व सर्जिकल स्ट्राइक की तरफ होगा, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की और पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ सफलतापूर्वक अभियान चलाये। फिर भी, हम जानते हैं कि कमज़ोरी बनी हुई है।

आप का नजरिया

कांगड़ा का चमन

जब भी प्रदेश की सियासत का मुआयना होता है, कांगड़ा के मुद्दों पर सवार होना होता है। इस बार मौका भाजपा के हाथ आया तो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधानसभा के सदन को तपा दिया। 'खामोशियां फिर तूफानों सी गूंज गईं, इस हवा को हमारे आंगन से कुछ कहना था।' जयराम बोल रहे थे तो कांगड़ा की चुप्पियों का पदचाप सदन के सन्नाटे तोड़ रहा था, लेकिन सियासत के खंभों पर कांगड़ा के ही नेता फिसले है। पौध बदल जाती है, कभी शांता-कभी धूमल में बंट जाती है। हकीकत यह भी है कि सत्ता का तिलक जब भी शिमला में सरकार के माथे पर लगा, तो कांगड़ा कश्तियों पर सवार रहा, लेकिन बार-बार इसी के 'पत्तन टूटे' हैं। ऐसा नहीं है कि जो विपक्ष ने कहा, वही कांगड़ा का अवतार है, लेकिन सच यह भी है कि कांगड़ा को मिलते रहे 'राजधानियों के दर्जों' ने इसी से वफा की। यह दीगर है कि कांगड़ा के प्रणेता के रूप में वीरभद्र की सत्ता के हर दशक ने इस क्षेत्र के मतदान का कर्ज उतारा है और अंतिम पैगाम आने तक शीतकालीन राजधानी का मील पत्थर धर्मशाला में सरकार को चुंबक बन कर खींचता रहा या तपोवन में शीतकालीन सत्र में तपते प्रश्न सुकून देते रहे। आश्चर्य यह कि धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय की अस्थायी छत बनी, लेकिन जदरांगल परिसर पर कोई सरकार ईमानदार नहीं रही। धूमल की दौलत में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की गिरफ्त में आकर, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजनीति करने लगा। सांसद व मंत्री रहे अनुराग ठाकुर की विरासत में जब केंद्रीय विश्वविद्यालयय पलने लगा, तो जदरांगल परिसर की परीक्षाएं अब सुक्खू सरकार में अलग-अलग 'कांगड़ों' में दिखाई देने लगीं। मामला देहरा में उठती इमारतों में दब जाएगा या उपचुनाव की देहरी पर मुख्यमंत्री के वादे से जदरांगल परिसर बच जाएगा। बेशक कांगड़ा पर्यटन की राजधानी बनने का हुनर जानता है, लेकिन एडीवी की योजनाओं में किसका जहर भरता है। प्रदेश का पहला ट्यूलिप गार्डन धर्मशाला की सियासी आबोहवा में उजड़ गया, तो वहां खर्च हुए सात करोड़ पर कौन रहम खाएगा। बीड़-बिलिंग में राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल की बनी बनाई इमारत में कब कोर्स चलाया जाएगा। कभी धूमल ने धर्मशाला को खेल राजधानी कहा, लेकिन बजट के बावजूद साई के राष्ट्रीय खेल छात्रावास की योजना उजड़ गई। अब हाई अल्टीट्यूट खेल संस्थान के नाम 27 एकड़ जमीन किससे फरियाद करे। चैतड़ का आई टी पार्क कहीं तो राजनीतिक गुनाहों का देवता बना। देश में प्रवासी पक्षी जिस पौंग झील को 'रामसर' का दर्जा दिला देते हैं, वहां विस्थापितों की चिंता की लकीरें पानी में लहर बन जाती हैं आज भी। बांटा तो कांगड़ा एयरपोर्ट भी बार-बार गया। शकुनि विरोध की तमस में वर्षों से जल रही परियोजना को छाती से लगा कर निश्चित रूप से सुखविंदर सुक्खू ने अपने सीने का फैलाव बताया है।

पाकिस्तान के कुर्रम जिले में अफगानिस्तान तालिबान के दो कमांडर ढेर

पेशावर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में कुर्रम जिले के पास अफगानिस्तान सीमा पर मुल्क के सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच झड़प में दो प्रमुख कमांडरों सहित आठ अफगान सैनिकों की मौत हो गई और कम से कम 16 घायल हो गए।

सूत्रों के हवाले से खबर अपनी वेबसाइट पर आज जारी की है। अफगान तालिबान ने सैनिकों की मदद से शनिवार सुबह पाकिस्तान-अफगान सीमा पर पालोसिन इलाके में पाकिस्तान की एक चेक पोस्ट पर घातक हथियारों से हमला किया।

इस बाद दोनों पक्षों में झड़प हुई। इस झड़प में आठ अफगान तालिबान मारे गए और 16 अन्य घायल हो गए।मारे गए प्रमुख कमांडर के नाम खलील और जान मोहम्मद हैं।

इस घटना पर इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब अफगान सैनिकों ने सीमा पर तैनात पाकिस्तान सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की है।

पहले भी पाकिस्तान ऐसी घटनाओं पर काबुल के साथ अपनी चिंता साझा कर चुका है। अफगान तालिबान पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के अलावा अब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बलों पर खुलेआम हमला कर रहा है।

तनावपूर्ण सुरक्षा स्थिति के कारण सप्ताहांत में दोनों देशों के बीच व्यापार निलंबित रहा। रविवार को भी सीमा पर रुक-रुक कर गोलीबारी हुई।

इस बीच रविवार को सेंट्रल कुर्रम के मार्घन इलाके में किए गए हमले में एफसी का एक अधिकारी शहीद हो गया और तीन कर्मी घायल हो गए।

न्यूज ब्रीफ

इटली के आशिक मिजाज संस्कृति मंत्री ने गर्लफ्रेंड को दे दिया बड़ा पद

रोम। इटली के आशिक मिजाज संस्कृति मंत्री जेननारो सांग्युलियानो ने प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी। यह पूरा मामला मंत्री जी द्वारा अपनी गर्लफ्रेंड को सलाहकार बनाने से जुड़ा है। दरअसल, खुद को फैशन इंटरप्रेन्योर करने वाली मंत्री की गर्लफ्रेंड मारिया रोसारिया बोकिया ने पिछले महीने ने कहा कि उन्हें प्रमुख आयोजनों के लिए मंत्री का सलाहकार नामित किया था। शुरुआत में संस्कृति मंत्री ने ऐसी नियुक्ति से इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्होंने ऐसा करने के लिए सहमति दे दी थी। बाद में हितों के टकराव के कारण उन्होंने अपना विचार बदल लिया था। मामले ने तूल पकड़ा तो शुक्रवार को मंत्री ने प्रधानमंत्री मिलोनी को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा, मैं संस्थानों और अपने लिए अपना इस्तीफा सौंपना आवश्यक समझता हूं। पहले से शादीशुदा संस्कृति मंत्री जेननारो सांग्युलियानो ने अपनी इस हरकत को पहले टीवी चैनल पर स्वीकारा और बाद में अपनी पत्नी से माफी भी मांगी। वो इस वक्त पीएम मेलोनी को अपना इस्तीफा सौंप चुके हैं। संस्कृति मंत्री रहे सांग्युलियानो ने टीवी इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि उनका बोकिया के साथ संबंध था। उन्होंने अपनी पत्नी और पीएम मिलोनी से इसके लिए माफी भी मांगी। मंत्री ने यह भी कहा कि मेलोनी ने उनके इस्तीफे के पहले प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। इंटरव्यू के तुरंत बाद यह मामला पीएम के लिए जी का जंजाल बन गया। सभी प्रमुख अखबरों के फ्रंट पेज पर यह खबर छाई रही। इस मामले की तुलना पिछले सेक्स-और-राजनीति घोटालों से की गई, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी द्वारा आयोजित बंगा बुंगा पार्टियाँ भी शामिल थीं ।

शारजाह से ढाका जा रहे विमान में यात्री की तबीयत बिगड़ी, कराची में कराई गई आपात लैंडिंग, नहीं बच सकी जान

कराची। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची में आज एक अंतरराष्ट्रीय विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। दरअसल बीच हवा में एक यात्री की तबीयत खराब होने की वजह से यह फैसला करना पड़ा। शारजाह से ढाका जा रहे इस विमान के कराची में उतरते ही यात्री की सांस थम चुकी थी। खबर के अनुसार, इस विमान की आपात लैंडिंग कराची के जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर राई गई। यह विमान शारजाह से ढाका जा रहा था, तभी यात्री की तबीयत बिगड़ गई। पायलट ने एटीसी से कराची एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी। क्लीयरेंस मिलने के बाद विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद नागरिक उड्डयन प्राधिकरण की मेडिकल टीम ने यात्री की जांच की। इसमें साफ हुआ कि आपात लैंडिंग से पहले ही यात्री मर चुका था ।

लड़के ने डेटिंग के लिए लगाई अर्ज़ी महफिल लूट ले गया कंपनी का जवाब

बैंकॉक । आज बात एक ऐसे कर्मचारी की, जिसने बिना किसी लाग-लपेट के अपने मैनेजर से गर्लफ्रेंड के साथ डेट पर जाने के लिए लीव मांग ली। वैसे छुट्टी मांगने का स्ट्रगल तो हर कर्मचारी का होता है लेकिन समझदार और अच्छे बॉस हों तो कर्मचारी को छुट्टी से लिए ज्यादा सोचना नहीं पड़े। लीव मांगना दफ्तर में सबसे मुश्किल काम होता है। हालांकि आज बात एक ऐसी कंपनी की, जो कर्मचारी की पर्सनल प्रॉब्लम को भी इतने सही तरीके से डील कर रही है कि आप हैरान रह जाएंगे। कर्मचारी ने बॉस ने डेट पर जाने के लिए छुट्टी मांग ली। ये मामला थाईलैंड का है। यहां की मार्केटिंग एजेंसी व्हाइटलाइन ग्रुप के एक कर्मचारी ने अपनी कंपनी को शिकायत की थी कि उसे डेटिंग पर जाना है, पर काम इतना ज्यादा है कि इसके लिए वक्त नहीं मिल पा रहा। मैनेजर ने इस मामले में अलग की लेवल का एक्शन लिया। बात कंपनी तक पहुंची और इसके सॉल्यूशन के तौर पर शुरू कर दी गई- 'टिंडर लीव'। ये अनोखी छुट्टी कंपनी में जुलाई से दिसंबर तक चलने वाली है, जिसमें कर्मचारी कभी भी डेटिंग के लिए छुट्टी ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक हफ्ते पहले नोटिस देना होगा और उनके पैसे भी इसके लिए नहीं कटेंगे।

ट्रंप ने दी धमकी बोले-आप डॉलर छोड़ रहे हैं तो अमेरिकी व्यापार भूल जाइए, भारत को झटका

वॉशिंगटन, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे डोनाल्ड ट्रंप अपने प्रतिद्वंदियों पर आरोपों की बौछार करते करते दुनिया के तमाम देशों को भी धमकाने लगे हैं। उन्होंने विस्कॉन्सिन राज्य में एक रैली के दौरान तमाम देशों को धमकाते हुए कहा कि यदि आप डॉलर छोड़ रहे हैं तो अमेरिका के साथ व्यापार को भूल जाइए। क्योंकि हम आपके ऊपर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप का यह बयान ब्रिक्स देशों के ऊपर हमला समझा जा रहा है, जो डॉलर की जगह किसी और मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाना चाहते हैं। ब्रिक्स देशों के अलावा कई और देश हैं जो कि आपसी व्यापार के समय डॉलर को बायपास करने का सोचते हैं। डोनाल्ड ट्रंप को एक भारत समर्थक राष्ट्रपति के रूप में देखा जाता है। हालांकि ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान लागू की गई संरक्षणवादी नीतियों से भारत को भी घाटा हुआ था।

टैरिफ की सीधी लड़ाई भले ही चीन और अमेरिका के बीच में हुई हो लेकिन इसमें भारत की कंपनियों को भी नुकसान हुआ था। भारत ब्रिक्स समूह का हिस्सा है, जो कि डी-डॉलरीकरण की बात करता है। भारत भी लगातार अपने व्यापार को डॉलर से अलग करके अपने रुपए में करने की इच्छा रखता है। यूक्रेन युद्ध के समय भारत ने रूस से जितना भी व्यापार किया है वह मुद्रा विनिमय या फिर किसी और मुद्रा के रूप में किया है। इसके अलावा भारत कच्चे तेल का बहुत बड़ा आयातक देश है, हमनें सऊदी समेत कई देशों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाया है और उन देशों के साथ अपनी मुद्रा में व्यापार को आगे बढ़ाया है। इसके अलावा भारत का रिजर्व बैंक भी भारतीय यूपीआई को अमेरिका पेमेंट सिस्टम स्विफ्ट की जगह स्थापित करना चाहता है। इसलिए ट्रंप की इस धमकी को भारत से भी जोड़ कर देखा जा रहा है, क्योंकि अगर ट्रंप यह करते हैं तो भारत के व्यापार पर इसका असर पड़ना तय है। भारत के अलावा अन्य देश भी डॉलर पर अपनी निर्भरता को खत्म करना चाहते हैं, सऊदी अरब, चीन और रूस इसमें सबसे बड़े खिलाड़ी साबित हुऐ हैं।

अपने पिछले कार्यकाल के दौर में अमेरिका फर्स्ट की नीति लेकर संरक्षणवादी रवैया रखने वाले ट्रंप ने रैली के दौरान कहा कि पिछले आठ सालों में डॉलर लगातार एक बड़ी घेराबंदी का शिकार हुआ है, पिछले

साल एक समूह के सम्मेलन में डी-डॉलरीकरण को लेकर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि मैं चाहता हूं कि डॉलर दुनिया की आरक्षित मुद्रा बनी रहे और इस काम के लिए में कुछ भी करने को तैयार हूं। आईएमएफ के अनुसार, 2024 की पहली तिमाही में अमेरिकी मुद्रा अभी भी विदेशी मुद्रा भंडार का 59 प्रतिशत है, जबकि यूरो लगभग 20 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है।दरअसल, डॉलर के खिलाफ दुनियाभर में बढ़ती विरोध की आवाज ने अमेरिका को परेशान कर रखा है। ट्रंप ने अपने आर्थिक सलाहकारों से चर्चा के बाद ही यह बयान दिया है। ट्रंप या कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉलर के प्रभुत्व को दुनिया पर से कम नहीं होने देना चाहेगा, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो दुनिया पर से उनका प्रभाव कम हो जाएगा। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को डॉलर के वैश्विक मुद्रा होने का बहुत फायदा होता है। इससे अमेरिका को मिलने वाले लोन में आसानी होती है। अमेरिका हर साल अपने बॉन्ड जारी करता है और लोगों से करेंसी उठाता है। इससे अमेरिका का अर्थव्यवस्था को लगातार बढ़ते रहने में आसानी होती है। जापान ने अमेरिका के करीब 1 ट्रिलियन डॉलर के बॉन्ड खरीद रखे हैं तो वहीं चीन ने करीब 750 बिलियन डॉलर के, लेकिन पिछले कुछ सालों से अमेरिका की आर्थिक हालत को देखते लोग डॉलर की जगह किसी और मुद्रा को नई अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा बनाना चाहते हैं। चीन का युआन इस दौड़ में सबसे आगे हैं।

प्याज के अर्क से ब्लड शुगर को 50 प्रतिशत तक कर सकते हैं कम, ताजा रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने किया यह दावा

लंदन । ताजा रिसर्च में ब्लड शुगर कंट्रोल करने का एक अनोखा तरीका सामने आया है, जिसके जरिए आप घर बैठकर महज कुछ रुपए में इस परेशानी से काफी हद तक राहत पा सकते हैं। ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए प्याज का सेवन सबसे सस्ता और कारगर तरीका है। प्याज के अर्क से ब्लड शुगर को 50 पप्याज के अर्क से ब्लड शुगर को 50 प्रतिशत तक कर सकते हैं कम, ताजा रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने किया यह दावप्रतिशत तक कम किया जा सकता है। प्याज का अर्क, एलियम सेपा और मेटाफॉर्मिन से डायबिटीज को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। यह बात अमेरिका में प्रजेंट किए गए एक रिसर्च पेपर में सामने आई है। मेटाफॉर्मिन डायबिटीज को कंट्रोल करने वाली दवा है, जिसे सबसे ज्यादा यूज किया जाता है। इस रिसर्च के लीड इन्वेस्टिगेटर का कहना है कि डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए प्याज सबसे सस्ता और आसानी से उपलब्ध सामान है। रिसर्च के दौरान शोधकर्ताओं ने डायबिटिक चूहों को 400 मिलीग्राम और 600 मिलीग्राम प्याज का अर्क दिया था, जिससे उनके ब्लड शुगर लेवल में 50प्रतिशत और 35प्रतिशत कमी देखने को मिली। इतना ही नहीं प्याज से हाई कोलेस्ट्रॉल के लेवल में भी काफी कमी दर्ज की गई। जिन चूहों को डायबिटीज नहीं थी, उन चूहों का इसकी वजह से वजन बढ़ गया, जबकि डायबिटिक चूहों के वजन में कोई बदलाव नहीं हुआ। शोधकर्ताओं का कहना है कि प्याज में हाई कैलोरी नहीं होती और मेटाबॉलिक रेट बढ़ जाता है। इसकी वजह से भूख बढ़ जाती है और लोग ज्यादा खाना खाना शुरू कर देते हैं। इन दिनों डायबिटीज की समस्या बेहद तेजी से बढ़ रही है। कम उम्र के लोग भी डायबिटीज की चपेट में आते जा रहे हैं और इसकी वजह से हार्ट डिजीज का खतरा भी बढ़ रहा है। पिछले दिनों एक रिसर्च सामने आई थी जिसमें खुलासा हुआ था कि अगले 20 सालों में दुनियाभर में डायबिटीज के मामलों की संख्या करोड़ों में हो जाएगी। इस रिसर्च ने सभी की नींद उड़ा दी है। डायबिटीज एक महामारी की तरह लोगों को अपनी चपेट में ले रही है।

बांग्लादेश के मशहूर चित्रकार मुस्तफा मोनवार जीवन रक्षक प्रणाली पर

ढाका, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के मशहूर चित्रकार, मूर्तिकार और सांस्कृतिक व्यक्तित्व मुस्तफा मोनवार को ढाका के एक निजी अस्पताल में जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। उन्हें प्यार से बांग्लादेश के कठपुतली पुरुष के रूप में जाना जाता है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह लंबे समय से विभिन्न शारीरिक समस्याओं से पीड़ित हैं। इनमें निमोनिया और प्रोस्टेट कैंसर प्रमुख हैं।

ढाका से छपने वाले अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, उनकी शनिवार को अचानक हालत बिगड़ गई। परिवार ने उन्हें स्क्वायर अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा गया है। मुस्तफा मोनवार को कुछ दिन पहले इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। वहां से प्रोस्टेट कैंसर का इलाज कराने के बाद वह घर लौटे और स्वस्थ थे।

उनका लोकप्रिय टेलीविजन कठपुतली शो मोनेर कोथा 12 वर्षों तक बीटीवी पर चला। यह बेहद लोकप्रिय हुआ। इसे 90 के दशक में बच्चों ने सबसे ज्यादा पसंद किया। एकुशी पदक विजेता इस कलाकार ने ईस्ट पाकिस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स में व्याख्याता के रूप में अपना करियर शुरू किया। बाद में, वह पीटीवी (अब बांग्लादेश टेलीविजन) की पूर्वी पाकिस्तान शाखा के महानिदेशक बने।

मुस्तफा मोनवार ने बांग्लादेश शिल्पकला अकादमी और राष्ट्रीय मीडिया संस्थान के महानिदेशक के रूप में भी काम किया। वह बांग्लादेश फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक और बांग्लादेश शिशु अकादमी के अध्यक्ष भी रहे। एक सितंबर को उन्होंने अपना 89वां जन्मदिन मनाया। उनका जन्म 1935 में जेसोर में प्रख्यात कवि गोलम मोस्टोफा के घर हुआ था।

दक्षिण वजीरिस्तान में पोलियो टीम को ले जा रहे पुलिस वाहन पर हमला

इस्लामाबाद, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन अभियान से जुड़े लोगों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। पोलियो का सबसे ज्यादा प्रकोप वजीरिस्तान में है और यहीं सबसे ज्यादा हमले हो रहे हैं। अब दक्षिण वजीरिस्तान से ऐसी ही घटना सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण वजीरिस्तान में पोलियो टीम को ले जा रहे पुलिस वाहन पर हमले में कम से कम दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह घटना वाना में हुई। पुलिस वाहन पोलियो टीम के साथ ड्यूटी पर था। अचानक भीड़ ने हमला कर दिया। हमले में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन घायल हो गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कल देश से पोलियो के पूर्ण उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पोलियो विरोधी अभियान शुरू किया है। इसमें 115 जिलों को शामिल किया गया है। इस अभियान के तहत पांच साल से कम उम्र के 30 मिलियन बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। 15 सितंबर तक करीब 286,000 पोलियो कार्यकर्ता घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाएंगे।

नाइजीरिया में पेट्रोल टैंकर में विस्फोट 48 से ज्यादा लोगों की मौत

नाइजर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरिया में कल दोपहर एक पेट्रोल टैंकर में हुए विस्फोट में 48 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। नाइजीरिया के समाचार पत्र के मुताबिक, यह हादसा उत्तर-मध्य राज्य नाइजर में बिदा-अगाई-लापाई राजमार्ग पर दोपहर लगभग 12:30 हुआ। नाइजर इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के महानिदेशक अब्दुल्ला-बाबा-अरा ने इसकी पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि आपदा स्थल राज्य के एगेई स्थानीय सरकारी क्षेत्र में डेंडो समुदाय से दो किलोमीटर दूर है। अब्दुल्ला-बाबा-अरा ने कहा कि यह हादसा तब हुआ जब लागोस के रास्ते में कानो राज्य के वुडिल से यात्रियों और मवेशियों से भरे एक ट्रेलर ट्रक से पेट्रोल से भरा एक टैंकर टकरा गया।

इसकी चपेट में एक क्रेन और एक पिकअप वैन भी आ गए। उन्होंने कहा कि 48 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 50 से अधिक गायें जिंदा जल गईं। महानिदेशक ने कहा कि एजेंसी की रैपिड रिस्पॉन्ड टीम और अन्य स्थानीय आपातकालीन प्रबंधन समितियां (एलजीईएमसी) घटनास्थल पर पहुंचीं। अभी भी शव ट्रकों के अंदर फंसे हुए हैं।

बच्चों को विदेश में गोद लेने की मंजूरी देने की प्रथा बंद करेगा चीन

पिछले 30 साल में लगभग 150,000 चीनी बच्चों को विदेश में गोद लिया गया

बीजिंग, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन ने घोषणा की है कि वह बच्चों को विदेश में गोद लेने की मंजूरी देने की प्रथा बंद करेगा। इसकी वजह से मौजूदा वक्त में बच्चों को गोद लेने के लिए कोशिश कर रहे विदेशी परिवारों में असमंजस पैदा हो गया है। पिछले 30 साल में कम से कम 150,000 चीनी बच्चों को विदेश में गोद लिया गया है। इनमें से 82,000 से अधिक बच्चे अमेरिका गए हैं, जो दुनिया में कहीं और से ज्यादा संख्या है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भविष्य में चीन केवल उन विदेशी नागरिकों को चीनी बच्चों को गोद लेने की अनुमति देगा, जो उनके रिश्तेदार हैं। विदेश में चीनी बच्चों को गोद लेने पर

प्रतिबंध लगाए जाने से अमेरिका में सैकड़ों परिवारों के लिए असमंजस के हालात पैदा हो गए हैं, जो मौजूदा समय में चीन से बच्चों को गोद लेने की प्रक्रिया में लगे हुए हैं। अमेरिका अब चीन के नागरिक मंत्रालय से इस बारे में स्पष्टीकरण मांग रहा है। 1990 के दशक में चीन में विदेश में बच्चों को गोद लेने की नीति को औपचारिक रूप दिया गया था, तब से दसियों हजार बच्चों को गोद लिया गया है। जिनमें से लगभग आधे अमेरिका में माता-पिता को दिए गए हैं। चीन के बच्चों को गोद लेने वाली हस्तियों में मेग रयान और वुडी एलन भी शामिल हैं। हालांकि चीन के बच्चों को विदेश में गोद देने का प्रोग्राम कई बार आलोचनाओं के घेरे में आया है। 2013 में चीनी पुलिस ने 92 किडनैप किए गए बच्चों को बचाया और तस्करी नेटवर्क के संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि चीन की विवादों से गिरी एक-बच्चा नीति ने कई परिवारों को अपने बच्चों को छोड़ने के लिए मजबूर किया। इस पॉलिसी को 1979 में शुरू किया गया था। जब चीन अपनी बढ़ती जनसंख्या के बारे में चिंतित था। नियमों को नहीं मानने वाले परिवारों पर जुर्माना लगाया गया और कुछ मामलों में, नौकरी भी चली गई। इससे एक ऐसी संस्कृति पैदा हो गई जिसमें लड़कियों की तुलना में लड़कों को तरजीह दी जाती है। यानी कि माता-पिता अपनी लड़कियों को छोड़ देते थे। उस समय आलोचकों ने चीन की एक-बच्चा नीति और गोद लेने के कानूनों की ओर इशारा किया था, जिसके बारे में उनका कहना था कि इसने बच्चों को खरीदने के लिए एक संपन्न अंडरग्राउंड मार्केट तैयार कर दिया है। कई देशों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बच्चों को गोद लेने के बारे में चिंता जाहिर की है। बहरहाल 2016 में चीन ने एक-बच्चा नीति को खत्म कर दिया। 2021 में बीजिंग ने तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देने के लिए कानूनों में संशोधन किया।

लियोनन मेसी से प्रभावित है जूडो खिलाड़ी तूलिका मान

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में भारत की एकमात्र महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका मान अपना आदर्श अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी को मानती हैं। तूलिका ने अपनी रैंकिंग के आधार पर पेरिस 2024 में जगह बनाकर अपनी मां का सपना पूरा किया था हालांकि वह महिलाओं के 78 किग्रा भार वर्ग में शुरुआती दौर में ही क्यूबा की इडालिस ओर्टिज़ से हार के साथ ही बाहर हो गयीं थीं। इससे पहले सुशीला देवी टोक्यो 2020 में जूडो में भारत की एकमात्र प्रतिभागी थीं, लेकिन वह भी महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थीं।

मेसी की शांत रहने की क्षमता और मैच से पहले एक कोने में बैठकर अपने पर ध्यान करने की आदत से तूलिका बेहद प्रभावित थीं। इन आदतों का पालन करने के कारण ही वह एक बेहतर जूडोका बनने में सफल रही हैं।

नेशनल जूनियर लेवल पर सिल्वर मेडल जीतने वाली तूलिका के करियर की सही मायनों में शुरुआत हुई 2018 में, जब उन्होंने जयपुर में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। अगले ही साल उन्होंने फिर से कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप जीती और साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल भी अपने नाम किया। साल 2022 में बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतना उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसने उनके करियर को जबरदस्त तेजी दी पर वह उस मैच के बाद चोटिल भी हो गई थीं।

यह चोट तूलिका के लिए आसान नहीं थी। जूडो प्लेयर होने के नाते उनको हमेशा डर रहता था कि चोट उनसे इस खेल को छीन न ले। तब उनके कोच ने समझाया था कि अगर बॉडी का निचला हिस्सा चोटिल हुआ है तो ऊपर के हिस्से की ट्रेनिंग करो और अगर ऊपर चोट लगे तो निचले हिस्से की ट्रेनिंग करते रहो। जिससे अभ्यास कभी न छूटे। मेसी को फॉलो करना तूलिका के लिए लाभदायक रहा। उन्होंने धैर्य से रिकवरी टाइम को अच्छे रिहैबिलिटेशन में बिताया। उसके बाद तूलिका ने राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता। जूडो में शरीर को मजबूत करने के लिए फिजिकल ट्रेनिंग की जाती है तो मेंटल ट्रेनिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। मानसिक तौर पर फिट रहने के लिए तूलिका योग करती हैं।

तूलिका मान पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की एकमात्र जूडो खिलाड़ी थीं। उन्होंने अभी महज 25 साल की तूलिका से भारत को आगे काफी उम्मीद है।

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अवसर मिलने की उम्मीद है। उनका मानना है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिलेगा। इससे वह टी20 के भी अच्छे खिलाड़ी साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें आईपीएल के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है , इसलिए वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे ने पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट का इस्तीफा किया स्वीकार

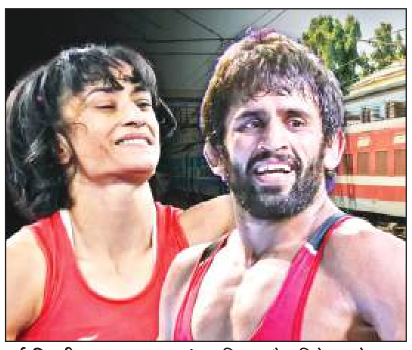

नई दिल्ली। पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट ने रेलवे में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। उत्तर रेलवे ने कहा कि बजरंज और विनेश के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गये हैं। इन दोनो ही पहलवानों ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले इस्तीफे दे दिए थे। विनेश ने रेलवे की सरकारी नौकरी से इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की थी। विनेश ने इसमें कहा, भारतीय रेलवे की सेवा मेरे जीवन का एक यादगार और गौरवपूर्ण समय रहा है। जीवन के इस मोड़ पर मैंने स्वयं को रेलवे सेवा से अलग करने का फैसला लेते हुए अपना त्यागपत्र भारतीय रेलवे के सक्षम अधिकारियों को सौंप दिया है। राष्ट्र की सेवा में रेलवे द्वारा मुझे दिये गये इस अवसर के लिए मैं भारतीय रेलवे की सदैव आभारी रहूंगी। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन के कारण अयोग्य करार दिये जाने पर विनेश ने कुश्ती से से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उसके बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा ने उन्हें राज्यसभा में भेजे जाने की बात कही थी पर उम्र कम होने के कारण ऐसा संभव नहीं था। इस कारण अब उन्हें विधानसभा चुनावों में उतारा जा रहा है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल ने नेशन्स कप जीता

लंदन। पुर्तगाल ने नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड को 2-1 से हरा दिया है। पुर्तगाल की इस जीता में स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अहम भूमिका रही। रोनाल्डो ने इस मैच में रिकार्ड 132 वां गोल किया। रोनाल्डो मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे और उन्होंनें 88वें मिनट में एक गोल दागा जिससे टीम को जीत मिली। रोनाल्डो का यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 132वां गोल था। इसी के साथ ही उन्होंने एक नया रिकार्ड कायम किया। रोनाल्डो यूरोपीय चैंपियनशिप के पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे पर इसके बाद भी कोच रॉबर्ट मार्टिनेज ने उन्हें मैदान में उतारा और ये फैसला सही साबित हुआ। इससे पहले क्रोएशिया पर पुर्तगाल की 2-1 की जीत में भी रोनाल्डो की अहम भूमिका रही थी।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीयों ने किया अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करार करना चाहते हैं कई दिग्गज ब्रांड

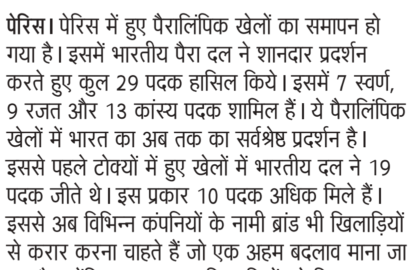

पेरिस। पेरिस में हुए पैरालिंपिक खेलों का समापन हो गया है। इसमें भारतीय पैरा दल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 29 पदक हासिल किये। इसमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल हैं। ये पैरालिंपिक खेलों में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले टोक्यों में हुए खेलों में भारतीय दल ने 19 पदक जीते थे। इस प्रकार 10 पदक अधिक मिले हैं। इससे अब विभिन्न कंपनियों के नामी ब्रांड भी खिलाड़ियों से करार करना चाहते हैं जो एक अहम बदलाव माना जा रहा है क्योंकि अब तक इन खिलाड़ियों को विज्ञापनदाता नहीं मिलते थे। पेरिस में भाला फेंकने में सुमित अंतिल और महिला निशानेबाज अवनि लेखरा ने लगातार दूसरी बार पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं बैडमिंटन में स्वर्ण विजेता नीतेश कुमार के अलावा ट्रैक-इन-फील्ड में प्रीति पाल और तीरंदाजी में हरविंदर सिंह, ने भी जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उन्हें मिले बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाओं की अहम भूमिका रही पदक विजेता खिलाड़ियों ने कहा है कि सुविधाओं से लेकर धन की उपलब्धता सभी लिहाज से स्थिति पहले से बेहतर हुई हैं , उसी का परिणाम है कि पहले से अधिक पदक मिले हैं।' इसके अलावा खिलाड़ियों को मिल रहें समर्थन से भी उनका हौंसला बढ़ा है। वहीं पदक विजेता निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कहा है कि ब्रांड या सरकार जो भी उभरते हुए खिलाड़ियों को मदद देना चाहते हैं वे जल्द से जल्द आगे आएं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विजय अभियान जारी

चीन के बाद जापान को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

हुलुबुइर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विजय अभियान सोमवार को भी जारी रहा। मेजबान चीन को हराने के बाद गत चैंपियन भारतीय टीम ने जापान को 5-1 से मात दी और ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत की इस जीत में सुखजीत ने अहम योगदान दिया जिन्होंने दो गोल किए।

सुखजीत ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल किए, जबकि अभिषेक (तीसरे), संजय (17वें) और उत्तम सिंह (54वें) अन्य भारतीय गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मात्सुमोतो काजुमासा ने 41वें मिनट में जापान के लिए एकमात्र गोल किया।

रविवार को अपने शुरुआती लीग मैच में चीन को 3-0 से हराने वाली चार बार की चैंपियन भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, जबकि जापान की टीम ने पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

भारत का अब मलेशिया से होगा सामना

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम बुधवार को पिछले चरण की उपविजेता टीम मलेशिया से भिड़ेगी। मंगलवार को आराम का दिन है। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

कैप्टन मोहन बिश्नोई की स्मास मास्टर टीम ने जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग

मुरादाबाद। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर कांठ बैडमिंटन प्रीमियर लीग की विजेता बनी। बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी ने बताया कि स्मास मास्टर टीम ने कैप्टन खुर्शीद की फीदर फोर्स टीम को 3-2 से शिकस्त दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर को ट्राफी प्रदान की। नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में देर रात्रि जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग सम्पन्न हुआ। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा किया। प्रीमियर लीग में 4 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक टीम में 18-18 खिलाड़ी शामिल रहे। लीग मैच के बाद सेमीफाइनल और अंत में फाइनल मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता का परिणाम देर रात्रि 1 बजे घोषित हुआ। समापन के मौके पर मुख्य

अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि खेल में हार जीत से फर्क नहीं पड़ता जो अच्छा खेलता हैं उसे सफलता मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सफलता न मिलने पर हमें अपनी कमियों पर मंथन करना चाहिए। इससे हमें भविष्य में निश्चित ही जीत मिलेगी। प्रतियोगिता बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। प्रीमियर लीग क्लोसिंग सेरेमनी का संचालन निमित जायसवाल ने किया। सभी का आभार मोहन विश्नोई अचल विश्नोई ने व्यक्त किया। इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कालेज के प्रबंध विपिन जेटली, पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, आयोजक मंडल से मोहन विश्नोई, रोमी माहेश्वरी, सोहन विश्नोई, दीपक विश्नोई, आशीष, गोविंद सिंह मटेला, दीपक भारद्वाज, मनीष भट्ट, आयुष बजाज, रोहित अग्रवाल, आशु यादव, नरेंद्र बिश्नोई, डा हिमांशु यादव, देशकांत त्यागी आदि रहे।

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट मैच में उभरा मीडिया एक्रीडेशन विवाद

ग्रेटर नोएडा, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले एक मात्र टेस्ट मैच को लेकर एक विवाद सामने आ रहा है। दरअसल ये मसला अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से मीडिया पर्सन्स के लिए कोई व्यवस्था नहीं किए जाने से जुड़ा है।

वैसे तो ये टेस्ट मैच आज सोमवार को सुबह 10 बजे से ग्रेटर नोएडा के ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड (शहीद विजय सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में शुरू होना है लेकिन इसके बावजूद इसे कवर करने को लेकर पत्रकारों को स्पष्ट सूचना नहीं है। इतना ही नहीं मीडिया एक्रीडेशन/रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी पत्रकारों को कार्ड देने के लिए मैच के दिन सुबह बुलाया गया और फिर कुछ पत्रकारों को यह कहकर लौटाया गया कि उनका आवेदन नहीं आया है, जबकि मीडियाकर्मियों का कहना था कि उन्होंने चार दिन पहले रजिस्ट्रेशन कराया था।

ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को कवर करने में भी मीडिया पर्सन्स को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।जबकि पत्रकारों के एक ग्रुप का कहना है कि रजिस्ट्रेशन तक के सारे प्रोसेस ठीक से हुए। लेकिन आज कुछ चुनिंदा पत्रकारों को ही वरीयता देते हुए एक्रीडेशन में धांधली की गई है।

वहीं, इस मामले में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी (जो मीडिया का काम देख रहे थे) के पास कोई संतोष जनक जवाब नहीं था।

स्टेडियम में 40 रुपए में मिल रहा आधा लीटर पानी

वहीं स्टेडियम में मैच देखने आए दर्शकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा, खासकर पानी को लेकर। यहां दर्शकों को आधा लीटर पानी के लिए 40 रुपए खर्च करने पड़े।

अवसर मिला तो आरसीबी की ओर से खेलूंगा : रिंकू

नई दिल्ली। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि अवसर मिलने पर वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी खेलना चाहेंगे। रिंकू अभी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेलते हैं। रिंकू के इस बयान से सभी हैरान हैं। रिंकू को आईपीएल में केकेआर की ओर से किये धमाके दार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में भी जगह मिली है। रिंकू के अनुसार आईपीएल के अगले सत्र में यदि केकेआर की टीम ने उन्हें नहीं रखा तो वह आरसीबी जाकर विराट कोहली के साथ खेलना चाहेंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित, ऋषभ की वापसी, यश को मिला मौका

मुम्बई, 09 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई और दूसरा कानपुर में खेला जाएगा। टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। ऋषभ 2022 में कार हादसे से उबरने के बाद पहली बार टेस्ट खेलते नजर आयेंगे। उन्हें दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है उसमें श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश किया था पर वह बोर्ड का भरोसा हासिल नहीं कर पाये। टीम में जिस फैसले से सभी हैरान है वह है यश दयाल को शामिल किया जाना। यश वहीं गेंदबाज हैं जिनपर पिछले आईपीएल में रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाये थे। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम का चयन कर लिया है। इस टेस्ट सीरीज से साल 2024-25 के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। इस सीरीज के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेले जाएंगे। जिसके लिए सीरीज का चयन अभी होना है।

टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमरा, यश दयाल।

डीपीएल : बारिश की वजह से टीम का बाहर होना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण : पंत

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में टीम की कड़ी मेहनत और उनके अनुशासन की जमकर प्रशंसा की।

उन्होंने एक बयान में कहा, साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के खिलाफ दूसरा सेमीफाइनल बारिश के कारण भले ही रद्द हो गया हो, लेकिन निराश होने जरूरत नहीं है, कुछ चीजें हमारे हाथ में नहीं होती और इस बार भी कुछ ऐसा ही है। हालांकि पुरानी दिल्ली 6 ने जिस तरह से यहां तक सफर का तय किया है, वह निश्चित तौर पर बधाई के पात्र हैं।

दिलीप ट्रॉफी के चलते ऋषभ टूर्नामेंट में भले ही ना खेल रहे हों, लेकिन पुरानी दिल्ली 6 की हर छोटी बड़ी चीजों पर उनकी निगाह लगातार बनी रहती है। उन्होंने कहा कि, मैने देखा कि यहां तक पहुंचने के लिए लड़कों ने कितनी कड़ी मेहनत की है, मैं उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प की सराहना करता हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बारिश ने हमारे अभियान पर रोक लगा दी, लेकिन वो कहते हैं ना अगर कुछ जाता है तो कुछ आता है। इसी तरह हमने भी इस सीज़न में कुछ खास बनाया है और मुझे विश्वास है कि हम अगले साल खिताब के लक्ष्य के साथ और मजबूत वापसी करेंगे।

वहीं प्रैक्टिस से लेकर ग्राउंड तक में हर छोटी से छोटी बारीकियों को समझाने वाले इशांत भी इस तरह से टीम के बाहर हो जाने से काफी निराश हैं।

उन्होंने टीम की तारीफ करते हुए कहा , बिना खेले ही सेमीफ़ाइनल से बाहर हो जाना काफी दुखद है। मैंने देखा है कि लड़कों ने पूरे टूर्नामेंट में कितना दिल से प्रयास किया है, ऐसे में इस तरह की चीजें निराश तो करती ही हैं, लेकिन मुझे गर्व है अपनी टीम पर जिन्होंने हमेशा मेरा और टीम का सिर ऊंचा रखा। मुझे पूरी उम्मीद है की हम अगले सीजन में ऐसी वापसी करेंगे कि सब देखते रह जायेंगे।

नियमों के अनुसार यदि बारिश के चलते मैच रद्द होते हैं तो अंक तालिका में जो टीम ऊपरी पायदान स्थान पर होगी, वह अपने आप टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए लुंगी की द. अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहानसबर्ग, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

जेसन स्मिथ, नकाबा पीटर और एमडिले सिमलेन को संयुक्त अरब अमीरात में अफगानिस्तान और आयरलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए पहली बार दक्षिण अफ्रीका की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका को 18 सितंबर से शारजाह मे अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। इसके बाद 27 सितंबर से अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ दो टी-20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

लेगस्पिनर पीटर और ऑलराउंडर जेसन ने इस साल की शुरुआत में क्रमशः मई और अगस्त 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20ई डेब्यू किया था। पीटर ने दो मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं, जबकि जेसन ने केवल एक मैच खेला है और छह रन बनाए हैं।

हालाँकि, सिमेलेन के लिए यह अंतरराष्ट्रीय टीम में उनका पहला कॉल-अप है। 21 वर्षीय ऑलराउंडर की पहचान एक उच्च क्षमता वाली प्रतिभा के रूप में की गई है और वह अगस्त में हाल ही में संपन्न जिम्बाब्वे के दक्षिण अफ्रीका इमर्जिंग टूर का हिस्सा थे। उन्होंने एक दिवसीय श्रृंखला में श्रीलंका ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ए का भी प्रतिनिधित्व किया था।

इस बीच, तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी दाहिनी पिंडली में लगी चोट से उबर गए हैं और उन्हें तीनों टीमों में शामिल किया गया है। वह अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में शामिल नहीं हुए थे।

मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि इन दौरों से युवा और सीमांत दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से कुछ अनुभव प्राप्त करने की अनुमति मिलेगी, और युवाओं का चयन घरेलू विश्व जैसे प्रमुख आगामी 2027 आईसीसी टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए खिलाड़ियों के पूल का विस्तार करना है। हमने कुछ सीमांत खिलाड़ियों के साथ-साथ उन लोगों को भी मौका देने का फैसला किया है जिन्होंने हाल के हफ्तों और महीनों में प्रभावित किया है। यह प्रबंधन की ओर से एक जानबूझकर उठाया गया कदम है, जो चुनने के लिए खिलाड़ियों का एक व्यापक पूल बनाने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। चूँकि हम 2027 में 50 ओवर के विश्व कप पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ, अगले 18 महीनों में होने वाले प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों की तैयारी कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका 14 सितंबर को यूएई के लिए उड़ान भरेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ द. अफ्रीका वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबा पीटर, एंडिले सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स।

आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम

एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिल सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स।

आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, ब्योर्न फोर्टुइन, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स

ट्रांजेक्शन से जुड़ी फीस से बीमा प्रीमियम तक जीएसटी काउंसिल की बैठक में हुए कई बड़े फैसले

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां) । गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 54वीं बैठक में सोमवार को कई अहम ऐलान किए गए हैं। जीएसटी काउंसिल ने 2000 से कम के ट्रांजेक्शन के मर्चेंट फीस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के मामले को फिटमेंट कमेटी को भेज दिया है। वर्तमान में पेमेंट एग्रीगेटर्स को 2,000 रुपये से कम की राशि के लेनदेन पर जीएसटी का भुगतान करने से छूट है। मीटिंग के बीच उत्तराखंड वित्त मंत्री ने बताया कि तीर्थ यात्रा पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस बीच खबर है कि काउंसिल की बैठक में बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाए जाने के फैसले को टाल दिया गया है। अगली बैठक में इस मामले पर विचार किया जाएगा। खबर है कि जीएसटी काउंसिल ने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पर जीएसटी दर की विस्तार से जांच करने के लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक अभी चल रही है। बता दें कि जीएसटी परिषद की अध्यक्ष वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हैं और इसमें राज्यों के मंत्री शामिल हैं।

उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा, केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसी धार्मिक यात्राओं पर श्रद्धालुओं को ले जाने वाली हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी। अब स्पष्टता होगी। अग्रवाल ने कहा कि काउंसिल ने डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिये 2,000 रुपये तक के छोटे डिजिटल लेनदेन के लिए बिलडेस्क और सीसीएवेन्यू जैसे भुगतान एग्रीगेटरों (पीए) पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के मुद्दे को कर अनुशंसा समिति के पास भेज दिया है। इस समय भुगतान एग्रीगेटरों को 2,000 रुपये से कम की राशि के लेनदेन पर जीएसटी का भुगतान करने से छूट है। काउंसिल जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के टैक्स पर फिटमेंट समिति की रिपोर्ट पर भी चर्चा कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

पीएफसी, कॉनकॉर और राइट्स ने लाभांश की किश्त के 712 रुपए सरकार को दिए

Power Finance Corporation Ltd.
(A Government of India Undertaking)
An ISO 9001:2015 & ISO 45001:2018 Certified Company
कॉनकॉर CONCOR
RITES THE INFRASTRUCTURE PEOPLE

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी), कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) और राइट्स लिमिटेड ने लाभांश किश्त के रूप में करीब 172 करोड़ रुपये दिए हैं। इन कंपनियों में पीएफसी ने करीब 601 करोड़ रुपये, कॉनकॉर ने 68 करोड़ रुपये और राइट्स लिमिटेड ने 43 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने सोमवार को एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी), कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) तथा राइट्स लिमिटेड से लाभांश किश्त के रूप में क्रमशः लगभग 601 करोड़ रुपये, 68 करोड़ रुपये और 43 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में करीब 172 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं ।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत पूर्ववत है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में जरूर उतार-चढ़ाव जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.88 डॉलर यानी 1.24 फीसदी की उछाल के साथ 71.94 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.86 डॉलर यानी 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ 68.53 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

गूगल पर एक और मुकदमा, विज्ञापनों के एकाधिकार का मामला

मुंबई । विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। गूगल के सर्च इंजन को एक न्यायाधीश द्वारा अवैध एकाधिकार वाला बताए जाने के करीब एक महीने बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को उसकी विज्ञापन तकनीक को लेकर एक और मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। न्याय विभाग और राज्यों का तर्क है कि गूगल ने ऑनलाइन प्रकाशकों को विज्ञापनदाताओं से मिलाने वाली तकनीक पर एकाधिकार बनाया है और उसे कायम रखा है।सरकार ने अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया है कि लेन-देन के खरीद और बिक्री दोनों पक्षों को लेकर सॉफ्टवेयर पर प्रभुत्व रखने से गूगल को प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के बीच बिक्री के लिए दलाली करने पर एक डॉलर पर 36 सेंट तक अर्जित करने में मदद मिलती है। गूगल का कहना है कि सरकार का मामला पुराने जमाने के इंटरनेट पर आधारित है, जब डेस्कटॉप कंप्यूटर का बोलबाला था और इंटरनेट उपयोगकर्ता यूआरएल फील्ड में बड़ी सावधानी से सही-सही वर्ल्ड वाइड वेब पता टाइप करते थे। विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में, कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू से संचालित दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी के विभाग गूगल नेटवर्क की आय में गिरावट देखी गई है, जो 2021 में 31.7 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023 में 31.3 अरब अमेरिकी डॉलर रह गई है। गूगल नेटवर्क के तहत 'एडसेंस' और गूगल ऐड मैनेजर जैसी सेवाएं शामिल हैं, जो इस मामले के केंद्र में हैं।

शेयर बाजार ने फिर पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

निवेशकों को एक दिन में 36 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां) । पिछले सप्ताह के आखिरी तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह के पहले दिन सोमवार को ही अपनी मजबूती दिखाई। हालांकि कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से शेयर बाजार ने मजबूती की राह पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सोमवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। ऑयल एंड गैस, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, मीडिया, टेलीकॉम, पावर और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

सोमवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 36 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.54 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.18 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार के कारोबार से करीब 36 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,181 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,667 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,371 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,481 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 888 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,593 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 210.18 अंक की कमजोरी के साथ 80,973.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 288.88 टूट कर 80,895.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने बाजार में लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से सोमवार को कारोबार खत्म होने का थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 750 अंक उछल कर 469.43 अंक की मजबूती के साथ 81,653.36 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 375.61 अंक की तेजी के साथ 81,559.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 28.75 अंक लुढ़क कर 24,823.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 99 अंक टूट कर 24,753.15 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने बाजार में मोर्चा संभाला और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निचले स्तर से 200 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 105.35 अंक की तेजी के साथ 24,957.50 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 84.25 अंक की बढ़त के साथ 24,936.40 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.92 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.47 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.22 प्रतिशत, आईटीसी 2 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। ओएनजीसी 3.21 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.71 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.28 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.25 प्रतिशत और बीपीसीएल 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश, लगातार चौथे महीने हुआ इजाफा

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां) । अगस्त के महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। इस दौरान गोल्ड ईटीएफ में 29 टन का अतिरिक्त निवेश हुआ है। इस अतिरिक्त निवेश की वजह से अगस्त के महीने में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग बढ़ कर 3,182 टन हो गई है। ये लगातार चौथा महीना है, जब निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ में अपना निवेश बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थ अमेरिका और यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश सबसे अधिक बढ़ा है। इसमें निवेश बढ़ने की वजह से इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। सोना लगातार तीसरे हफ्ते 2,500 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के सर्राफा बाजारों में भी सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

सोने की तरह ही चांदी में भी लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले सप्ताह चांदी 29 डॉलर के स्तर को पार कर गया। चांदी के भाव में आई तेजी के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने के भाव में तेजी बनी हुई है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर चांदी का भाव करीब 4 प्रतिशत तक चढ़ गया।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट भी है। गिरते डॉलर के कारण भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और यूक्रेन-रूस जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आई है।

इसी तरह सोलर इंडस्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री के कारोबार में तेजी आने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग में भी बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से गोल्ड ईटीएफ के प्रति दुनिया भर के निवेशकों का रुझान बढ़ा है। मयंक मोहन के मुताबिक अगले सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर फैसला करने वाला है। ब्याज दरों के संबंध में फैसला आने के बाद इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट की चाल में भी बदलाव आ सकता है, जिसका असर गोल्ड ईटीएफ में होने वाले निवेश पर भी पड़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज शाम पांच...

कि अगर वे 10 सितंबर की शाम 5 बजे या उससे पहले ड्यूटी पर रिपोर्ट करते हैं, तो उनके खिलाफ कोई अन-शासनात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शीर्ष अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ को बताया कि पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी हिंसा कर रहे हैं। राज्य सरकार से पूर्व अनुमति लिए बिना ही विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। पीठ के समक्ष उन्होंने यह भी दावा किया कि विरोध प्रदर्शनों के कारण करीब 23 लोगों की मौत हो गई और छह लाख लोगों को उपचार नहीं मिल पाया है। उन्होंने दलील देते हुए कहा, 23 लोगों की मौत इसलिए हुई, क्योंकि वे (डॉक्टर) काम पर नहीं थे। स्वास्थ्य सेवा प्रणाली ध्वस्त हो सकती है। छह लाख लोगों को उपचार नहीं मिल पा रहा है। रेजिडेंट डॉक्टर ओपीडी में नहीं आ रहे और 1,500 से अधिक रोगियों की एंजियोग्राफी नहीं हो पा रही है।

प्रभावी लॉजिस्टिक ...

महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, दक्ष लॉजिस्टिक्स प्रणाली बलों को तेजी से जुटाने और कम समय में सही जगह पर संसाधन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिन परिस्थितियों में हमारी सेनाएं काम करती हैं उन्हें ध्यान में रखते हुए, हमें सैनिकों, उपकरणों और आपूर्ति के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता है। ज्ञान, नवाचार और सहयोग के माध्यम से हमारी सेनाओं की जरूरतों को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस संदर्भ में ज्ञापन बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा।

श्री सिंह ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के सरकार के विजन में लाभदायक साबित होगा। उन्होंने कहा, अगर हमें लॉजिस्टिक्स में विशेषज्ञता की जरूरत है, तो हमें गति शक्ति विश्वविद्यालय जैसे अपने स्वयं के संसाधनों से इसका प्रशिक्षण हासिल करना चाहिए। अगर हमें उपकरणों की जरूरत है, तो हमें भारत में ही इसका निर्माण करवाना चाहिए। एक मजबूत भारत की नींव आत्मनिर्भर बनकर ही रखी जा सकती है।

रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि समझौता ज्ञापन के वास्तविक मामलों के अध्ययन द्वारा अनुभवात्मक शिक्षा के प्रावधान से तथा सशस्त्र बलों के कर्मियों के नेतृत्व, प्रबंधन तथा परिचालन अनुभव के माध्यम से गति शक्ति विश्वविद्यालय लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञों और प्रबंधकों की नई पीढ़ी को आकार देने में मदद करेगा, जो आधुनिक युद्ध की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि गति शक्ति विश्वविद्यालय अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के द्वारा सशस्त्र बलों को और मजबूत बनाने में एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में काम करेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, वायु सेना प्रमुख, सेना प्रमुख, रक्षा सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति सहित रक्षा मंत्रालय और रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

रक्षा मंत्रालय ने...

और इनसे सुखोई-30 विमानों के बेड़े की संचालन क्षमता को बनाए रखने के लिए वायु सेना की आवश्यकता पूरा होने की उम्मीद है। अनुबंध के अनुसार एचएएल प्रति वर्ष 30 एयरो-इंजन की आपूर्ति करेगा और सभी 240 इंजनों की आपूर्ति अगले आठ वर्षों की अवधि में पूरी कर ली जाएगी।

ईडी के समन ...

पीठ ने 13 अगस्त को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अभिषेक बनर्जी का पक्ष रखते हुए कहा था कि चूंकि धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 में इस संबंध में कोई विशेष प्रक्रिया नहीं दी गई है, इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के प्रावधानों को समन के संबंध में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल कोलकाता (जहां कथित तौर पर अपराध हुआ है) में पेश होने के लिए कहा जा सकता है न कि नई दिल्ली में। ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने तर्क दिया कि पीएमएलए की धारा 50 सीआरपीसी की धारा 160 के समतुल्य नहीं है और इस मामले में पीएमएलए के प्रावधान लागू होंगे।

सब कुछ मेड इन ...

प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं।

अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा आरएसएस को लगता है भारत एक विचार पर बना है। हमें लगता है कि भारत कई विचारों से मिलकर बना है। चुनाव में लाखों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे हैं। इसलिए चुनाव के वक्त जब मैंने संविधान हाथ में उठाया तो लोग समझ गए कि भाजपा हमारी परंपरा, भाषा, राज्यों और हमारे इतिहास पर हमला कर रही है।

उन्होंने कहा मैंने संसद में अपने पहले भाषण में अभय मुद्रा का जिक्र किया। भाजपा को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। वे इसे समझ नहीं पाए, लेकिन हम इसे समझाकर रहेंगी। चुनाव के बाद लोगों में भाजपा का डर खत्म हो गया। राहुल ने कहा भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है। हर एक मुद्दे को नहीं उठाना चाहिए। जिस मुद्दे को हम नहीं उठाना चाहते हैं, उसे भी अच्छी तरह से समझना चाहिए। उन्होंने कहा भारत में कम्युनिकेशन के चैनल बंद हो गए थे। लोकसभा में बोलते थे तो वह टेलीविजन पर नहीं चलता था। मीडिया वह नहीं चलाता था, जो हम कहते थे। सब कुछ बंद था। लंबे समय तक हमें समझ नहीं आ रहा था कि जनता से कैसे बात करें। फिर हमने सोचा कि मीडिया हमें लोगों तक नहीं ले जा रहा था तो डायरेक्ट चले जाओ। इसलिए हमने यह यात्रा की। शुरुआत में मुझे घुटनों में दिक्कत हुई। मैंने सोचा यात्रा करने का मैंने यह कैसा फैसला ले लिया, लेकिन कुछ दिनों बाद यह आसान लगने लगा।

उन्होंने कहा नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वाला स्लोगन भी मेरा नहीं। यात्रा के दौरान एक शख्स मेरे पास आया। उसने मुझसे बोला- मैं जानता हूं आप क्या कर रहे हो। मैंने पूछा क्या कर रहा हूं? तो वह बोला- आप नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहे हो। एक महिला मेरे पास आईं। उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा। मैंने पूछा क्या हुआ? उन्होंने कहा कि मुझे मेरा पति मार रहा था। मैं भागकर आई हूं। पुलिस को बताएंगे तो वह और मारेगा। मैंने यात्रा में समझा कि हिंदुस्तान में कई महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यात्रा में मुझे लोगों के सेंटिमेंट के बारे में पता चला। मुझे यात्रा में पता चला कि हमारा देश क्या चाहता है और हमारा देश क्या और कैसे महसूस करता है। राहुल ने कहा कि भारत में देवता का मतलब सिर्फ भगवान नहीं होता है। देवता वह शख्स होता है जो अंदर जैसा महसूस करता है, वैसा ही बाहर उसके एक्सप्रेशन दिखते हैं। इसे देवता कहा जाता है। ऐसा ही हमारी पॉलिटिक्स में होता है। खुद के मंसूबों को खत्म कर लोगों के बारे में सोचना चाहिए। जैसा जनता महसूस करती है, वैसे ही नेता एक्सप्रेशन देता है। खुद के आइडिया खत्म कर लोगों के बारे में सोचना ही देवता होना होता है। भगवान राम, बुद्ध, महात्मा गांधी जैसे लीडर्स ऐसे ही थे। यही हिंदुस्तान के नेता और अमेरिका के नेताओं में भी फर्क है।राहुल ने कहा पूरी दुनिया में रोजगार की दिक्कत नहीं है। वेस्ट में रोजगार की दिक्कत है। भारत में भी है, लेकिन चीन में नहीं है। वियतनाम में नहीं है। इसका कारण है। 1950 में अमेरिका प्रोडक्शन का सेंटर माना जाता था। टीवी, कार जैसी चीजें सिर्फ यहीं बनती थीं। इसके बाद प्रोडक्शन चीन में होने लगा।

भारत में रोजगार की समस्या है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमने प्रोडक्शन पर ध्यान नहीं दिया। भारत में सब कुछ मेड इन चाइना है। चीन ने प्रोडक्शन पर ध्यान दिया है। इसलिए चीन में रोजगार की दिक्कतें नहीं हैं। सिर्फ एक-दो लोगों को सारे पोर्ट्स और सारे डिफेंस कॉन्ट्रैक्ट दिए जाते हैं। इसी कारण भारत में मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति ठीक नहीं है।

चीन के पैसों पर...

उनसे आरएसएस की भूमिका के बारे में पूछने की कोई तकनीक है, तो जाकर पूछें या इतिहास के पन्नों में देखें। आरएसएस के बारे में जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने होंगे। एक देशद्रोही आरएसएस को नहीं जान सकता। जो लोग विदेश में जाकर देश की आलोचना करते हैं, वे आरएसएस को नहीं जान सकते। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी केवल भारत को बदनाम करने के लिए विदेश जाते हैं। राहुल गांधी इस जन्म में आरएसएस को नहीं समझ पाएंगे।

इधर बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने भी राहुल गांधी भारत में रोजगार की समस्या वाले बयान को लेकर उनपर निशाना साधा है। प्रदीप भंडारी ने कहा, राहुल गांधी चीन के पक्ष में बोलने के लिए इतने उत्सुक हैं और उन्हें भारत का अपमान करने की आदत है। दुनिया जानती है कि अगस्त 2024 तक चीन में 17% युवा बेरोजगारी दर है। तो, सवाल यह है कि - क्या यह सच है? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपने एमओयू के कारण वह हमेशा चीन के पक्ष में बोलते हैं और भारत के पक्ष में नहीं बोलते?

जम्मू-कश्मीर के...

हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। बरामदगी में दो एके-47 राइफल, विजन डिवाइस के साथ एक एम4 कार्बाइन, एक पिस्तौल, आठ ग्रेनेड, विभिन्न गोला-बारूद, व्यक्तिगत कपड़े और खाद्य पदार्थ शामिल हैं।

इससे पहले, रात भर चले अभियान में, नौशेरा सेक्टर के लाम इलाके में घुसपैठ विरोधी अभियान के दौरान दो आतंकवादी मारे गए थे। रक्षा सूत्रों ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकवादी विदेशी थे और उनकी पहचान और संबद्धता के बारे में आगे की जांच की जा रही है। यह अभियान जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से ठीक नौ दिन पहले चलाया गया। लाम इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी स्थित नौशेरा सेक्टर में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। दोनों आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस और सेना को इनके बारे में इनपुट मिला था। इसके बाद से एलओसी पर अलर्ट जारी किया था।

जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव का ऐलान हो चुका है। यहां 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान किया जाएगा। इसके नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पिछले लोकसभा चुनावों में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया था, जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पिछले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सुरक्षा एजेंसियां भी उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे रही हैं।

इस कथा के बिना अधूरा है संतान सप्तमी का व्रत

संतान सप्तमी का व्रत बहुत ही उत्तम फल देने वाला माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से संतान से जुड़ी सभी मुश्किलें दूर होती हैं। साथ ही साधक की सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं। पंचांग के अनुसार, इस साल संतान सप्तमी का व्रत 10 सितंबर, 2024 को रखा जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि संतान सप्तमी का व्रत इसकी कथा के बिना अधूरा है, इसलिए इस शुभ अवसर पर इसकी कथा का पाठ अवश्य करें, जो इस प्रकार है।

एक समय की बात है महाराज युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से कहा की प्रभु कोई ऐसा व्रत बताइए, जिसके प्रभाव से संतान से जुड़ी सभी समस्याओं का निवारण हो जाए। यह सुनकर मुरलीधर ने कहा मैं तुमको एक पौराणिक कथा को सुनाता हूं, तुम ध्यान पूर्वक सुनो! एक समय की बात है लोमय ऋषि ब्रजरात की मथुरापुरी में वसुदेव देवकी के घर गए, जहां ऋषिराज का खूब सत्कार किया गया, जिससे वह प्रसन्न होकर उनको कथा सुनाने लगे। कथा के कहते लौमष ने कहा कि हे देवकी! दुष्ट दुराचारी पापी कंस ने तुम्हारे कई पुत्र मार डाले हैं, जिसके कारण तुम्हारा मन अत्यन्त दुःखी है।

इसी प्रकार राजा नहुष की पत्नी चन्द्रमुखी भी दुःखी रहा करती थी, किन्तु उसने संतान सप्तमी का व्रत विधिपूर्वक और भाव के साथ किया, जिसके प्रभाव से उनको सन्तान का सुख प्राप्त हुआ।

यह सुनकर देवकी ने हाथ जोड़कर मुनि से कहा – 'हे ऋषिराज ! कृपा करके रानी चन्द्रमुखी का सम्पूर्ण वृत्तांत तथा इस व्रत को विस्तार सहित मुझे बतलाइए, जिससे मैं भी इस दुःख से छुटकारा पाऊं। तब लोमय ऋषि ने कहा – 'हे देवकी! अयोध्या के राजा नहुष थे उनकी पत्नी चन्द्रमुखी अत्यन्त सुन्दर थी। उनके नगर में विष्णु गुप्त नाम का एक ब्राह्मण रहता था। उसकी स्त्री का नाम भद्रमुखी था। वह भी अत्यन्त रूपवती सुन्दरी थी।रानी और ब्राह्मणी में अत्यन्त प्रेम था। एक दिन वे दोनों सरयू नदी में स्नान करने के लिए गई।

वहां उन्होंने देखा कि अन्यत बहुत सी स्त्रियाँ सरयू नदी में स्नान करके निर्मल वस्त्र पहन कर एक मण्डप में शंकर एवं पार्वती की मूर्ति स्थापित करके पूजा कर रही थी।रानी और ब्राह्मणी ने यह देख कर उन स्त्रियों से पूछा कि बहनो!

तुम यह किस देवता का और किस कारण से पूजन व्रत आदि कर रही हो। यह सुन स्त्रियों ने कहा कि हम सन्तान सप्तमी का व्रत कर रही हैं और हमने शिव-पार्वती का पूजन चन्दन अक्षत आदि से षोडशोचर विधि से किया है। यह सब इसी पुनीत व्रत का विधान है। यह सुनकर रानी और ब्राह्मणी ने भी इस व्रत के करने का मन ही मन संकल्प किया और घर वापिस लौट आई। ब्राह्मणी भद्र तो इस व्रत को नियमपूर्वक करती रही किन्तु रानी चन्द्रमुखी राजमद के कारण कभी इस व्रत को करती, कभी न करती।

कभी भूल हो जाती। कुछ समय बाद दोनों मर गई। दूसरे जन्म में रानी बन्दरिया और ब्राह्मणी ने मुर्गी की योनि पाई। ब्राह्मणी मुर्गी की योनि में भी कुछ नहीं भूली और भगवान शंकर तथा पार्वती जी का ध्यान करती रही, उधर रानी बन्दरियाँ की योनि में भी सब कुछ भूल गई।

थोड़े समय के बाद दोनों ने यह देह त्याग दी। अब इनका तीसरा जन्म मनुष्य योनि में हुआ। उस ब्राह्मणी ने एक ब्राह्मणी के यहां कन्या के रूप में जन्म लिया उस ब्राह्मण कन्या का नाम भूषणदेवी रखा गया तथा विवाह गोकुल निवासी अग्निशील ब्राह्मण से कर दिया, भूषणदेवी इतनी सुन्दर थी कि वह आभूषण रहित होते हुए भी अत्यन्त सुन्दर लगती थी। कामदेव की पत्नी रति भी उसके सम्मुख लजाती थी। भूषण देवी के अत्यन्त सुन्दर सर्व गुण सम्पन्न चन्द्रमा के समान धर्मवीर, कर्मनिष्ठ, सुशील स्वभाव वाले आठ पुत्र उत्पन्न हुए।

यह सब भोलेनाथ के व्रत का फल था। दूसरी ओर शिव विमुख रानी के गर्भ से कोई भी पुत्र नहीं हुआ, वह निःसंतान दुःखी रहने लगी।

रानी और ब्राह्मणी में जो प्रीति पहले जन्म में थी। वह अब भी बनी रही। रानी जब वृद्ध अवस्था को प्राप्त होने लगी तब उसके गूंगा बहरा तथा बुद्धिहीन अल्प आयु वाला पुत्र हुआ वह नौ वर्ष की आयु में इस क्षण भंगुर संसार को छोड़ कर चला गया। अब तो रानी पुत्र शोक में अत्यन्त दुःखी हो व्याकुल रहने लगी। दैवयोग से भूषण देवी ब्राह्मणी, रानी के यहाँ अपने पुत्रों को लेकर पहुंची। रानी का हाल सुनकर उसे भी बहुत दुःख हुआ किन्तु इसमें किसी का क्या वश कर्म और प्रारब्ध के लिखे को स्वयं ब्रह्मा भी मिटा नहीं सकते। रानी कर्म च्युत भी थी इसी कारण उसे दुःख भोगना पड़ा।

इधर रानी पण्डितानी के इस वैभव और आठ पुत्रों को देख कर उससे मन में ईर्ष्या करने लगी तथा उसके मन में पाप उत्पन्न हुआ। उस ब्राह्मणी ने रानी का संताप दूर करके निमित्त अपने आठों पुत्र रानी के पास छोड़ दिए।

रानी ने पाप के वशीभूत होकर उन ब्राह्मणी पुत्रों की हत्या करने के विचार से लड्डू में विष मिलाकर उनको खिला दिया, लेकिन शिव जी की कृपा से एक भी बालक की मृत्यु न हुई। यह देखकर तो रानी अत्यन्त ही आश्चर्य चकित हो गई और इस रहस्य का पता लगाने की मन में ठान ली। भगवान की पूजा से निवृत्त होकर जब भूषण देवी आई तो रानी ने उस से कहा कि मैंने तेरे पुत्रों को मारने के लिए इनको जहर मिलाकर लड्डू खिला दिया किन्तु इनमें से एक भी नहीं मरा तूने कौन सा दान पुण्य व्रत किया है।

जिसके कारण तेरे यह पुत्र नहीं मरे और तू नित नए सुख भोग रही है। तेरा बड़ा सौभाग्य है। इनका भेद तू मुझसे निष्कपट होकर समझा में तेरी बड़ी ऋणी रहूंगी। रानी के ऐसे दीन वचन सुनकर भूषण ब्राह्मणी कहने लगी सुनो तुमको तीन जन्म का हाल कहती हूं।

सो ध्यानपूर्वक सुनना, पहले जन्म में तुम राजा नहुष की पत्नी थी और तुम्हारा नाम चन्द्रमुखी था मेरा भद्रमुखी था और ब्राह्मणी थी, हम तुम अयोध्या में रहते थे और मेरी तुम्हारी बड़ी प्रीति थी। एक दिन हम तुम दोनों सरयू नदी में स्नान करने गई और दूसरी स्त्रियों को सन्तान सप्तमी का उपवास शिवजी का पूजन अर्चन करते देख कर हमने इस उत्तम व्रत को करने की प्रतिज्ञा की थी। किन्तु तुम सब भूल गई और झूठ बोलने का दोष तुमको लगा जिसे तू आज भी भोग रही है। मैंने इस व्रत को आचार विचार सहित नियम पूर्वक सदैव किया और आज भी करती हूँ।दूसरे जन्म में तुमने बन्दरिया का जन्म लिया तथा मुझे मुर्गी की योनि मिली भगवान शंकर की कृपा से इस व्रत के प्रभाव तथा भगवान को इस जन्म में भी न भूली और निरन्तर उस व्रत को नियमानुसार करती रही। तुम अपने बन्दरिया के जन्म में भी भूल गई।

मैं तो समझती हूँ कि तुम्हारे ऊपर यह तो भारी सकट है उसका एक मात्र यही कारण है और दूसरा कोई इसका कारण नहीं हो सकता है। इसलिए मैं तो कहती हूँ कि आप अब भी सन्तान सप्तमी के व्रत को विधि सहित करिये जिससे तुम्हारा यह संकट दूर हो जाए। लौमष ऋषि ने कहा- देवकी भूषण ब्राह्मणी के मुख से अपने पूर्व जन्म की कथा तथा संकल्प इत्यादि सुनकर रानी को पुरानी बातें याद आ गई और पश्चाताप करने लगी तथा भूषण ब्राह्मणी के चरणों में पड़कर क्षमा याचना करने लगी और भगवान शंकर पार्वती जी की अपार महिमा के गीत गाने लगी

उस दिन से रानी ने नियमानुसार सन्तान सप्तमी का व्रत किया जिसके प्रभाव से रानी को सन्तान सुख भी मिला तथा सम्पूर्ण सुख भोग कर रानी शिवलोक को गई।भगवान शंकर के व्रत का ऐसा प्रभाव है कि पथ भ्रष्ट मनुष्य भी अपने पथ पर अग्रसर हो जाता है और अनन्त ऐश्वर्य भोगकर मोक्ष पाता है। लोमष ऋषि ने फिर कहा कि देवकी इसलिए मैं तुमसे भी कहता हूँ कि तुम भी इस व्रत को करने का संकल्प अपने मन में करो तो तुमको भी सन्तान सुख मिलेगा।

इतनी कथा सुनकर देवकी हाथ जोड़ कर लोमप ऋषि से पूछने लगी हे ऋषिराज! मैं इस पुनीत उपवास को अवश्य करूंगी, किन्तु आप इस कल्याणकारी एवं सन्तान सुख देने वाले उपवास का विधान, नियम विधि आदि विस्तार से समझाइए।

यह सुनकर ऋषि बोले- हे देवकी! यह पुनीत उपवास भादों के महीने में शुक्लपक्ष की दशमी के दिन किया जाता है। उस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर किसी नदी अथवा कुऐ के पवित्र जल में स्नान करके निर्मल वस्त्र पहिनने चाहिए। श्री शंकर भगवान तथा जगदम्बा पार्वतीजी की मूर्ति की स्थापना करें। इन प्रतिमाओं के सम्मुख सोने, चांदी के तारों का अथवा रेशम का एक गंडा बनावें उस गंडे में सात गाठें लगानी चाहिए इस गंडे को धूप, दीप अष्ठ गन्ध से पूजा करके अपने में बांधे और भगवान शंकर से अपनी कामना सफल होने की प्रार्थना करें।

तदन्तर सात पुआ बनाकर भगवान का भोग लगावें और सात ही पुत्रे एवं यथा शक्ति सोने अथवा चांदी की अंगूठी बनवाकर इन सबको एक तांबे के पात्र में रख कर और उनका शोडषोचार विधि से पूजन करके किसी सदाचारी, धर्मनिष्ठ, सत्पात्रा ब्राह्मण को दान देवे। उसके पश्चात सात पुआ स्वयं प्रसाद के रूप में ग्रहण करें। इस प्रकार इस व्रत का पारायण करना चाहिए।प्रतिमाल की शुक्लपक्ष की सप्तमी के. दिन, हे देवकी! इस व्रत को इस प्रकार नियम पूर्वक से समस्त पाप नष्ट होते हैं और भाग्यशाली संतान उत्पन्न होती है तथा अन्त में शिवलोक की प्राप्ति होती है। हे देवकी! मैंने तुमको सन्तान सप्तमी का व्रत सम्पूर्ण विधान विस्तार सहित वर्णन किया है।

उसको अब तुम विधिपूर्वक करो जिससे तुमको उत्तम संतान प्राप्त होगी। इतनी कथा कहकर भगवान आनन्दकन्द श्रीकृष्ण ने धर्मावतार युधिष्ठिर से कहा कि 'श्री लोमष ऋषि इस प्रकार हमारी माता को शिक्षा देकर चले गए। ऋषि की कथा अनुसार हमारी माता देवकी ने इस व्रत को नियमानुसार किया, जिसके प्रभाव से हम उत्पन्न हुए। यह व्रत विशेष रूप से स्थियों के लिए कल्याणकारी है, परन्तु पुरुषों को भी समान रूप से कल्याण दायक है। संतान सुख देने वाला पापों का नाश करने वाला यह उत्तम व्रत है, जिसे स्वयं भी करे और दूसरों से भी करावें।नियम पूर्वक जो कोई इस व्रत का पालन करता है और सच्चे भाव से पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें संतान रत्न की प्राप्ति होती है, इसके इसके साथ ही संतान से जुड़ी सभी मुश्किलें दूर होती हैं।

कन्या संक्रांति पर सुकर्मा योग समेत बन रहे हैं कई मंगलकारी संयोग

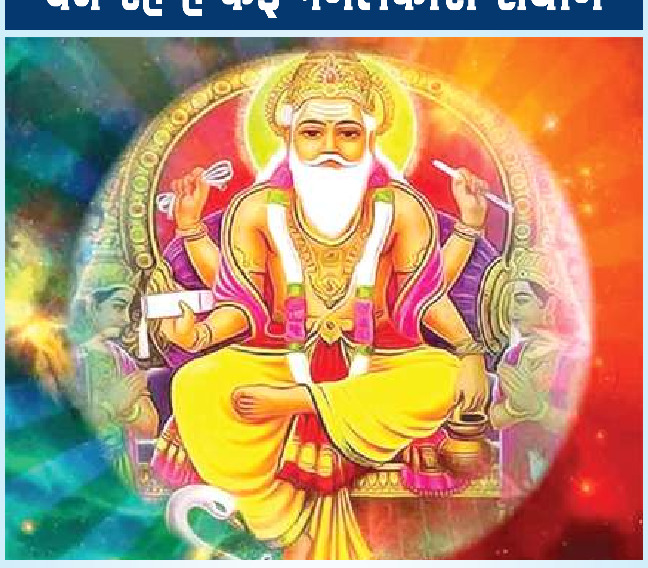

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, आत्मा के कारक सूर्य देव 16 सितंबर को सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर संक्रांति मनाई जाती है। अतः 16 सितंबर को कन्या संक्रांति मनाई जाएगी। संक्रांति तिथि पर स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप एवं दान-पुण्य किया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इसके बाद विधि पूर्वक सूर्य देव की पूजा करते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो कन्या संक्रांति पर सुकर्मा योग समेत कई मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इन योग में सूर्य देव की पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलेगी।

कन्या संक्रांति शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, कन्या संक्रांति तिथि पर पुण्य काल दोपहर 12 बजकर 16 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 25 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल शाम 04 बजकर 22 मिनट से 06 बजकर 25 मिनट तक है। साधक सुविधा के अनुसार पुण्य काल के दौरान स्नान-ध्यान कर दान-पुण्य कर सकते हैं।

सुकर्मा योग – कन्या संक्रांति पर सुकर्मा योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का समापन सुबह 11 बजकर 42 मिनट पर होगा। ज्योतिष सुकर्मा योग को शुभ मानते हैं। इस योग में सभी प्रकार के शुभ कार्य किए जाते हैं। इस योग में शुभ कार्य का श्रीगणेश करने से सफलता अवश्य मिलती है। सुकर्मा योग में विश्वकर्मा जी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

रवि योग–सूर्य देव के कन्या राशि में गोचर करने की तिथि पर रवि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस योग में सूर्य देव की पूजा करने से साधक को आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होता है।

रवि योग का निर्माण संध्याकाल 04 बजकर 33 मिनट पर हो रहा है। वहीं, रवि योग का समापन 17 सितंबर को सुबह 06 बजकर 07 मिनट पर होगा। इस योग में विश्वकर्मा जी की पूजा करने से साधक को करियर और कारोबार में नया आयाम मिलेगा।

शिववास योग–कन्या संक्रांति यानी विश्वकर्मा पूजा के दिन शिववास योग का भी संयोग बन रहा है। इस दिन शिववास योग दोपहर 03 बजकर 10 मिनट तक है। इस दौरान भगवान शिव नंदी पर विराजमान रहेंगे। शिववास योग में भगवान शिव की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

मां लक्ष्मी को ऐसे करें प्रसन्न, धन से भर जाएंगे आपके भंडार और सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि

भाद्रपद माह में धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना जाता है, क्योंकि इस माह में महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से महालक्ष्मी व्रत की शुरुआत होती है। वहीं, इसका समापन आश्विन माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को होता है। इस दौरान मां लक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे में आप रोजाना पूजा के दौरान लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। इससे कभी भी धन की कमी नहीं होगी और मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

महालक्ष्मी व्रत 2024 डेट और शुभ मुहूर्त
पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 10 सितंबर को रात में 11 बजकर 11 मिनट से शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 11 सितंबर को रात में 11 बजकर 46 मिनट पर होगा। ऐसे में महालक्ष्मी व्रत का शुभारंभ 11 सितंबर से होगा। वहीं, आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 24 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन व्रत का समापन होगा।

।।लक्ष्मी चालीसा।।

।। दोहा।।

मातु लक्ष्मी करि कृपा, करो हृदय में वास।
मनोकामना सिद्ध करि, परुवहु मेरी आस।।
यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करुं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका।।

।। चौपाई ।।

सिन्धु सुता मैं सुमिरौ तोही।
ज्ञान बुद्धि विघा दो मोही ।।
तुम समान नहिं कोई उपकारी।
सब विधि पुरवहु आस हमारी।।
जय जय जगत जननि जगदम्बा।
सबकी तुम ही हो अवलम्बा।।
तुम ही हो सब घट घट वासी।
विनती यही हमारी खासी।।
जगजननी जय सिन्धु कुमारी।
दीनन की तुम हो हितकारी।।
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी।
कृपा करौ जग जननि भवानी।।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी।
सुधि लीजै अपराध बिसारी।।
कृपा दृष्टि चितववो मम ओरी।

जगजननी विनती सुन मोरी।।
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता।
संकट हरो हमारी माता।।
क्षीरसिन्धु जब विष्णु मथायो।
चौदह रत्न सिन्धु में पायो।।
चौदह रत्न में तुम सुखरासी।
सेवा कियो प्रभु बनि दासी।।
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा।
रुप बदल तहं सेवा कीन्हा।।
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा।
लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा।।
तब तुम प्रगट जनकपुर माहीं।
सेवा कियो हृदय पुलकाहीं।।
अपनाया तोहि अन्तर्यामी।
विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी।।
तुम सम प्रबल शक्ति नहीं आनी।
कहं लौ महिमा कहौं बखानी।।
मन क्रम वचन करै सेवकाई।
मन इच्छित वांछित फल पाई।।
तजि छल कपट और चतुराई।
पूजहिं विविध भांति मनलाई।।
और हाल मैं कहौं बुझाई।
जो यह पाठ करै मन लाई।।
ताको कोई कष्ट नोई।
मन इच्छित पावै फल सोई।।
त्राहि त्राहि जय दुःख निवारिणि।
त्रिविध ताप भव बंधन हारिणी।।
जो चालीसा पढ़ै पढ़ावै।
ध्यान लगाकर सुनै सुनावै।।
ताकौ कोई न रोग सतावै।
पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।।
पुत्रहीन अरु संपति हीना।
अन्ध बधिर कोढ़ी अति दीना।।
विप्र बोलाय कै पाठ करावै।
शंका दिल में कभी न लावै।।
पाठ करावै दिन चालीसा।
ता पर कृपा करैं गौरीसा।।
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै।
कमी नहीं काहू की आवै।।
बारह मास करै जो पूजा।
तेहि सम धन्य और नहिं दूजा।।
प्रतिदिन पाठ करै मन माही।
उन सम कोइ जग में कहुं नाहीं।।
बहुविधि क्या मैं करौं बड़ाई।
लेय परीक्षा ध्यान लगाई।।
करि विश्वास करै व्रत नेमा।
होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा।।
जय जय जय लक्ष्मी भवानी।
सब में व्यापित हो गुण खानी।।
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं।
तुम सम कोउ दयालु कहुं नाहिं।।
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै।
संकट काटि भक्ति मोहि दीजै।।
भूल चूक करि क्षमा हमारी।
दर्शन दजै दशा निहारी।।
बिन दर्शन व्याकुल अधिकारी।
तुमहि अछत दुःख सहते भारी।।
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में।
सब जानत हो अपने मन में।।
रुप चतुर्भुज करके धारण।
कष्ट मोर अब करहु निवारण।।
केहि प्रकार मैं करौं बड़ाई।
ज्ञान बुद्धि मोहि नहिं अधिकाई।।

।। दोहा।।

त्राहि त्राहि दुख हारिणी, हरो वेगि सब त्रास। जयति जयति जय लक्ष्मी, करो शत्रु को नाश।।

रामदास धरि ध्यान नित, विनय करत कर जोर।मातु लक्ष्मी दास पर, करहु दया की कोर।।

बहुत ही सरल है परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि, व्रत करने से पापों से मिलेगी मुक्ति

सनातन शास्त्रों में परिवर्तिनी एकादशी के महत्व का विशेष उल्लेख किया गया है। इस खास अवसर पर भगवान विष्णु और धन की देवी मां लक्ष्मी की उपासना की जाती है। साथ ही जीवन के पापों से छुटकारा पाने के लिए व्रत भी किया जाता है। मान्यता है कि परिवर्तिनी एकादशी के दिन विधिपूर्वक श्रीहरि की पूजा करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। चलिए इस लेख में जानते हैं कि परिवर्तिनी एकादशी पर किस तरह प्रभु की उपासना करना जातक के लिए फलदायी साबित होगा।

परिवर्तिनी एकादशी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तिथि शनिवार 13 सितंबर को रात 10 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन रविवार 14 सितंबर को रात 08 बजकर 41 मिनट पर होगा। ऐसे में 14 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

ऐसे करें भगवान विष्णु की पूजा

परिवर्तिनी एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठें और दिन की शुरुआत विष्णु जी के ध्यान से करें।
इसके बाद स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें।
मंदिर की सफाई करें।
सच्चे मन से व्रत का संकल्प लें।
इसके बाद चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें।
अब फूलमाला अर्पित करें।
घी का दीपक जलाएं और विधिपूर्वक आरती करें। प्रभु के मंत्रो का जप भी करना चाहिए।
विष्णु चालीसा और व्रत कथा का पाठ करें।
प्रभु को पंचामृत और फल समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।
व्रत का पारण द्वादशी तिथि में करें।

इन मंत्रों का करें जप

ॐ श्री त्रिपुराय विद्महे तुलसी पत्राय धीमहि तन्नो: तुलसी प्रचोदयात।

ॐ तुलसीदेव्यै च विद्महे, विष्णुप्रियायै च धीमहि, तन्नो वृन्दा प्रचोदयात् ।।

3. तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया ।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया ।।

आलिया भट्ट की जिगरा का टीजर ट्रेलर रिलीज

भाई के लिए जंग लड़ती दिखी एक्ट्रेस

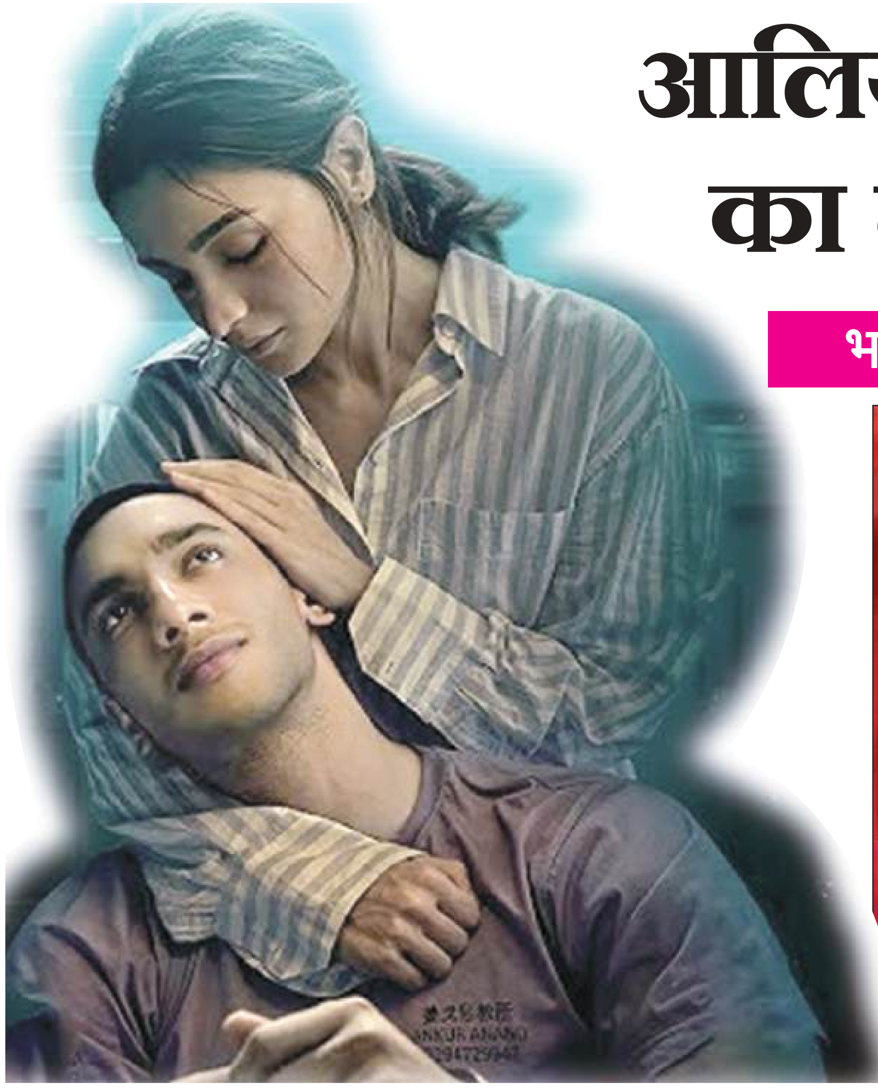

निर्देशक वासन बाला की नई क्राइम थ्रिलर जिगरा का टीजर जारी कर दिया गया है। इसमें एंग्री यंग वुमन बनी आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। जिगरा का पहला टीजर रिलीज किया गया और इसने नेटिजन्स को खूब प्रभावित किया है। टीजर की शुरुआत एक भावुक सीन से होती है, जहां आलिया का बैकग्राउंड दिखाया जाता है कि किस तरह वो माता-पिता के बिना बड़ी हुईं। वो अपने संघर्षों के बारे में बताती हैं। आलिया यह जानकर टूट जाती है कि उसका एकमात्र परिवार, उसका भाई वेदांग रैना जेल में बंद है। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है ये देखना को मिलता है कि आलिया उसे छुड़ाने के लिए क्या-क्या करती है।

टीजर में मशहूर गाना फूलों का तारों का भी इस्तेमाल किया गया है और इसमें आलिया को वेदांग रैना को छुड़ाने के लिए हरसंभव कोशिश करते हुए दिखाया गया है। टीजर में कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्केंस और हाथापाई के दृश्य हैं, जिसमें आलिया काफी सॉलिड लग रही हैं। एक सीन में आलिया अमिताभ बच्चन का जिक्र करते हुए कहती हैं कि वह अगली एंग्री यंग वुमन हैं।

टीजर के सामने आते ही कई नेटिजन्स इसकी तारीफें करने लगे हैं। कुछ प्रशंसकों ने वसन बाला और आलिया भट्ट को एक किलर जोड़ी कहा है। एक प्रशंसक ने लिखा, आलिया भट्ट का क्या खतरनाक रूप है। दूसरे प्रशंसक ने लिखा, आलिया सिर्फ अभिनय नहीं कर रही हैं, वह बस उस किरदार में जी रही हैं। रोंगटे खड़े हो गए। नेटिज़न्स में से एक ने लिखा, इसमें कोई शक नहीं है कि आलिया एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं।

वहीं कई फैंस ने अपना उत्साह जाहिर किया और कहा कि वो फिल्म रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। कई लोग ऐसे थे जिन्होंने ये भी कहा कि वो आलिया के फैन नहीं है लेकिन फिर भी उनकी धांसू एक्टिंग से प्रभावित हैं। बता दें, जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आलिया भट्ट के साथ द आर्चीज फेम वेदांग रैना लीड रोल में हैं। भाई-बहन की इस कहानी को आलिया भट्ट करण जोहर के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। आलिया के प्रोडक्शन हाउस में बनी ये पहली फिल्म होने वाली हैं।

इस फिल्म के रिलीज होने के साथ ही आलिया सफल एक्ट्रेस के साथ ही प्रोड्यूसर भी बन जाएंगी। आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभी अलिया के खाते में लव एंड वॉर है जिसमें वो विक्की कौशल और अपने पति रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी।

प्रज्ञा जैसवाल का हॉट लुक देख फैंस हुए फिदा

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही सुर्खियां बटौरता रहता है। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक बार फिर एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग अंदाज से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में उनका आउटफिट देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर शेयर होते ही लाइमलाइट बटौरने लगता है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी फॉलो करते हैं।ओपन हेयर को वेवी स्टाइल में लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल ने उनके लुक पर चार चांद लगा दिया है।प्रज्ञा जैसवाल की इन तस्वीरों पर लोगों ने कॉमेंट करते हुए सो प्रीटी, बेहद शानदार, यू लुक सो हॉट लिखा है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करती रहती हैं।

अवनीत कौर का ब्लू ब्रालेट में दिखा बोल्ड अंदाज

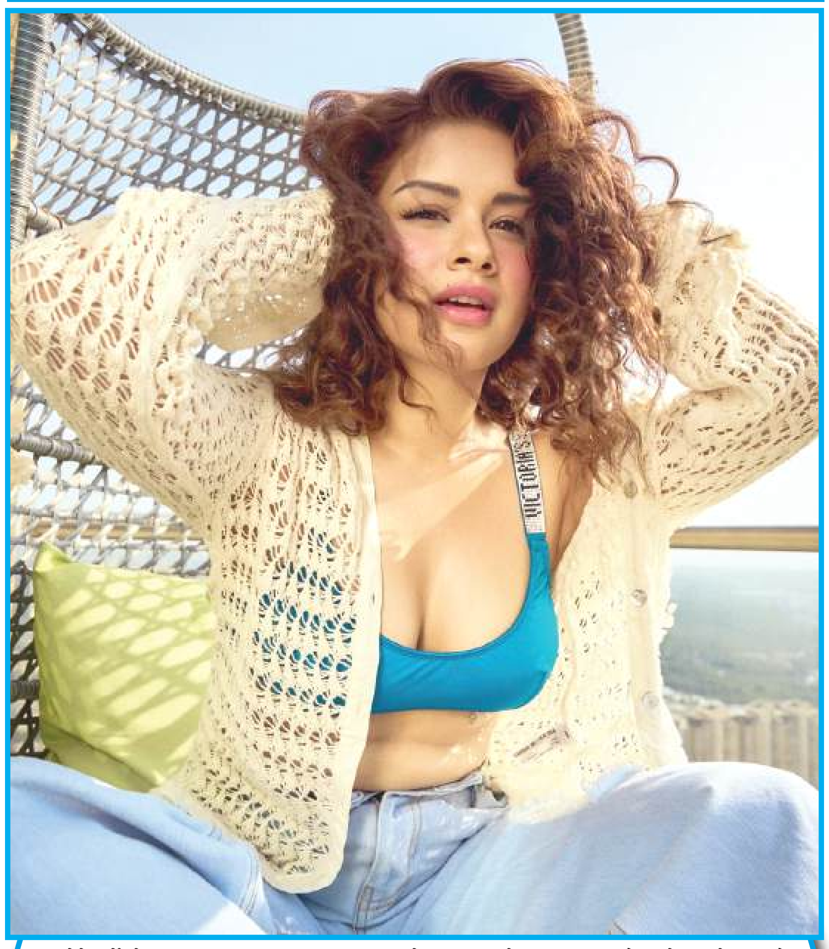

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका हॉट लुक इंटरनेट पर शेयर होते ही वायरल होने लगता है। टीवी की मशहूर अभिनेत्री अवनीत कौर अपनी खूबसूरती और अंदाज के लिए जानी जाती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ बेहद हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने उनके फैंस को दीवाना बना दिया है. इन तस्वीरों में अवनीत कौर ब्लू ब्रालेट में नजर आ रही हैं. उनके खुले बाल और लाइट मेकअप उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं. अवनीत ने इन तस्वीरों में बेहद कातिलाना पोज दिए हैं, जिन्होंने उनके फैंस का दिल जीत लिया है. अवनीत की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स कर रहे हैं. फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट शेयर करती हैं तो फैंस उन पर दिलखोलकर लाइक्स करते हैं।

दिल का दौरा पड़ने से अभिनेता विकास सेठी का निधन

मेल स्ट्रिपर बनकर स्क्रीन पर छोड़ी थी छाप, एयरहोस्टेस से की थी पहली शादी

बीते दिन टेलीविजन की दुनिया से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आई। 48 साल की उम्र में अभिनेता विकास सेठी ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। वह अपने पीछे अपने जुड़वा बच्चों और पत्नी जाह्नवी विकास सेठी को अकेला छोड़ गए। एक्टर की पत्नी ने बताया कि नींद में ही उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उनका निधन हो गया।

विकास सेठी को याद करके उनके फैंस और सितारे उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। अपने काम के दम पर विकास सेठी ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। हालांकि, उनका ये सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि कई सपोर्टिंग किरदार निभाने के बाद उन्हें जो पहला लीड रोल मिला, वह मेल स्ट्रिपर का था।

एकता कपूर के कई शोज का हिस्सा रहे विकास सेठी

विकास सेठी एक्टर तो अच्छे थे ही, लेकिन वह देखने में भी काफी अच्छे थे, ऐसे में उनके पास शुरुआत में कभी उन्हें काम की नहीं हुई। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सीरियल 'दिल ना जाने क्यों' से की थी। इसके बाद उन्होंने स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में अबीर का किरदार अदा किया।

हालांकि, उन्हें टीवी की दुनिया में पहचान सीरियल 'कहीं तो होगा' से मिली, जिसमें उन्होंने स्वयं शेरगिल का किरदार अदा किया था। इस सीरियल के बाद उनके करियर ने ऐसी रफ्तार पकड़ी की टीवी पर उनकी डिमांड बढ़ गई और उन्होंने क्यों होता है प्यार, के स्ट्रीट पाली हिल, कसौटी जिंदगी की, हमारी बेटियों का विवाह, उतरन, गीत हुई सबसे पराई, दो दिल बंधे एक डोरी से और ससुराल सिमर का जैसे कई लोकप्रिय शो किए।

मेल स्ट्रिपर के रूप में बॉलीवुड में मिला पहला लीड रोल

टेलीविजन के साथ-साथ विकास सेठी ने बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाई। उन्होंने टोटल चार हिंदी फिल्में और एक तेलुगु फिल्म में काम किया। साल 2001 में उनकी फिल्म 'दीवानापन' रिलीज हुई, जिसमें अर्जुन रामपाल और दीया मिर्जा मुख्य भूमिका में थे, विकास ने इसमें सपोर्टिंग किरदार निभाया था।उसके बाद उन्होंने करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में भी काम किया, जिसमें वह कॉलेज के सबसे हैंडसम लड़के 'रॉबी' बने थे। वह फिल्म में पू उर्फ करीना कपूर को पटाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, फिल्म में उनका किरदार काफी छोटा था। 2003 में वो मौका भी आया, जब उन्हें उनकी पहली लीड फिल्म 'ऊप्स' ऑफर हुई। मूवी में वह थे तो मुख्य किरदार में, लेकिन उनकी भूमिका मेल स्ट्रिपर की थी। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'मोड़' में काम किया, लेकिन वह डिब्बाबंद हो गई। बॉलीवुड में सफलता नहीं मिलने के बाद उन्होंने तेलुगु सिनेमा का रुख भी किया और साल 2019 में उन्होंने साइंस फिक्शन थ्रिलर फिल्म आई-स्मार्ट शंकर में काम किया।

विकास सेठी के पहले प्यार को नहीं मिली मंजिल

विकास सेठी अपने करियर के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहे हैं। उन्होंने दो शादियां की थी। उनकी पहली शादी अमिता से हुई थी, जो पेशे से एक केबिन क्रू थीं। विकास-अमिता के प्यार में इस कदर कैद हुए थे कि उन्होंने डांस रियलिटी शो नच बलिए में हिस्सा लिया।

लैला मजनू के अच्छा प्रदर्शन न करने पर दिल टूट गया था : तृप्ति डिमरी

2018 में फिल्म लैला मजनू से अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बॉलीवुड में अपने छह साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में इस फिल्म के अच्छा प्रदर्शन न करने के कारण मेरा दिल टूट गया था। अगस्त में फिल्म लैला मजनू को दोबारा रिलीज किया गया और इसने अच्छी कमाई की। इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, जब लैला मजनू ने अपनी पहली रिलीज पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, तो मैं बहुत दुखी हो गई थी। लेकिन अब यह देखना अविश्वसनीय है कि लोगों ने इसे कैसे अपनाया।साजिद अली द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा को इम्तियाज अली ने प्रजेंट किया है। वहीं प्रीति अली, एकता कपूर और शोभा कपूर ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म लैला और मजनू की कहानी है।तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं हर दिन प्रशंसकों से इस फिल्म के लिए तारीफ सुनती हूं।यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसमें हम सभी ने पूरे दिल से मेहनत की थी। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी।

मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया भर के दिलों को छूती रहेगी और इसके लिए लोगों का प्यार कभी कम नहीं होगा।अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। वह कार्तिक आर्यन अभिनीत हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही वह धड़क 2 में भी नजर आएंगी।करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म का पहला लुक शेयर करते हुए लिखा, यह कहानी थोड़ी अलग है। एक बार एक राजा और एक रानी थे, दोनों अलग-अलग जातियों के थे। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित, सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत धड़क 2,,फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी।फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। दोनों अलग-अलग दुनिया के किरदारों को निभाएंगे। यह फिल्म शोषित जातियों के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे पर प्रकाश डालती है।धड़क फ्रैंचाइज के पहले भाग में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जिन्होंने ईशान खट्टर के साथ अभिनय किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपको कामकाज के मोर्चे पर धक्का लग सकता है, क्योंकि आपकी सेहत आपके साथ नहीं है और इसके चलते आपको कोई ज़रूरी काम अधर में ही छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे हालात में धैर्य और होशियारी से काम लें। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालांकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएं। यह बात याद रखें कि धन मिल सकता है लेकिन रिश्ते नहीं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें वरना उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक खुद को ढालें। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता मज़बूत होगा। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। जो लोग अब तक पैसे को बेवजह खर्च कर रहे थे आज उन्हें समझ आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है क्योंकि आज अचानक आपको पैसे की जरुरत पड़ेगी और आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपका अड़ियल स्वभाव आपके माता-पिता का चैन छीन सकता है। बिना किसी को बताए आप आज अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं होंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमज़ोर हैं और उससे आपकी कमज़ोरी और बढ़ेगी। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएं, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी ज़रूरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा। जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। आज अचानक तबीयत खराब हो सकती है जिससे आप सारे दिन भर परेशान रह सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। शाम का वक्त अच्छा रह सकता है। लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका स्वास्थ्य और निडर नज़रिया आपके दोस्त के अहंकार को ठेस पहुँचा सकता है। आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आपको खुश रखने के लिए आपके बच्चे जो कुछ कर पड़ेंगे, वह करेंगे। अगर आप यात्रा कर रहे हैं तो सभी ज़रूरी दस्तावेज़ साथ रखना न भूलें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। माता के साथ आज आप अच्छा समय बिता सकते हैं, आज वो आपको आपके बचपन की बातें शेयर कर सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की ज़रूरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपको बच्चों या खुद के साथ ज़्यादा समय बिताने की ज़रूरत है। जो लोग अपने प्रेमी से दूर रहते हैं उन्हें आज अपने प्रेमी की याद सता सकती है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। किसी दोस्त की सहायता करके आज आप अच्छा महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

लंबे समय से चली आ रही अपनी बीमारी का इलाज अपनी मुस्कान से करें, क्योंकि यह सभी परेशानियों की सबसे कारगर दवा है। बीते दिनों में जितना धन अपने आज को बेहतर बनाने के लिए इन्वेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको मिल सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। कोई आपको दिल से सराहेगा। शादीशुदा ज़िन्दगी के नज़रिए से चीज़ें काफ़ी अच्छी रहेंगी। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खासा धन खर्च हो सकता है। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएं, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी बीमारी के बारे में चर्चा करने से बचें। बेहतर तबियत से ध्यान हटाने के लिए कोई और दिलचस्प काम करें। क्योंकि इस बारे में आप जितनी ज़्यादा बात करेंगे, उतनी ही ज़्यादा तकलीफ़ आपको होगी। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है। ऐसे काम करें जिनसे आपको ख़ुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दख़लअंदाज़ी से बचें। अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरूरत है। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है। आपके दोस्त आपके काम नहीं आते यह शिकायत आज आपको हो सकती है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 10 सितंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:13 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 08:03 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 12:29 तक
करण : गर प्रातः 10:39 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:17 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सन्तान सप्तमी , गौरी आवाहन, महालक्ष्मी व्रत आरंभ , दूबडी सप्तमी , भद्रा रात्रि 11:13 से , गण्डमूल रात्रि 08:04 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान दुनिया के उद्यमियों को उद्योग लगाने के लिए खुले मन से स्वागत करने को आतुर : भजनलाल

सियोल/जयपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान अपने यहां पूरी दुनिया के उद्यमियों को उद्योग और व्यापार स्थापित करने के लिए खुले मन से स्वागत करने को आतुर है।

श्री शर्मा ने सोमवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दक्षिण कोरिया में आयोजित पर्यटन क्षेत्र के इन्वेस्टर्स मीट के दौरान यह बात कही। इस मौके उन्होंने दक्षिण कोरियाई निवेशकों को राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है जो तेजी से उभरता हुआ औद्योगिक प्रगति का केंद्र है और अपने यहां पूरी दुनिया के उद्यमियों को उद्योग और व्यापार स्थापित करने के लिए खुले मन से स्वागत करने को आतुर है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरियाई उद्यमियों के साथ ऐसा हम संबंध स्थापित करना चाहते हैं, जो पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ दो महान देशों भारत और दक्षिण कोरिया के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को भी सशक्त बनाए। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश करके, आप एक ऐसे बाजार में प्रवेश कर सकते हैं जो परंपरा और नवीनता, दोनों को समान महत्व देता है और दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा मैं आप सभी को राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाओं की खोज करने के लिए आमंत्रित करता हूं। हमारी सरकार आपके निवेश की यात्रा में हर कदम पर सहयोग करने के लिए तैयार है। साथ मिलकर हम राजस्थान के लिए एक सुनहरा भविष्य बना सकते हैं और हमारे दोनों महान देशों के बीच मित्रता को और मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतरीन बुनियादी ढ़ांचे, कनेक्टिविटी और सुविधाओं के साथ, राजस्थान आपके निवेश को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। राजस्थान की संस्कृति, ऐतिहासिक स्थलों और वास्तुशिल्प को देखने के लिए दुनिया भर से लाखों की संख्या में

सैलानी आते हैं। पर्यटन के लिए दुनिया भर में पहचान रखने वाला राजस्थान एक उद्यमी राज्य के तौर पर भी तेजी से पहचान स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए हम दक्षिण कोरियाई उद्यमियों के साथ ऐसा संबंध स्थापित करना चाहते हैं, जो पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ दो महान देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को भी सशक्त बनाए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के दीपावली, होली, तीज, मरु महोत्सव, पुष्कर मेला जैसे जीवंत त्योहार और उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाते हैं। इसी तरह कोरिया के त्योहार भी रंग, संगीत, नृत्य, और परंपराओं से भरपूर होते हैं, जो दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। दोनों देशों की कला और शिल्प एक ऐसा सेतु है, जो हमें गहराई से जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की भूमि इतिहास परंपराओं और असीम संभावनाओं से परिपूर्ण है, जो आपके साथ विकास, साझेदारी और सहयोग के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश करके, आप एक ऐसे बाजार में प्रवेश कर सकते हैं जो परंपरा और नवीनता, दोनों को समान महत्व देता है और दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। हमारे निवेश मॉडल आर्थिक विकास और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने पर केंद्रित है, जिससे हमारी प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण भी हो सके। इसके अलावा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सियोल में पॉस्को इंटरनेशनल और एसजी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इस बैठक में पॉस्को इंटरनेशनल के ग्लोबल बिजनेस (न्यू बिजनेस) के उपाध्यक्ष शिन डे-हो, एसजी कॉरपोरेशन के सीईओ सेओ ओहजिन और पॉस्को के अन्य अधिकारी शामिल हुए। उन्होंने पॉस्को इंटरनेशनल के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी और राजस्थान में सड़कों को बेहतर बनाने के लिए एक इकाई लगाने की भी पेशकश की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मुख्यमंत्री के एसीएस शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (उद्योग) अजिताभ शर्मा और राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

आपा ने हरियाणा विधानसभा के लिए 20 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी (आपा) के हरियाणा विधानसभा के लिए अपने 20 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन की चर्चाओं पर विराम लग गया है।

AAM AADMI PARTY

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने आज यहां हरियाणा विधानसभा के 20 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की जिसमें नारायणगढ़ से गुरपाल सिंह, कलायत से अनुराग ढांडा, पुंडरी से नरेंद्र शर्मा और घरौंडा से जयपाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा इनमें असंध से अमनदीप ज़ुंदला, समालखा से बिट्टू पहलवान, उचाना कलां से पवन फौजी, दाबवली से कुलदीप गदराना, रानिया से हैप्पी रानिया, भिवानी से इन्दु शर्मा, मेहम से विकास नेहरा, रोहतक से बिजेंद्र हुड्डा, बहादुरगढ से कुलदीप चिकारा, बादली से रणवीर गुलिया, बेरी से सोनू अहलावत, महेन्द्रगढ से मनीष यादव, नरनौल से रवींद्र मातरू, बादशाहपुर से बीर सिंह सरपंच, सोहना से धर्मेंद्र खटाना और बल्लभगढ़ से रवींद्र फ़ौजदार को प्रत्याशी बनाया गया है। आपा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने एक्स पर उम्मीदवारों की सूची साझा करते आम आदमी पार्टी के सभी प्रत्याशियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

भव्य बिश्नोई ने भरा नामांकन

हिसार, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने सोमवार को आदमपुर से भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई के चुनाव कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया और बाद में भव्य विश्नोई ने नामांकन भरा।

स्थानीय गोपीराम धर्मशाला में स्थापित किये गये मुख्य चुनाव कार्यालय में सुबह हवन यज्ञ किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि पार्टी बैठक में टिकट वितरण की बात आयी तो आदमपुर को लेकर सबने एकमत से भव्य बिश्नोई का नाम दिया। उन्होंने कहा, यह लोगों के प्यार और विश्वास की झलक है। न केवल हरियाणा बल्कि पूरा देश जानता है की 56 सालों से हम और आप एक दूसरे की पहचान हैं। यह पहचान अगले 56 सालों तक भी ऐसे ही कायम रहेगी, ऐसी मेरी उम्मीद है। इस दौरान रणधीर पनिहार, विधानसभा प्रभारी मंदीप मलिक, संयोजक विनोद ऐलावादी, जयवीर गिल, मनीष ऐलावादी, ब्लॉक समिति चेयरमैन हंसराज, मंडल अध्यक्ष सुरजभान महला, चंद्रपाल भादू, शशीकांत शर्मा हलके के विभिन्न गांवों के सरपंचों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यालय शुभारंभ के बाद भव्य बिश्नोई ने हिसार स्थित लघु सचिवालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ कुलदीप बिश्नोई, पूर्व विधायक रेनुका बिश्नोई, रणधीर पनिहार और विक्रांत बिश्नोई सहित पारिवारिक सदस्य थे। नामांकन में दिये गये शपथ पत्र के अनुसार भव्य बिश्नोई के पास एक लाख 90 हजार रुपये नकद एक करोड़ 59 लाख 39 हजार 635 रुपये का बैंक खातों डिपोजिट और चल-अचल संपत्ति 32 लाख 649 रुपये बाँड, म्युचवल फंड और शेयर, 2,96,00,591 का ऋण, एक करोड़ रुपये की ज्वैलरी आदि है।

जयपुर में दो दिवसीय सामुदायिक रेडियो कार्यशाला की हुई शुरुआत

जयपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया एवं अंतिम मील कनेक्टिविटी बनाने की क्षमता पर चर्चा और इसका व्यापक प्रसार करने के उद्देश्य से सोमवार को जयपुर में केन्द्र सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

सीकिंग मॉडर्न एप्लीकेशन फॉर रियल ट्रांसफॉर्मेशन (स्मार्ट) नई दिल्ली और स्थानीय भागीदार के रूप में रेडियो 7 राजस्थान के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। पत्र सूचना कार्यालय की अपरमहानिदेशक ऋतु शुक्ला ने इस दो दिवसीय सामुदायिक रेडियो जागरूकता कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में कहा कि आज का दौर ग्लोबल से लोकल का दौर है, जिसके फलस्वरूप सामुदायिक रेडियो का महत्व बहुत बढ़ जाता है क्योंकि वह हर व्यक्ति से अपने स्तर पर संपर्क स्थापित कर सकता है।

उन्होने कहा कि ऐसे कई क्षेत्र हैं, जो मीडिया से अभी भी अछूते हैं और वहां सामुदायिक रेडियो स्टेशन के द्वारा मुख्यधारा में जोड़े जा सकते हैं। सूचना के बढ़ते चैनलों के बावजूद इसकी प्रासंगिकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सामुदायिक रेडियो सूचना का एक विश्वसनीय स्रोत हैं, इसलिए जब वे कुछ कहते हैं तो समुदाय सुनता है।

कार्यशाला के उदघाटन सत्र में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त निदेशक जी एस केसरवानी ने बताया कि केन्द्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा पूरे देश में सामुदायिक रेडियो स्टेशन जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मीडिया से वंचित जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सरकार हर जिले में कम से कम एक सी आर स्टेशन रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि हाल में संशोधित नीति दिशानिर्देशों ने एक संगठन द्वारा 6 स्टेशन स्थापित करने की अनुमति दी है, जबकि पहले एक संगठन में केवल एक स्टेशन होता था।

स्मार्ट की संस्थापक अर्चना कपूर ने स्थानीय आवाज़ों को सशक्त बनाने में सामुदायिक रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि सामुदायिक रेडियो का माध्यम व्यक्तियों, समूहों और समुदायों को अपनी कहानियां सुनाने, अनुभव साझा करने और सामग्री निर्माता बनने में सक्षम बनाता है, विशेष रूप से उन मुद्दों को संबोधित करता है जो स्थानीय लोगों के लिए लोकप्रिय और प्रासंगिक हैं लेकिन मुख्यधारा के मीडिया में कोई स्थान नहीं पाते हैं। इस कार्यशाला में राजस्थान, गुजरात और हरियाणा से 45 प्रतिभागियों भाग ले रहे हैं। इन सभी प्रतिभागियों ने अपने राज्यों में आदिवासी, सामाजिक और विकास के मुद्दों के साथ किसान विज्ञान केंद्रों पर काम करने वाले जमीनी स्तर के समुदाय-आधारित संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों का प्रतिनिधित्व किया। यहां सामुदायिक रेडियो से जुड़े विभिन्न वर्गों के लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। जिनमें उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह स्थानीय समुदायों को जागरूक करने और उन्हें सशक्त बनाने में मदद कर सकता है। सुदूर क्षेत्रों में सामुदायिक रेडियो की अपनी एक बड़ी भूमिका है।

द्रौपदी वाले बयान से भाजपा ने किया किनारा

यह बृजभूषण का व्यक्तिगत बयान : मोहनलाल बड़ोली

जींद, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली सोमवार को उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र अत्री का नामांकन पत्र दाखिल करवाने पहुंचे। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि देवेंद्र अत्री युवा हैं और उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र से भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। बृजभूषण द्वारा द्रौपदी का नाम लेकर दिए बयान पर बड़ोली ने कहा कि यह बृजभूषण का व्यक्तिगत ब्यान है, इससे पार्टी का कोई लेना देना नहीं है।

उचाना कलां विधानसभा सीट राजघरानों की सीट होने पर बड़ोली बोले कि ऐसा कुछ नहीं है। यहां के लोग अब दुष्यंत चौटाला और बीरेंद्र सिंह को हराकर उचाना के सेवक के रुप में देवेंद्र अत्री को मौका देंगे। दुष्यंत चौटाला द्वारा भाजपा के हारने के बयान पर मोहनलाल बड़ोली ने कहा कि दुष्यंत चौटाला कुछ भी बोल सकते हैं।

लोकतंत्र में सभी को बोलने की आजादी है। भाजपा में फूट के सवाल पर मोहनलाल ने कहा कि भाजपा में कोई फूट नहीं है। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाएंगे।

विनेश के फैसले से ताऊ महाबीर खफा : बोले

विनेश नेता तो बन जाएगी, पर ओलंपिक मेडलिस्ट नहीं कहला पाएगी

चरखी दादरी, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

द्रोणाचार्य अवार्डी महाबीर फौगाट ने कहा है कि विनेश ने राजनीति में आने का फैसला लेने में जल्दबाजी की। इससे वह नेता तो बन जाएगी, लेकिन ओलंपिक मेडलिस्ट नहीं कहला पाएगी। उसे वर्ष 2028 के ओलंपिक का इंतजार करना चाहिए था। इस बार वह यकीनन पदक विजेता बनती।

कुश्ती से संन्यास लेकर हाल ही में कांग्रेस ज्वाइन करने और जींद के जुलाना से चुनाव मैदान में उतरी ओलंपियन विनेश फौगाट के ताऊ उनके राजनीति में आने के फैसले से खफा हैं। महाबीर ने कहा, विनेश में काबिलियत है। इस बात के पूरे चांस थे कि वह अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक देश की झोली में डालती। बेहतर होता वह राजनीति में आने के लिए चार साल इंतजार कर लेती। विनेश के प्रारंभिक कुश्ती कोच महाबीर ने कहा कि राजनेता को लोग पांच साल बाद भूल जाते हैं, लेकिन ओलंपिक पदक विजेता हमेशा याद किए जाते हैं। वे लाखों-करोड़ों युवाओं की प्रेरणा बन

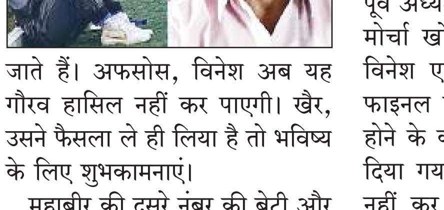

जाते हैं। अफसोस, विनेश अब यह गौरव हासिल नहीं कर पाएगी। खैर, उसने फैसला ले ही लिया है तो भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

महाबीर की दूसरे नंबर की बेटी और पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान बबीता फौगाट करीब छह साल पहले भाजपा का दामन थाम चुकी हैं। पिछले चुनाव में बबीता को भाजपा ने दादरी हलके से प्रत्याशी के तौर पर उतारा था। वह तीसरे नंबर पर रही थीं। इस बार उनका टिकट कट गया है। बेटी का टिकट कटने पर महाबीर ने कहा कि यह तो राजनीति में चलता रहता है। संगठन किसी एक को ही खुश कर सकता है। पार्टी का फैसला बबीता के लिए सबसे ऊपर है।चरखीदादरी के छोटे से गांव बलाली से निकलकर कुश्ती में नाम कमाने वाली विनेश की शादी जींद जिले के जुलाना निवासी अंतरराष्ट्रीय पहलवान सोमबीर राठी से हुई है। कांग्रेस ने पार्टी ज्वाइन करने के सात घंटे के भीतर उन्हें जुलाना से ही मैदान में उतार दिया। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पहलवानों में से विनेश एक थीं।पेरिस ओलंपिक के फाइनल में 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण मुकाबले से बाहर कर दिया गया। विनेश पदक तो हासिल नहीं कर सकीं लेकिन देश ने उन्हें वापस लौटने पर चैंपियन जैसा सम्मान दिया। यहां तक कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने भी विनेश को चार करोड़ रुपये देने की घोषणा की। तेजी से बदले घटनाक्रम में विनेश ने शुक्रवार को अपने जीजा बजरंग पूनिया के साथ कांग्रेस का हाथ थाम लिया।

बजरंग महाबीर फौगाट की बेटी संगीता के पति हैं। बलाली के रहने वाले महाबीर फौगाट का कुनबा इस समय तीन पार्टियों में बंटा है। बड़ी बेटी बबीता भाजपा में हैं जबकि भतीजी विनेश फौगाट व दामाद बजरंग पूनिया कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उनके भाई सज्जन बलाली जननायक जनता पार्टी के दादरी जिला अध्यक्ष हैं।

अंबेडकर प्रतिमा को खंडित करने के विरोध में कामां में तनाव

भरतपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में डीग जिले के कामां में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को खंडित कर दिये जाने के विरोध में कस्बे में तनाव के हालात हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 22 अगस्त को बाबा साहेब की मूर्ति को खंडित करने की घटना के बाद कल रात एक बार फिर कस्बे के जुरहरा रोड़ स्थित अंबेडकर पार्क में लगी मूर्ति को खंडित कर दिये जाने से दलित समाज में आक्रोश फैल गया है और बड़ी संख्या में वे एकत्र होकर थाने के समक्ष प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।तनाव को देखते हुए कस्बा कामां में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और अधिकारी हालात पर नजर बनाये हुये हैं। बाबा साहब की मूर्ति को खंडित करने की यह घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है, जिसमें कल रात दो बजकर 26 मिनट पर मुंह को कपड़े से ढक कर एक युवक अंबेडकर पार्क में दीवार फांदकर घुसने के बाद प्रतिमा की उंगली तोड़कर फरार होता नजर आया। पुलिस एवं प्रशासन ने कस्बा में कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिये लोगों को समझाइश में जुटा हुआ है।

बिहार में भाजपा नेता की दिखी दबंगई

वॉल पेंटिंग करने वाले कर्मी को जमकर पीटा, सोशल मीडिया पर वायरल

सारण (एजेंसियां)।
सारण में एक भाजपा नेता की दबंगई सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। भाजपा नेता पर आरोप है कि उन्होंने दीवार पर पेंटिंग करने वाले कलाकार की जमकर पिटाई की है। पिटाई इस कदर हुई है कि कलाकार का हाथ और सिर फट गया है। फिलहाल उनका इलाज पटना में चल रहा है। पेंटिंग करने वाले कलाकार का कहना है कि वे लोग पटना फाइन आर्ट के छात्र हैं।

पीड़ित फाइन आर्ट के कारीगर ने भगवान बाजार थाने को आवेदन देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है, जबकि भाजपा नेता इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो में सब कुछ स्पष्ट दिख रहा है कि छपरा के हृदय स्थली माने जाने वाले राजेंद्र स्टेडियम जाने वाली सड़क के मुख्य द्वार पर वॉल पेंटिंग करने वाले कलाकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वयंसेवी संगठन के वरीय सदस्य, नगर निगम के मेयर पद के पूर्व प्रत्याशी सह भाजपा के नगर अध्यक्ष राजेश फैशन के द्वारा नोंकझोंक किया जा रहा है।

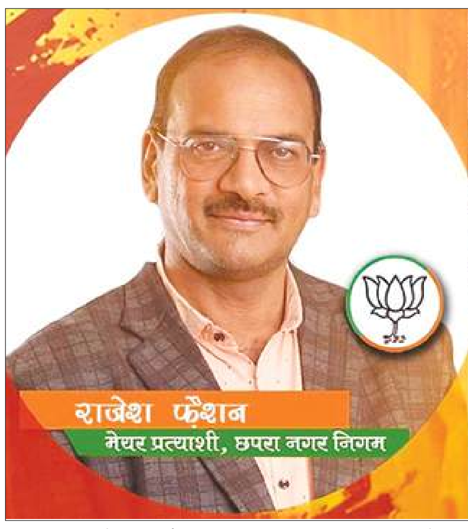

घटना के संबंध में बताया जाता है कि अनाधिकृत रूप से रोटरी के द्वारा बनाए गए यात्रीशेड के निकट वॉल पेंटिंग का काम चल रहा था, जहां भाजपा नेता ने अपने पसंद की तस्वीर बनाने का आग्रह किया था। लेकिन जब कलाकार ने यह कहा कि नगर निगम के मेयर या जिलाधिकारी से स्वीकृति दिला दीजिए। उसके बाद आप जैसा कहियेगा वैसी तस्वीर बना दी जायेगी। क्योंकि बगैर अनुमति या आदेश के हम लोग कोई तस्वीर नही बनाते हैं। बस इतना सा कहना था कि भाजपा नेता भड़क गए और सरेआम रोड पर उक्त कलाकार की पिटाई शुरू कर दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस मामले में सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बयान जारी कर बताया गया है कि स्थानीय भगवान बाजार थाना को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे विडियो प्राप्त हुआ है। इसमें एक युवक नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे वॉल पेंटिंग को कर रहे कर्मियों से झगड़ा करते हुए दिख रहा है। उक्त विडियों के सत्यापन के लिए भगवान बाजार थाने की पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल पर जा कर पुछताछ की गई । जिससे यह बात प्रकाश में आई कि राजेश फैशन के द्वारा पेंटिंग कर रहे कर्मियों से मनचाही पेंटिंग नही करने को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें एक कर्मी घायल हो गया है। हालांकि वर्तमान में घायल कर्मी पटना में ईलाजरत हैं। जिनके फर्द बयान लेने के लिए एक पुलिस पदाधिकारी को पटना भेजा गया है। फर्द बयान प्राप्त करने के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पटना में भाजपा नेता की हत्या

लूटपाट का विरोध करने पर अपराधियों ने मार दी गोली

पटना (एजेंसियां)।
पटना सिटी में भाजपा चौक मंडल के अध्यक्ष मुन्ना शर्मा की अपराधियों ने लूटपाट के दौरान गोली मार कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर मुन्ना शर्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दी है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मुन्ना शर्मा के बेटे का रविवार को छेका कार्यक्रम था। सोमवार की अहले सुबह अपने परिवार को छोड़ने मंगल तालाब के नजदीक पहुंचे थे। इसी क्रम में अपराधियों द्वारा सोने के चेन छिनने के क्रम में उन्हें गोली मार दी गई। मौके पर ही मुन्ना शर्मा की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

घटना की जानकारी देते हुए आसपास के लोगों ने बताया कि रविवार को मुन्ना शर्मा जी के घर पर उनके बेटा का छेका कार्यक्रम हुआ था। सोमवार की सुबह वह अपने परिवार के लोगों को ऑटो पर छोड़ने मंगल तालाब के नजदीक रामदेव महतो सामुदायिक भवन के पास पहुंचे थे। ऑटो से छोड़ने के बाद वह मंदिर के नजदीक वह बैठ गए। इसी क्रम में मोटरसाइकिल से तीन अपराधी उनके पास पहुंचे और लूटपाट की कोशिश करने लगे। विरोध करने पर अपराधियों ने गोली मार दी। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। इस दौरान एक अपराधी उनके गले का सोने का चेन छीन लिया और फिर तीनों अपराधी आराम से मोटरसाइकिल से फरार हो गए।

इधर, मॉर्निंग वॉक करने निकले कुछ लोगों के द्वारा जब यह देखा गया तो मुन्ना शर्मा को पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चौक थाने को दी। सूचना पाकर चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की पुष्टि करते हुए चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि सोमवार की सुबह मुन्ना शर्मा की हत्या का मामला सामने आ रहा है। घटना के बाद पुलिस मौके पर एफएसएल टीम और डॉग स्क्वायड के माध्यम से छानबीन शुरू कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को भी खंगाल रही है। इसके अलावा आसपास के लोगों से भी इस मामले में बातचीत की जा रही है।

पटना में 'मिशन टोटल सेग्रीगेशन' की शुरुआत

स्वच्छता के लिए 'मेरा शहर मेरी जवाबदेही' अभियान का एलान

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने पटना के आवास बोर्ड में 'मिशन टोटल सेग्रीगेशन' का उद्घाटन किया। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतर प्रदर्शन और शहर को कचरा मुक्त बनाना है। मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इस मुहिम के तहत पटना नगर निगम शहरवासियों से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग देने की अपील करेगा ताकि कचरे का उचित संग्रहण और निष्पादन किया जा सके।

मंत्री ने बताया कि 'मेरा शहर मेरी जवाबदेही' के तहत इस अभियान में विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, स्कूलों और सामाजिक संगठनों को शामिल किया जाएगा। इस ड्राइव में प्रभावी लोगों को सफाई एंबेसडर बनाया जाएगा। पटना नगर निगम के सफाई इंस्पेक्टर, ड्राइवर, हेल्पर और मोबिलाइजर को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह पहली बार है कि पटना नगर निगम की गाड़ियों में ड्राइवर और हेल्पर के साथ एक अतिरिक्त मोबिलाइजर भी शामिल होगा। अभियान की औपचारिक शुरुआत 19 सितंबर को राज्यपाल की उपस्थिति में की जाएगी। मंत्री ने बताया कि दो हजार नगर निगम कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी शामिल होंगी। ये महिलाएं डोर-टू-डोर कचरा गाड़ी के साथ घर-घर जाएंगी। इसके साथ ही, वाहन साथी सह कूड़ा पृथक्करण पंजी भी जारी की जाएगी, जिससे गाड़ियों के रूट चार्ट, ठहराव स्थल, पहुंचने का समय और कचरा फेंकने वाले संस्थानों की पहचान की जा सकेगी।

पितृपक्ष मेला की सारी तैयारी पूरी

सभी वेदियों पर समुचित व्यवस्था बनाया गया पार्किंग स्थल

पटना (एजेंसियां)।
17 सितंबर से शुरू होने वाली विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सड़क मार्ग से गयाधाम आने वाले तीर्थयात्रियों के सुविधा के लिए बड़ा व छोटे वाहन पार्किंग, आवासन स्थल साथ ही सभी वेदी स्थलों पर सारी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। इस संबंध में गया के डीएम डा. त्याग राजन एसएम ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2024 के अवसर पर विभिन्न वेदी घाट स्थल, यात्री व पुलिस आवासन एवं पार्किंग क्षेत्र पर स्थाई शौचालय एवं स्नानाघर की मरम्मती, अस्थाई शौचालय व स्नानाघर, प्री-फेब्रीकेट शौचालय व स्नानाघर का अधिष्ठापन एवं पेयजल हेतु प्याऊ की मरम्मती, मोटर, टंकी एवं नल कनेक्शन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

डीएम ने बताया कि वेदी घाट स्थल जैसे देवघाट वेदी स्थल पर पूर्व में अधिष्ठापित महिला झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) एवं पुरुष झरना बाथरूम यूनिट (10 झरना) की मरम्मती, प्री फेब्रीकेट क्लॉथ चैन्जिंग रूम 10 यूनिट अधिष्ठापित करना, वेदी घाट स्थल के नियंत्रण कक्ष पर 2 यूनिट ठंडा वाटर कूलर एवं फ़िल्टर की व्यवस्थता, प्रांगण पर सभी 7 चापाकल की मरम्मती, कार्य करना शामिल था, जो 09 सितंबर को अंतिम रूप दे दिया गया है। वहीं शमशान घाट पर प्री-फेब्रीकेट स्नानाघर पुरुष 5 यूनिट व महिला 5 यूनिट अधिष्ठापित करना, बोरिंग में मोटर, 2 टंकी एवं 5 नल कनेक्शन, प्री-फेब्रीकेट क्लॉथ चैन्जिंग रूम 5 यूनिट अधिष्ठापित करना, 3 चापकाल की मरम्मती कार्य करना शामिल है। इसी प्रकार प्रेतशिला वेदी घाट स्थल मैदान पर स्थाई शौचालय पुरुष 4 यूनिट व महिला -5 यूनिट 3 यूनिट स्नानाघर मरम्मती कार्य करना, एक प्याऊ 9 नल कनेक्शन मरम्मती कार्य करना शामिल। इसके साथ ही प्रेतशिला वेदी, वेतरणी सरोवर, धर्मारण्य वेदी, सरस्वाति वेदी, मतांगवापी वेदी, ब्राहमवेदी व कागवाली वेदी, रामशीला वेदी, सूर्यकुण्ड तालाब और सिताकुंड वेदी समेत मेला क्षेत्रों में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली है।

उन्होंने बताया कि सड़क मार्ग से वाहन से गया धाम आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग स्थल का चयन कर लिया गया है। मेला के दौरान बड़े वाहन गया कालेज खेल परिसर, केंदुई, प्रेतशिला वेदी के समीप किसान कॉलेज परिसर, मानपुर भुसुंडा बस स्टैंड चयनित किया गया है। वहीं छोटे वाहन शहर के बीचोंबीच समीरतक्या संक्रमण अस्पताल परिसर में बनाया गया है। जहां अस्थाई शौचालय, पेयजल और रौशनी की व्यवस्था की गई है। साथ ही 33 यात्रीस्थल और 27 पुलिस शिविर स्थल पर आवश्यकता अनुसार स्थाई शौचालय व स्नाना घर की व्यवस्था की गई है।

समस्तीपुर में विधानसभा चुनाव की तैयारी

मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 3,220 करने का प्रस्ताव

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर जिले में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। चुनाव आयोग की नई गाइडलाइन के अनुसार, जिले में 163 नए मतदान केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो जिले में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 3,056 से बढ़कर 3,220 हो जाएगी।

चुनाव आयोग की नई गाइडलाइन के तहत, 1400 मतदाताओं पर एक मतदान केंद्र की व्यवस्था की गई है। इसी मानक को ध्यान में रखते हुए, समस्तीपुर जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में नए मतदान केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि भौतिक सत्यापन के आधार पर, जैसे कि 1400 से अधिक मतदाता, दो किलोमीटर से अधिक दूरी, और प्राकृतिक बाधाएं देखते हुए नए मतदान केंद्रों की आवश्यकता महसूस की गई है।

विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रों की स्थिति

- कल्याणपुर: 29 नए मतदान केंद्र प्रस्तावित हैं, जिससे यहां की कुल संख्या 370 हो जाएगी।
- वारिसनगर: 22 नए मतदान केंद्रों का प्रस्ताव है, जिससे कुल संख्या 351 हो जाएगी।
- समस्तीपुर: 14 नए केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे संख्या 305 हो जाएगी।
- उजियारपुर: 12 नए केंद्रों का प्रस्ताव है, कुल संख्या 325 हो जाएगी।
- मोरवा: 28 नए केंद्र प्रस्तावित हैं, कुल संख्या 310 हो जाएगी।
- सरायरंजन: 13 नए केंद्रों का प्रस्ताव है।
- मोहिउद्दीन नगर: 10 नए केंद्रों का प्रस्ताव है।
- विभूतिपुर: 13 नए केंद्रों का प्रस्ताव है, कुल संख्या 299 हो जाएगी।
- रोसड़ा: 10 नए केंद्र बनाए जाएंगे, कुल संख्या 359 हो जाएगी।
- हसनपुर: 12 नए केंद्रों का प्रस्ताव है, कुल संख्या 322 हो जाएगी।

प्रस्तावित नए मतदान केंद्रों में से 20 केंद्र वर्तमान में जर्जर भवनों में चल रहे हैं और इन्हें नए स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा, आठ केंद्र दो किलोमीटर से अधिक दूरी वाले क्षेत्रों में बनाए जाएंगे, जबकि दो केंद्रों की स्थापना पहुंच पथ की कमी के कारण की जाएगी।

इस विस्तृत योजना से चुनावी प्रक्रिया को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नए मतदान केंद्रों के स्वीकृत होने के बाद, मतदाताओं को बेहतर सुविधा और सुविधा प्राप्त होगी। इससे चुनाव की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और सरल बनाया जा सकेगा।

जहरीली शराब से चार की मौत, दो की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। वैशाली और कटिहार जिले में शनिवार को दो अलग-अलग घटनाओं में ये मौतें हुईं। बिहार में शराब की बिक्री और पीने पर प्रतिबंध है। पुलिस के मुताबिक, वैशाली के खोरमपुर गांव में एक पार्टी के दौरान शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खड़गपुर गांव निवासी मोहन महतो (42) और पकौली गांव के नितेश कुमार (31) के रूप में हुई। नितेश के बड़े भाई बिक्रम की हालत गंभीर है। उसे यहां सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोहन के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सैलरी के बदले उसे शराब पिलाई गई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना कटिहार के दिलवारपुर गांव की है, जहां तीन दोस्तों ने बंद कमरे में मटन और शराब पार्टी की। इस दौरान दो युवकों की मौत हो गई, जिनकी पहचान शेख सद्दाम (35) और अमित कुमार साह (24) के रूप में हुई है। गंभीर हालत में शेख बदरुद्दीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि, इन मौतों के पीछे जहरीली शराब के सेवन की आशंका जताई जा रही है। बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब की अवैध बिक्री और सेवन की घटनाएं सामने आती रही हैं।

बेगूसराय में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

अस्थि विसर्जन करने जा रहे थे

मुंगेर (एजेंसियां)।
बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल थानाक्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। घटना हीरा टोल जीरो माइल श्री कृष्णा सेतु के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दो मोटरसाइकिलों को कुचल दिया। दोनों युवक मुंगेर घाट पर किसी परिजन का अस्थि विसर्जन करने के लिए जा रहे थे।

मृतकों की पहचान मधेपुरा के गम्हरिया थानाक्षेत्र के चिकनी खार निवासी लक्ष्मण शर्मा के बेटे पन्नालाल शर्मा और भागवत शर्मा के बेटे राहुल शर्मा के रूप में की गई है। दोनों युवक की उम्र 30 वर्ष बताई जा रही है। हादसे के समय वे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे।

जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने मुंगेर पुल पर मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और घटनास्थल पर खून से सने शव पड़े थे। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी।

पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष और प्रशिक्षु डीएसपी हिमांशु ने घटना की पुष्टि की और बताया कि मोटरसाइकिल नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस हादसे के लिए जिम्मेदार वाहन के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है।

वहीं, इस हादसे ने मृतकों के परिवारों में शोक की लहर फैला दी है। परिजन घटना के बाद पूरी तरह से हताश और असहाय नजर आ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com